श्रमा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 24 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 18 अगस्त, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

केंद्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला ने गुवाहाटी में पुरबी डेयरी प्लांट का दौरा किया – पेज 3
राष्ट्रपति मुर्मू ने समुद्र में उतारा प्रोजेक्ट 17ए फ्रिगेट्स का छटा जहाज विंध्यगिरी – पेज 4
महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और समस्या स्वीकार न करना बनेगा सरकार ... – पेज 5
डांस में करियर या कोरियोग्राफर कैसे बने... – पेज 8

পূর্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

कार्य-अकार्य के तत्वदर्शी ही मंत्री होने चाहिए।

- आचार्य चाणक्य

भाजपा चुनाव में उतरेगी मोदी के चेहरे और सामूहिक नेतृत्व के साथ

नई दिल्ली। तीन महीने बाद होने जा रहे छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान के विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा की रणनीति साफ होने लगी है। इनमें भाजपा राज्य के सामूहिक नेतृत्व और मोदी के चहरे से सहारे मैदान में उतरेगी। तीनों ही राज्यों में पार्टी में अंदरूनी गुटबाजी को रोकने के लिए यह रणनीति मुफीद साबित हो सकती है। तीनों राज्यों में मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित नहीं करना और राजस्थान में चुनाव प्रबंधन समिति और संकल्प पत्र समिति में वसुंधरा राजे को जगह नहीं दिया जाना इसी रणनीति का हिस्सा है। भाजपा के उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार, वसुंधरा राजे निश्चित रूप से राजस्थान के बड़ी नेता हैं और पार्टी चुनाव प्रचार में उनका भरपूर इस्तेमाल भी करेगी। हो सकता है कि उन्हें चुनाव प्रचार समिति में जगह भी दे दी जाए, लेकिन राज्य के अन्य नेताओं को भी बड़ी जिम्मेदारी देना जरूरी है। ताकि सभी नेता एकजुट होकर सामूहिक रूप से पार्टी की जीत में योगदान कर सकें। मध्यप्रदेश में भी मुख्यमंत्री के रूप में शिवराज सिंह चौहान लाड़ली बहन जैसी लोकप्रिय सरकारी योजनाओं के साथ जनता के बीच लगातार जा रहे हैं, लेकिन चुनाव प्रचार समिति की कमान केंद्रीय मंत्री नरेंद्र तोमर को सौंपी गई है। ध्यान देने की बात है कि नवंबर-दिसंबर में मिजोरम, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान में विधानसभा के चुनाव होने हैं। पिछले साल इन पांचों राज्यों में भाजपा को हार का -शेष पृष्ठ दो पर

असम कृषि विश्वविद्यालय का अर्थव्यवस्था में उल्लेखनीय योगदान : मुख्यमंत्री

जोरहाट। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कृषि अध्ययन के लिए समर्पित पूर्वोत्तर क्षेत्र के प्रमुख संस्थान के जोरहाट परिसर में आयोजित असम कृषि विश्वविद्यालय के प्लैटिनम जयंती समारोह के समापन समारोह में भाग लिया। मुख्यमंत्री ने बुधवार को एएयू के लिए चार परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया। कार्यक्रम में बोलते हुए, सीएम शर्मा ने कृषि विज्ञान के क्षेत्र में कुछ बेहतरीन मानव संसाधन तैयार करने के लिए एएयू की सराहना की, जिन्होंने अपने पेशेवर क्षेत्रों में उत्कृष्टता के माध्यम से राज्य को गौरवान्वित किया है। एएयू की स्थापना में भारत रत्न लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै की भूमिका का जिक्र करते हुए शर्मा ने कहा कि उच्च शिक्षा का यह महान संस्थान राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था के विकास में जबरदस्त योगदान दे रहा है। उन्होंने आवश्यक कार्य करने के लिए विश्वविद्यालय की सराहना की जिससे राष्ट्रीय संस्थान रैंकिंग फ्रेमवर्क में इसकी रैंकिंग में सुधार हुआ। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि कृषि अनुसंधान के क्षेत्र में एएयू की उपलब्धियों के कारण, देश भर के साथ-साथ विदेशों के कई प्रतिष्ठित संस्थानों ने पूर्वोत्तर के प्रमुख कृषि शिक्षा संस्थान पर ध्यान देना शुरू कर दिया है। -शेष पृष्ठ दो पर

असम विस का सत्र 11 सितंबर से

गुवाहाटी (हि.स.)। 15वीं असम विधानसभा का आगामी सत्र 11 सितंबर से शुरू होगा। यह सत्र इस बार सिर्फ पांच दिन के लिए ही आयोजित होगा। पांच दिवसीय सत्र 15 सितंबर को समाप्त होगा। इस बार विधानसभा का अधिवेशन असम विधानसभा के नवनिर्मित भवन में होगा। गुरुवार को विधानसभा अधिवेशन की तिथि घोषित होने के बाद से ही इसके आयोजन की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। सत्ता पक्ष विपक्ष की ओर से भी एक-दूसरे को घेरने और एक-दूसरे पर हमला करने की नीति बनने लगी है।

एनएससीएन (आईएम) ने मणिपुर के नागा विधायकों की आलोचना की

डीमापुर। एनएससीएन (आईएम) ने मणिपुर के आठ नागा विधायकों की आलोचना की है। इन नागा विधायकों ने 32 मैतेई विधायकों के साथ मिलकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा था और कहा था कि उनके ज्ञापन का नागा लोगों की राजनीतिक आकांक्षाओं से कोई लेना-देना नहीं है। हिंसा प्रभावित मणिपुर के चालीस विधायकों ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर कुकी उग्रवादी समूहों के साथ सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशंस (एसओओ) समझौते को वापस लेने और राज्य में एनआरसी लागू करने की मांग की है। साथ ही यह भी कहा गया है कि किसी भी परिस्थिति में कुकी समूहों द्वारा मांगी गई *अलग प्रशासन* बिल्कुल अस्वीकार्य है। एनएससीएन (आईएम) की -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

इंफाल का सड़क संपर्क टूटा

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर में बारिश और भारी भूस्खलन के कारण 37 नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध हो गया है। जिस कारण आवश्यक उपभोक्ता वस्तुओं की आपूर्ति ठप्प पड़ गई है। जानकारी के अनुसार मणिपुर के नोनी जिले में भारी बारिश के कारण इंफाल-सिलचर मार्ग पर भूस्खलन होने की वजह से सड़क अवरुद्ध हो गया है। भूस्खलन के कारण सामान लेकर जा रही कमसे कम 600 गाड़ियां फंस गई है। लगातार बारिश के कारण बुधवार को इरांग और अवांगखुल भाग 2, खोंसा, अवांगखुल, रंगखुई आदि गांवों के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग 37 पर भूस्खलन हुआ।

किशोर की डूबने से मौत

कार्बी आंग्लांग (हिस.)। झरने में नहाने गए एक किशोर की आज डूबने से करुण मृत्यु हो गई। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार किशोर अपने साथियों के साथ झरने में नहाने गया था। नहाते समय वह अचानक लापता हो गया। किशोर के डूबने की सूचना तत्काल ही पुलिस को दी गई। पुलिस ने इसकी सूचना एसडीआरएफ की टीम को दी। घटनास्थल पर तत्काल ही पहुंची एसडीआरएफ के अभियान में किशोर का शव बरामद कर लिया गया। मृतक पिंकल दलै कार्बी आंग्लांग स्थित काइफलांगसो झरने में -शेष पृष्ठ दो पर

गोवा : स्कूल में सहपाठियों ने की गंदी हरकत

पणजी। गोवा के बिचोलिम में एक उच्च माध्यमिक स्कूल में कुछ छात्राओं पर सहपाठी विद्यार्थियों ने शरारत में मिर्ची पाउडर (पेपर) का स्प्रे कर दिया जिससे कम से कम 11 छात्राओं को गुरुवार को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जब छात्राएं कक्षा में थीं तब यह घटना हुई। उन्होंने कहा कि स्कूल प्रबंधन से मिली शिकायत के मुताबिक, कुछ विद्यार्थियों ने शरारत में छात्राओं पर मिर्च पाउडर का स्प्रे कर दिया जिसके बाद कुछ छात्राओं को बेचैनी और सांस लेने में परेशानी शुरू हो गई। उन्होंने -शेष पृष्ठ दो पर

भोलेनाथ की एक इंच जमीन भी नहीं देंगे : हिंदू पक्ष

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के वाराणसी का ज्ञानवापी मस्जिद मुद्दा लगातार गरमाया हुआ है। एक तरफ कोर्ट में यह मामला लगातार चल रहा है। वहीं, कोर्ट के बाहर भी मामले को सुलझाने की कोशिश तेज हो गई है। हिंदू पक्ष ने ज्ञानवापी को लेकर चल रहे कानूनी विवाद को आपसी बातचीत से सुलझाने के प्रस्ताव पर अंजुमन इंतेजामिया कमेटी ने सहमति दी, लेकिन इस मामले में हिंदू पक्ष के वकील हरि शंकर जैन ने ट्वीट करते हुए लिखा है कि मैं स्पष्ट कहना चाहता हूं कि सनातन धर्मी काशी में भोले नाथ की जमीन से एक इंच पर समझौता नहीं करेंगे। यही हो सकता है कि मुसलमान क्षमा मांगे और अपना अवैध कब्जा हटा लें। इस पर हरि शंकर जैन ने बताया कि सनातनी हिंदू भगवान भोलेनाथ की एक भी इंच जमीन पर समझौता नहीं करेगा और जो खुद को हिंदू बताकर समझौता करने की -शेष पृष्ठ दो पर

मेरा बंगाल, व्यसन मुक्त बंगाल अभियान का किया शुभारंभ

कोलकाता (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को कोलकाता स्थित राजभवन में ब्रह्माकुमारीज द्वारा आयोजित नशा मुक्त भारत अभियान के तहत *मेरा बंगाल, व्यसन मुक्त बंगाल* अभियान का शुभारंभ किया। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि मादक द्रव्यों का दुरुपयोग समाज और देश के लिए चिंता का विषय है। इन व्यसनों के कारण युवा अपने जीवन में सही दिशा नहीं चुन पाते हैं। यह अत्यंत चिंताजनक है और इस मामले में सभी मोर्चों पर काम करने की आवश्यकता है। इस स्थिति में आध्यात्मिक -शेष पृष्ठ दो पर

इंडिया में खींचतान, दिल्ली दौरे से बैरंग लौटे नीतीश

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री और इंडिया गठबंधन के सूत्रधार नीतीश कुमार बुधवार को दिल्ली आए तब राजनीतिक तौर पर यह कयास लगाए जा रहे थे की मुंबई में इसी महीने की आखिर में इंडिया गठबंधन की होने वाली तीसरी अहम बैठक से पहले नीतीश कुमार विपक्ष के बड़े नेताओं के साथ मिलकर मुंबई में होने वाली बैठक का एजेंडा तय कर सकते हैं, इसके लिए बाकायदा इस तरह की खबरें आने लगी कि वह कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से अलग-अलग मुलाकात कर सकते हैं। इसके अलावा सीपीएम के महासचिव सीताराम येचुरी से भी उनकी मुलाकात की संभावना जताई जा रही थी, लेकिन नीतीश कुमार दिल्ली पहुंचते ही सबसे पहले देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि देने और अपनी आंख का इलाज कराकर सीधे अपने घर 6 कामराज लेन चले आए -शेष पृष्ठ दो पर

ताइवान को लेकर अमेरिका पर भड़का चीन

मॉस्को (हि.स.)। ताइवान को लेकर अमेरिका और चीन की खींचतान थमने का नाम नहीं ले रही है। हाल ही में ताइवान के उपराष्ट्रपति विलियम लाई के अमेरिकी दौरे से नाराज चीन भड़क गया है। चीन के रक्षा मंत्री ने अमेरिका को धमकी देते हुए कहा है कि ताइवान के मसले पर अमेरिका आग से खेल रहा है। अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के मसले पर मॉस्को कॉन्फ्रेंस में चीन के रक्षा मंत्री ली शांगफू ने कहा कि ताइवान का इस्तेमाल करके चीन को -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा की मध्य प्रदेश और छत्तसीगढ़ विस के लिए पहली सूची जारी

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनावों का आज शंखनाद कर दिया। हालांकि अभी चुनाव आयोग की ओर से दोनों राज्यों में चुनाव कार्यक्रम को लेकर कोई घोषणा नहीं की गई है। इसके बावजूद पार्टी ने मप्र के लिए 39 और छत्तीसगढ़ के लिए 21 उम्मीदवारों की पहली सूची आज जारी कर दी। पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति की बुधवार को देर शाम दोनों राज्यों को लेकर बैठक हुई थी। इस बैठक में उन सीटों की पहचान की गई, जहां पार्टी मजबूत है और जहां पार्टी की स्थिति कमजोर है। बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। इससे पहले भाजपा ने राजस्थान में अपनी चुनाव टीम की भी घोषणा की थी। मध्य प्रदेश के लिए पार्टी ने आज जो सूची जारी की है, उनमें 5 महिलाएं, 8 अनुसूचित जनजाति और 13 अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के नाम हैं। छत्तीसगढ़ की पाटन विधानसभा -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम जन आरोग्य योजना : कैग के दावे भ्रामक

नई दिल्ली। पीएम मोदी की सबसे महत्वपूर्ण योजनाओं में से एक आयुष्मान भारत- प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) पर कैग ने एक रिपोर्ट जारी की, जिसमें बताया गया है कि जिन रोगियों को पहले मृत दिखाया, वे अभी भी इलाज करा रहे हैं। वहीं अब स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को स्पष्टीकरण देते हुआ कहा कि आयुष्मान भारत योजना को लेकर मीडिया में जो दावे किए जा रहे हैं वह भ्रामक हैं। मंत्रालय ने यह भी कहा कि लाभार्थी की पात्रता तय करने में मोबाइल नंबरों की कोई भूमिका नहीं है। भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट, जिसमें सितंबर 2018 से मार्च 2021 की अवधि को कवर करने वाले आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री-जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) पर निष्पादन लेखा परीक्षा के परिणाम शामिल हैं, 2023 के मानसून सत्र में संसद में रखी गई थी। इसकी जानकारी सामने आने के बाद विपक्ष ने केंद्र सरकार की आलोचना की। बयान में स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि यह स्पष्ट किया गया है कि आयुष्मान भारत पीएम-जेएवाई के तहत, अस्पताल में भर्ती होने के तीन दिन बाद की तारीख तक पूर्व-प्राधिकरण के लिए अस्पतालों को अनुरोध शुरू करने की अनुमति है। यह सुविधा सीमित कनेक्टिविटी, आपातकालीन स्थितियों आदि के मामले में उपचार की मनाही करने से बचने के लिए प्रदान की गई है। कुछ मामलों में, मरीजों को भर्ती किया गया और उनकी पूर्व-प्राधिकरण बढ़ाने से पहले ही उनकी मृत्यु हो गई। ऐसे मामलों में, मृत्यु की तारीख, भर्ती की तारीखके समान या उससे पहले की होती है। इसके अतिरिक्त उसी अस्पताल द्वारा मृत्यु की सूचना भी दी गई है जिसने पूर्व-प्राधिकरण -शेष पृष्ठ दो पर

यासीन मलिक की पत्नी बनीं पाकिस्तान सरकार में मंत्री

नई दिल्ली। अलगाववादी नेता और टेरर फंडिंग मामले में जेल में बंद यासीन मलिक की पत्नी मुशाल मलिक को पाकिस्तान सरकार में बड़ी जिम्मेदारी मिली है। उन्हें कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवर उल हक की कैबिनेट में जगह मिली है। मुशाल मलिक पीएम अनवर उल हक की स्पेशल असिस्टेंट होंगी। उन्होंने आज (गुरुवार) शपथ ली। मुशाल मलिक के अलावा जलील अब्बास जिलानी विदेश मंत्री, सरफराज बुग्ती गृह मंत्री, डॉ शमशाद अख्तर वित्त मंत्री, जनरल (रि) अनवर अहमद रक्षा मंत्री बने हैं। कार्यवाहक पीएम अनवर उल हक की कैबिनेट ने आज शपथ ली है। मुशाल मलिक और यासीन मलिक की शादी 22 फरवरी, 2009 को रावलपिंडी में हुई थी। 2005 में यासीन जब पाकिस्तान गया था तब उसकी मुलाकात मुशाल से हुई थी। मुशाल लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से ग्रैजुएट है। मुशाल की मां रेहाना मलिक पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) की महिला इकाई की सचिव रह चुकी हैं। वहीं, उसके पिता अर्थशास्त्री थे। मुशाल के भाई की बात करें तो वह विदेश मामलों का -शेष पृष्ठ दो पर

चार्टर विमान दुर्घटनाग्रस्त, 10 मरे

कुआलालंपुर। मलेशिया के कुआलालंपुर में गुरुवार को एक्सप्रेसवे पर एक चार्टर विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। मलेशिया के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के बयान का हवाला देते हुए बताया गया कि विमान में छह यात्री और उड़ान चालक दल के दो सदस्य सवार थे। विमान लैंगकॉवी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से रवाना हुआ था और सुल्तान अब्दुल अजीज शाह हवाई अड्डे की ओर जा रहा था। जानकारी के मुताबिक, विमान ने सुबंग एयर ट्रैफिक कंट्रोल टावर से पहला संपर्क स्थानीय समयानुसार -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

टिपरा मोथा और कांग्रेस उपचुनाव में नहीं उतारेगी उम्मीदवार

अगरतला। टिपरा मोथा और कांग्रेस त्रिपुरा में दो विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव में उम्मीदवार नहीं उतारेंगे। त्रिपुरा विधानसभा में विपक्ष के नेता टिपरा मोथा के अनिमेष देबबर्मा ने कहा कि उनकी पार्टी सिपाहीजला जिले के धनपुर और बोक्सानगर विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव में कोई उम्मीदवार नहीं उतारेगी। उन्होंने कहा कि चुनाव लड़ने में बहुत सारे संसाधन, पैसा, जनशक्ति, समय आदि शामिल होता है। इसके अलावा, ऐसा प्रतीत होता है कि अगर वोट विपक्षी दलों के बीच विभाजित हो जाते हैं तो सत्तारूढ़ दल को फायदा मिलता है। देबबर्मा ने दावा किया कि टिपरा मोथा न तो *लाल मोथा* है और न ही भाजपा का सहयोगी है। उन्होंने कहा कि पार्टी की अपनी विचारधारा और लोगों के प्रति प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा कि पार्टी में इस बात पर चर्चा चल रही है कि टिपरा मोथा को उपचुनाव में किसे समर्थन देना चाहिए... हम 19 अगस्त तक अपना रुख घोषित करेंगे। देबबर्मा ने कहा कि पार्टी ने कभी भी भाजपा के साथ बातचीत नहीं की है। उन्होंने कहा कि हम अपनी मांगों को लेकर केंद्र सरकार के साथ बातचीत कर रहे हैं। किसी भी भाजपा नेता ने दावा नहीं किया कि पार्टी ने टिपरा मोथा के साथ बातचीत शुरू की है। त्रिपुरा प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष आशीष कुमार साहा ने गुरुवार को कहा कि पार्टी विपक्षी गुट *इंडिया* की भावना का सम्मान करते हुए धनपुर और बॉक्सनगर में उपचुनाव नहीं लड़ेगी। उन्होंने कहा, हम टीपीसीसी और दिल्ली नेतृत्व के फैसले के अनुसार उपचुनाव नहीं लड़ने जा रहे हैं। कांग्रेस जिसने भाजपा विरोधी ताकतों को एकजुट करने के लिए एक भाजपा विरोधी मंच आई.एन.डी.आई.ए. बनाया है, वह उपचुनाव में विपक्षी वोट बैंक को कमजोर नहीं करना चाहती है। इसीलिए पार्टी ने उपचुनाव नहीं लड़ने का फैसला लिया। आई.एन.डी.आई.ए. की सहयोगी पार्टी मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने धनपुर और बोक्सानगर विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव के लिए पहले ही अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। दोनों विधानसभा क्षेत्रों के लिए उपचुनाव पांच सितंबर को होंगे। पिछले विधानसभा चुनाव में सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले वाम मोर्चा और कांग्रेस ने संयुक्त रूप से चुनाव लड़ा था, जबकि टिपरा मोथा ने अकेले चुनाव लड़ा था और 13 सीटें जीतकर मुख्य विपक्षी दल के रूप में उभरी थी। बता दें कि माकपा विधायक समसुल हक के निधन के कारण बोक्सानगर विधानसभा सीट पर उपचुनाव कराया जा रहा है। वहीं, धनपुर से केंद्रीय मंत्री प्रतिमा भौमिक के विधायक पद से इस्तीफा देने के कारण इस सीट पर उपचुनाव कराना जरूरी हो गया है। सीपीआई (एम) नीत वाम मोर्चा ने कौशिक चंदा और मिजान हुसैन को क्रमश: धनपुर और बोक्सानगर विधानसभा क्षेत्रों से उम्मीदवार बनाया है।

लॉट मंडल और दलाल रंगे हाथों गिरफ्तार

नलबाड़ी (हि.स.)। सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय, असम में एक शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि देबाशीष बर्मन, सर्कल अधिकारी, टिहू राजस्व सर्कल, जिला नलबाड़ी के कार्यालय के लॉट मंडल (लेखपाल) ने शिकायतकर्ता से अपने पिता की भूमि से संबंधित मामलों के लिए रिश्वत के रूप में दो लाख रुपए मांगे। बाद में लॉट मंडल ने रिश्वत की राशि घटाकर एक लाख चालीस हजार रुपए कर दी। रिश्वत देने के लिए तैयार नहीं होने पर शिकायतकर्ता ने उपर्युक्त व्यक्तियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने के लिए निदेशालय से संपर्क किया। तदनुसार, सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक, असम के एक दल द्वारा आज सर्कल अधिकारी टिहू राजस्व सर्कल के कार्यालय में एक जाल बिछाया गया। टिहू के सर्कल अधिकारी के कार्यालय के पास एक कंप्यूटर की दुकान के मालिक और बिचौलिए नयन बर्मन को दोपहर 1:30 बजे स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में लाट मंडल देबाशीष बर्मन की ओर से शिकायतकर्ता से मांगी गई रिश्वत के हिस्से के रूप में पांच हजार रुपए स्वीकार करने के तुरंत बाद रंगे हाथों पकड़ा गया। रिश्वत की यह राशि उसके कब्जे से बरामद कर ली गई है और स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में उसे जब्त कर लिया गया है। देबाशीष बर्मन, लॉट मंडल को भी रिश्वत मांगने और नयन बर्मन के माध्यम से उसके साथ साजिश में इसे स्वीकार करने के लिए पकड़ लिया गया। उपर्युक्त व्यक्तियों के खिलाफ पर्याप्त सबूत पाते हुए, उन्हें सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय, असम की टीम द्वारा गिरफ्तार किया गया है।

रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पीडब्ल्यूडी के कार्यकारी अभियंता गिरफ्तार

डिमा हसाउ (हि.स.)। सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय में एक शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि मनुज कुमार सैकिया, कार्यकारी अभियंता, पीडब्ल्यूडी (आर एंड बी) हाफलांग डिवीजन, हाफलोंग, जिला डिमा हसाउ ने शिकायतकर्ता के लंबित बिलों को जारी करने के लिए शिकायतकर्ता से रिश्वत के रूप में 55 हजार रुपए की मांग की। बाद में कार्यकारी अभियंता ने रिश्वत की राशि को घटाकर 25 हजार रुपए कर दिया था। रिश्वत देने के लिए तैयार नहीं हुए शिकायतकर्ता ने उपरोक्त लोक सेवक के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने के लिए इस निदेशालय से संपर्क किया। तदनुसार सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय, असम के एक दल द्वारा आज कार्यकारी अभियंता के कार्यालय में एक जाल बिछाया गया। मनुज कुमार सैकिया को दोपहर 12.50 बजे उनके कार्यालय में शिकायतकर्ता से मांगी गई रिश्वत के हिस्से के रूप में 10 हजार रुपए स्वीकार करने के तुरंत बाद रंगे हाथों पकड़ा गया। रिश्वत की दागी राशि उसके कब्जे से बरामद कर ली गई है और स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में उसे जब्त कर लिया गया है। आरोपित लोक सेवक के खिलाफ पर्याप्त सबूत पाते हुए उसे असम के सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। इस संबंध में एसीबी पीएस केस नंबर 63/2023 के तहत एसीबी पुलिस स्टेशन में आज भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (2018 में संशोधित) की धारा 7 (ए) के तहत मामला दर्ज किया गया है। आवश्यक कानूनी कार्रवाई चल रही है।

तामुलपुर : चोर के संदेह में युवक की पीट-पीटकर हत्या

बाक्सा (हि.स.)। जिले के तामुलपुर में चोर होने के संदेह में एक युवक को तामुल के पेड़ से बांधकर पीट-पीटकर मार डाला गया। यह घटना बीती रात को हुई। मृतक की पहचान तीनपुखुरी गांव के विनोद ब्रह्म (27) के रूप में हुई है। यह घटना बीती रात उसी गांव के बलाई दास के घर पर हुई। मृतक के परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया है कि मृतक विनोद ब्रह्म को दास ने पीट-पीटकर मार डाला। इस घटना को लेकर पूरे इलाके में तनाव का माहौल है। सुबह करीब छह बजे सूचना मिलने पर तामुलपुर पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर शव को पोस्टमार्टम के लिए ले आई। आरोपित बलाई दास फरार बताया जा रहा है।

गुवाहाटी में चार डकैत गिरफ्तार

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी के भरलुमुख पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाकर चार डकैतों को गिरफ्तार किया है। गुवाहाटी के पुलिस कमिश्नर ने गुरुवार को बताया कि भरलुमुख पुलिस द्वारा चलाए गए अभियान के दौरान डकैती मामले में शामिल फैजूल हक (28), परेश अली, मौनाल अली (30) और मैनुद्दीन अली (25) को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार सभी आरोपित कामरूप (ग्रामीण) जिले के छयगांव के रहने वाले हैं। गिरफ्तार आरोपितों के पास से पुलिस ने नौ मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, तीन कैमरा, सोने के गहने, चार लैपटॉप के बैग दो खुखरी, नगद 15000 रुपए, डकैती के काम में व्यवहार की जाने वाली विभिन्न प्रकार के औंजार के अलावा एक बोलोरो कार भी जब्त किया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार डकैतों से सघन पूछताछ कर रही है।

स्टेशनरी दुकान से ड्रग्स जब्त दुकानदार गिरफ्तार

दक्षिण सलमारा (हि.स.)। दक्षिण सलमारा-मानकचार जिले के मानकचार थाना क्षेत्र के भाटी झगराचर बाजार में बीती रात पुलिस की टीम ने छापा मारकर स्टेशनरी की दुकान से भारी मात्रा में ड्रग्स जब्त किया और एक व्यक्ति को गिरफ्तार भी किया। आज पुलिस द्वारा दी गई खबरों के मुताबिक, मनकचार पुलिस स्टेशन के डिप्टी इंस्पेक्टर गीतार्थी चौधरी और हिमालिना गोगोई के नेतृत्व में एक पुलिस टीम ने भाटी झगराचर के बाजार में छापा मारा। पुलिस ने गुप्त सूत्रों के तहत बाजार में दवा कारोबारी सैफुल इस्लाम (38) की स्टेशनरी की दुकान पर छापा मारकर 1,440 नशीली गोलियां जब्त की। पुलिस सूत्रों ने बताया कि टैबलेट का वजन 111.20 ग्राम है। पुलिस ने पूछताछ के बाद दुकान के मालिक सैफुल इस्लाम को गिरफ्तार कर लिया। सैफुल को आज हाटशिंगीमारी जिला अदालत में पेश किया गया। अदालत ने उसे धुबड़ी जेल भेज दिया। गिरफ्तार सैफुल की पहचान इस्लाम भाटी झगराचर गांव के अब्दुल अव्वल के बेटे के रूप में हुई है। सैफुल स्टेशनरी की दुकान से लंबे समय से नशे का कारोबार चला रहा था। पुलिस आखिरकार गुप्त सुराग की सूचना के तहत सैफुल को पकड़ने में कामयाब रही।

पृष्ठ एक का शेष

भाजपा चुनाव में ...

सामना करना पड़ा था। मिजोरम में भाजपा के लिए कोई उम्मीद नहीं है और तेलंगाना में वोट प्रतिशत में इजाफा जरूर हो सकता है, लेकिन वह सीटों में कितनी बदलेंगी यह साफ नहीं है। पिछली बार तेलंगाना की 117 विधानसभा सीटों में से भाजपा सिर्फ एक सीट ही जीतने में सफल रही थी। ऐसे में भाजपा के लिए छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान काफी अहम हो जाता है। पिछली बार भाजपा भले ही छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान में चुनाव हारने के बावजूद भाजपा लोकसभा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल रही थी, लेकिन लोकसभा चुनाव के छह महीने पहले इन राज्यों में हार से विपक्ष को भाजपा के खिलाफ नैरेटिव बनाने का मौका मिल सकता है। यही कारण है कि भाजपा विधानसभा चुनाव में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है। तीनों राज्यों में पार्टी की अंदरूनी कलह रोकने के लिए पार्टी के बड़े नेताओं ने खुद चुनाव का जिम्मा संभाल लिया है। छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश की जिम्मेदारी अमित शाह के पास है, तो राजस्थान की जिम्मेदारी जेपी नड्डा के पास। इन राज्यों में नेताओं को अलग-अलग जिम्मेदारी सौंपी गई है और उनसे लगातार फीडबैक भी लिया जा रहा है।

असम कृषि विश्वविद्यालय...

उन्होंने कहा कि एएयू द्वारा मछली और मुगा डिटेक्शन किट की स्वदेशी प्रजातियों के संरक्षण और सुधार जैसी पहल राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था को और मजबूत करने में काफी मददगार साबित होगी। सीएम शर्मा ने कहा कि कृषि अनुसंधान का उपयोग इस तरह किया जाना चाहिए कि वे खादय सुरक्षा को बढ़ावा देने के अलावा किसानों के कल्याण में भी योगदान दे सकें। इसके अलावा, कृषि अनुसंधान को जैव विविधता के प्रचार और संरक्षण पर भी ध्यान केंद्रित करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि खादय सुरक्षा पर किसी भी चर्चा और रणनीति को तीन घटकों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है और ये हैं खादय संसाधनों की उपलब्धता, खादय संसाधनों का अधिक उत्पादन और खादय संसाधनों को खरीदने की सार्वभौमिक क्षमता। उन्होंने कहा कि आधुनिक समय में कृषि पद्धतियों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, पर्यावरण-अनुकूल प्रौद्योगिकी और उच्च उपज देने वाली किस्मों के बीजों का व्यापक उपयोग करने की आवश्यकता है। आधुनिक प्रौद्योगिकियां कृषि पद्धतियों को अधिक लाभदायक बनाने में सहायता कर रही हैं। सीएम ने कहा कि राज्य के सभी किसानों और कृषकों को आधुनिक तकनीकों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, जबकि असम में कई किसानों को आधुनिक कृषि पद्धतियों के बारे में जानकारी नहीं है। सीएम शर्मा ने 5 करोड़ रुपए की लागत से बनी जैविक खाद और कीटनाशक निर्माण इकाई, एक कृषि जैव प्रौद्योगिकी डीबीटी और 4 करोड़ रुपए की लागत से बनी नॉर्थ-ईस्ट सेंटर की नवनिर्मित इमारत, एक कृषि-पर्यटन रिट्रीट का उद्घाटन किया। 4 करोड़ रुपए की लागत और एएयू का एक अंतरराष्ट्रीय सभागार जिसकी कुल लागत करोड़ रुपए है। उन्होंने 1-मेगावाट के ऑन-ग्रिड रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्र का भी उद्घाटन किया।

एनएससीएन (आईएम) ने ...

ओर से बुधवार को जारी किए गए एक बयान में कहा गया है कि जिसे *विश्वासघाती जमीन* पर चलना कहा जा सकता है, मणिपुर के आठ नागा विधायकों ने खुद को भ्रमित लोगों के रूप में साबित कर दिया है जो यह नहीं जानते कि वे कौन हैं और मणिपुर विधान सभा में किसका प्रतिनिधित्व करते हैं। बयान में कहा गया है कि मणिपुर के नागा तब हैरान रह गए जब इन *रीढ़हीन विधायकों* ने 32 मैतेई विधायकों के साथ मिलकर इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री को एक प्रतिनिधित्व सौंपा, जिसका नागा लोगों की राजनीतिक आकांक्षाओं से कोई लेना-देना नहीं है। बयान में आगे कहा गया है कि प्रधानमंत्री को उनका प्रतिनिधित्व पूरी तरह से नागा लोगों की आवाज के खिलाफ है, जो नागा लोगों के राजनीतिक अधिकार और वैध आकांक्षा को पूरा करने के लिए 3 अगस्त, 2015 के फ्रेमवर्क समझौते के जल्दी करने की मांग कर रहे हैं।

गोवा : स्कूल में ...

बताया कि शुरू में 11 लड़कियों को बिचोलिम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया और उनमें से तीन को बाद में मापुसा में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिला अस्पताल पहुंचे बिचोलिम विधायक डॉ. चंद्रकांत शेट्टी ने कहा कि वहां भर्ती सभी छात्राओं की हालत स्थिर है। उन्होंने कहा कि दो लड़कियों को छोड़कर ज्यादातर को जल्द ही अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी। विधायक ने कहा कि पुलिस ने स्कूल प्रबंधन से एक अनुशासनात्मक समिति गठित करने और घटना की जांच करने को कहा है। उन्होंने कहा कि शुरुआती जांच से पता चला है कि कुछ विद्यार्थियों ने कक्षा के बाहर से खिड़की से मिर्च पाउडर का स्प्रे कर दिया। विधायक के मुताबिक, प्रबंधन ने पुलिस को बताया है कि वह पहले ही चार विद्यार्थियों को उनके कदाचार के लिए स्कूल से निलंबित कर चुका है। गोवा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमित पाटकर ने पार्टी विधायक कार्लोस फरेरा के साथ जिला अस्पताल में छात्राओं से मुलाकात की। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि विद्यार्थी इस तरह का शरारत भरा व्यवहार कर रहे हैं। उनके मुताबिक, कुछ अभिभावकों ने उन्हें बताया कि पिछले शुक्रवार को भी स्कूल में ऐसी ही एक घटना घटी थी, लेकिन वह छोटे पैमाने पर हुई थी।

भोलेनाथ की एक...

बात कर रहे हैं असल में वह हिंदू है ही नहीं। वहीं दूसरी ओर उन्होंने यह भी साफ किया कि मुस्लिम पक्ष के लोग अगर माफी मांग लेते हैं तो सनातन धर्म इतना बड़ा है कि उन्हें माफ कर देगा, लेकिन वह इस बात को समझने को तैयार ही नहीं है। गलती सबसे होती है ऐसे में उनके पुरखों से भी गलती हो गई, लेकिन पुरखों की गलती को वह ऐसा मानकर चल रहे हैं मानो उन्होंने खुद गलती की हो। उन्होंने कहा कि बेशक ही ऋषि सुनक मूलत: हिंदुस्तान के रहने वाले हैं, लेकिन वह वहां के प्रधानमंत्री होने के बाद भी क्या ईसाइयों को गाली देते हैं। तो ऐसे में यहां के मुसलमानों को भी यह बात समझ लेनी चाहिए। बता दें कि हिंदू पक्ष की तरफ से वैदिक सनातन संघ ने मुस्लिम पक्ष से आपसी संवाद से ज्ञानवापी विवाद सुलझाने की अपील की है। जिस पर अंजुमन इंतेजामिया कमेटी ने विचार करने की बात कही है।

मेरा बंगाल, व्यसन ...

जागृति, चिकित्सा, सामाजिक एकजुटता और राजनीतिक इच्छाशक्ति के माध्यम से सुधार किया जा सकता है। उन्होंने ऐसे मुद्दों पर चर्चा करने और उनके समाधान की दिशा में काम करने के लिए ब्रह्माकुमारीज जैसे संगठनों की सराहना की। राष्ट्रपति ने कहा कि किसी भी प्रकार का व्यसन मानसिक तनाव और साथियों के दबाव के कारण विकसित होता है। नशे की लत स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। व्यसन से कई अन्य विकार भी उत्पन्न होते हैं। व्यसन करने वाले लोगों के परिवार और मित्रों को भी काफी परेशानी होती है। उन्होंने सभी युवाओं से आग्रह किया कि वे नशे के आदी किसी भी मित्र की जानकारी उसके परिवार को दें। राष्ट्रपति ने मादक पदार्थों का सेवन करने वाले लोगों से अपना जीवन नष्ट नहीं करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अगर वे किसी भी तरह के तनाव में हैं तो उन्हें अपने मित्रों, परिवार या किसी सामाजिक संगठन से बात करनी चाहिए। ऐसी कोई समस्या नहीं है जिसका वे अपनी इच्छाशक्ति से सामना नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि असामाजिक तत्व मादक द्रव्यों के उपयोग और नशे की लत का फायदा उठाते हैं। मादक पदार्थों को खरीदने में खर्च होने वाले पैसे का उपयोग आपराधिक गतिविधियों में भी किया जाता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नशे के आदी लोग अपनी भलाई तथा समाज और देश के हित में इस बुरी आदत से बाहर आएंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि युवा हमारी सबसे महत्वपूर्ण संपत्ति हैं। उन्हें अपना समय और अपनी ऊर्जा भविष्य की नींव को मजबूत करने में लगानी चाहिए। शिक्षण संस्थानों को यह पता लगाना चाहिए कि क्या विद्यार्थी गलत दिशा में जा रहे हैं। यदि कुछ सामने आता है, तो तुरंत कार्रवाई की जानी चाहिए। उल्लेखनीय है कि विंध्यागिरी युद्धपोत के जलावरण के लिए गुरुवार सुबह के समय राष्ट्रपति कोलकाता पहुंची। हवाई अड्डे से सीधे वह राजभवन पहुंचीं जहां ब्रह्माकुमारीज के कार्यक्रम में शामिल हुई हैं।

इंडिया में खींचतान...

जबकि राजनीतिक मेल-मुलाकातों को लेकर जताए जा रहे हैं तमाम कयास धरे के धरे रह गए। संभावना इस बात की भी जताई जा रही थी कि नीतीश कुमार गुरुवार को कुछ राजनीतिक दलों के नेताओं से मुलाकात कर सकते हैं, लेकिन दोपहर साढ़े 12 बजे नीतीश कुमार दिल्ली एयरपोर्ट के लिए निकले और पटना के लिए रवाना हो गए, ऐसे में सवाल उठता है की 24 घंटे से ज्यादा समय दिल्ली में रहने के बावजूद नीतीश कुमार उन दलों के नेताओं से क्यों नहीं मिले जिन्हें एक साथ लाने की तमाम कोशिशें उन्होंने 10 महीने पहले शुरू की थी। क्या नीतीश कुमार दिल्ली सिर्फ अपनी आंखों का इलाज कराने ही आए थे। कुछ दिनों पहले शरद पवार की पार्टी में फूट और उनके अपने भतीजे अजीत पवार का बीजेपी के साथ चले जाने के बाद इंडिया गठबंधन के नेताओं में कॉन्फिडेंस की कमी नजर आ रही है, महाराष्ट्र कांग्रेस के कुछ नेताओं की ओर से शरद पवार पर को लेकर कहीं जा रही बातें, दिल्ली में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच लगातार टकराव की खबरें, केरल में सीपीआई एम और कांग्रेस के बीच मतभेद जैसी स्थितियां और अब नीतीश कुमार का बैरंग पटना लौट जाना मुंबई में होने वाली गठबन्धन की तीसरी बैठक से पहले इंडिया में सब कुछ ठीक नहीं होने का संकेत दे रही है। राजनीतिक विश्लेषकों की राय है कि नीतीश कुमार जिस कद के नेता है और जिस तरह से उन्होंने विपक्षी दलों को एक साथ एक मंच पर लाने की एक बड़ी मुहिम को लीड किया है, ऐसे में उन्हें इस गठबंधन का चेहरा नहीं तो कम से कम एक कन्वीनर जैसे पद की आकांक्षा तो होगी ही, हो सकता है दो दिनों के दिल्ली दौरे में किसी से नहीं मिलकर राजनीतिक तौर पर कोई दबाव बनाने का प्रयास कर रहे हों।

ताइवान को लेकर ...

काबू करने की कोई भी कोशिश विफल होगी। ताइवान का चीन की मुख्य भूमि से मिलना अपरिहार्य है और इसे टाला नहीं जा सकता। ताइवान चीन का आंतरिक मामला है और इसमें कोई भी बाहरी हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं है। चीनी रक्षा मंत्री ने कहा कि ताइवान को लेकर आग से खेलना और ताइवान की मदद से चीन को काबू करने की कोई भी कोशिश हर हाल में असफल होगी। यूक्रेन युद्ध के बीच मॉस्को में दिए गए चीनी रक्षा मंत्री के इस बयान के बड़े मतलब निकाले जा रहे हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी चीन का समर्थन किया है और अमेरिका पर वैश्विक संघर्षों को भड़काने का आरोप लगाया। पुतिन ने अमेरिका पर यूक्रेन की मदद का भी आरोप लगाया। दरअसल बीते दिनों ताइवान के उपराष्ट्रपति विलियम लाई के अमेरिका दौरे से तनाव बढ़ा है। लाई ताइवान के राष्ट्रपति बनने की दौड़ में भी प्रमुख उम्मीदवार माने जा रहे हैं। विलियम लाई ने हाल ही में पराग्वे का दौरा किया और पराग्वे जाते हुए वह अमेरिका में रुके। जिसे लेकर चीन नाराज है। चीन ने विलियम लाई को लेकर कहा है कि वह बार-बार परेशानी खड़ी करते हैं। हाल के समय में कई बार ताइवान के मुद्दे पर चीन और अमेरिका में तनातनी बढ़ी है।

भाजपा की मध्य ...

सीट पर लोकसभा सदस्य विजय बघेल को उतारा गया है। अभी इसी सीट का प्रतिनिधित्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि साल के अंत में मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में चुनाव होना है। राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार है और मध्य प्रदेश में भाजपा शासन में है।

पीएम जन आरोग्य...

अनुरोध प्रस्तुत किया था। इस प्रकार, अगर अस्पताल का उद्देश्य प्रणाली को धोखा देने का होता, तो उसने आईटी सिस्टम पर रोगी को मृत घोषित करने में कोई रूचि नहीं दिखाई होती। यह ध्यान रखना उचित है कि रिपोर्ट में रेखांकित 50 फीसदी से अधिक मामले सार्वजनिक अस्पतालों द्वारा दर्ज किए गए हैं, जिनके पास धोखाधड़ी करने के लिए कोई अतिरिक्त प्रोत्साहन प्राप्त नहीं है, क्योंकि पैसे की प्रतिपूर्ति अस्पताल के खाते में की जाती है। इसके अलावा, उपचार के दौरान मृत्यु के मामले में, अस्पताल को अनिवार्य रूप से मृत्यु रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। बयान में कहा गया है कि ऐसे कई उदाहरण भी हैं जहां मरीजों को निजी मरीजों (स्व-भुगतान) के रूप में अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन जब उन्हें योजना का पता चला, तो उन्होंने अस्पताल से उन्हें मुफ्त इलाज के लिए योजना के तहत पंजीकृत करने का अनुरोध किया। पिछली दिनांकित पूर्व-प्राधिकरण की अनुमति देने वाली सुविधा लोगों को अपनी जेब से होने वाले खर्च को बचाने में मदद करती है। आयुष्मान भारत पीएम-जेएवाई आधार पहचान के माध्यम से लाभार्थियों की पहचान करता है जिसमें लाभार्थी अनिवार्य आधार आधारित ई-केवाईसी की प्रक्रिया से गुजरता है। आधार डेटाबेस से प्राप्त विवरण स्रोत डेटाबेस से मेल खाते हैं और तदनुसार, लाभार्थी विवरण के आधार पर आयुष्मान कार्ड के लिए अनुरोध स्वीकृत या अस्वीकार कर दिया जाता है। इस प्रकार, सत्यापन प्रक्रिया में मोबाइल नंबरों की कोई भूमिका नहीं है। 2018 में शुरू की गई आयुष्मान भारत योजना स्वास्थ्य देखभाल की मांग करने वाली गरीब और कमजोर आबादी के लिए अपनी जेब से होने वाले खर्च को कम करने के उद्देश्य से की गई थी। इस स्वास्थ्य बीमा योजना को ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में शुरू किया गया था।

यासीन मलिक की...

जानकार है। मुशाल इस्लामाबाद में अपनी बहन के साथ रहती है। यासीन मलिक 2019 से जेल में बंद है। उसे 2017 के टेरर फंडिंग मामले में गिरफ्तार किया गया था। एनआईए ने यासीन के खिलाफ मामला दर्ज किया था। पिछले साल मई में दिल्ली की एक अदालत ने यासीन को दोषी करार दिया था और उसे उम्र कैद की सजा सुनाई थी। यासीन मलिक ने कड़े यूएपीए सहित सभी आरोपों में दोषी ठहराया गया था। उसपर 2017 में कश्मीर घाटी को अशांत करने वाली आतंकवाद और अलगाववादी गतिविधियों का आरोप लगाया गया था। यासीन मलिक ने अदालत को बताया था, वह अपने खिलाफ धारा 16 (आतंकवादी कृत्य), 17 (आतंकवादी कृत्य के लिए धन जुटाना), 18 (आतंकवादी कृत्य की साजिश) और 20 (आतंकवादी गिरोह का सदस्य होना) सहित लगाए गए आरोपों का विरोध नहीं कर रहा है। यासीन का जन्म 1966 में श्रीनगर के मैसुमा इलाके में हुआ था। वह 1989 में तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी रुबैया सईद के अपहरण मामले और श्रीनगर में भारतीय वायुसेना के जवानों पर जेकेएलएफ आतंकवादियों के हमले में भी मुकदमे का सामना कर रहा है। इस घटना में चार लोग मारे गए थे।

चार्टर विमान दुर्घटनाग्रस्त...

दोपहर 2.47 बजे किया। उसे लैंडिंग की मंजूरी के लिए दोपहर 2.48 बजे का समय दिया गया। इसके बाद टावर से कर्मचारियों ने दोपहर 2.51 बजे कुछ दूरी पर यानी दुर्घटनास्थल से धुआं निकलता देखा। विमान से *मे डे* की कोई कॉल नहीं की गई थी। सेलांगोर पुलिस प्रमुख हुसैन उमर खान ने बताया कि विमान एक कार और मोटरसाइकिल से टकरा गया। दोनों वाहनों पर एक-एक व्यक्ति सवार था। फोरेंसिक कर्मी अवशेषों को इकट्ठा कर रहे हैं। उन्हें पोस्टमॉर्टम जांच और पहचान प्रक्रिया के लिए क्लैंग के तेंगकू अम्पुआन रहीमा अस्पताल में लाया जाएगा। परिवहन मंत्रालय घटना की जांच करेगा।

किशोर की डूबने...

डूब गया था। यह घटना बोकाखात-कार्बी आंग्लांग की सीमा पर स्थित काकचांग में हुई। पुलिस ने इस संदर्भ में एक प्राथमिकी दर्ज कर मृतक के शव को अंत्यपरीक्षण के लिए भेज दिया। इस संदर्भ में पुलिस द्वारा आगे की कार्रवाई की जा रही है।

प्रेमिका की हत्या करके केरल में छिपा प्रेमी गिरफ्तार

नगांव (हि.स.)। प्रेमिका की हत्या कर राज्य से बाहर भागने वाले प्रेमी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। प्रेमिका की हत्या के आरोप में आज हुए गिरफ्तार प्रेमी का नाम सैफुल इस्लाम है। नगांव जिले के हयबरगांव टाउन पुलिस स्टेशन की पुलिस ने सैफुल को केरल से गिरफ्तार किया और उसे नगांव ले आई। 2022 में हुई एक हत्या के मामले में उसे गिरफ्तार किया गया है। सैफुल ने कथित तौर पर अपनी प्रेमिका को टेलीफोन पर बात करने के लिए घर से बुलाया और उसकी हत्या कर दी थी। बताया जा रहा है कि हत्या करने के बाद सैफुल फरार हो गया था। सैफुल ने प्रेमिका को घर से बाहर बुलाकर उसकी हत्या क्यों की, यह अभी भी रहस्य में डूबा हुआ है। पुलिस द्वारा प्रेमी से पूछताछ के बाद ही हत्या की गुत्थी का खुलासा हो पाएगा।

स्वर्वेद भाष्य

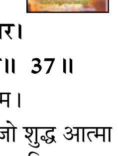

पंचम मंडल **द्वितीय अध्याय**

(मन)

मन संयुत क्रिय कर्म है, भक्ति है आतम धार।
सुरति निरति ध्वनि गगन में, भक्ति परम तत्व सार॥ 37॥

शब्दार्थ : (संयुत) साथ, मिला हुआ (परम तत्व) परब्रह्म।

भाष्य : मन से युक्त हो कर जो क्रिया है, वह कर्म है और जो शुद्ध आत्मा द्वारा क्रिया होती है, वह भक्ति है। कर्म मन का विषय है और भक्ति आत्मा का विषय है। आत्मा भक्ति द्वारा सुरति-निरति से गगन की नि:शब्द ध्वनि सारशब्द, परम तत्व को प्राप्त करती है।

भक्ति की महिमा को कहै, जाहि वसी भगवान।
देव सदाफल प्रभु मिलैं, महिमा भक्ति महान॥ 38॥

शब्दार्थ : (भक्ति) प्रभु की उपासना (वशी) वश में (महान) सर्वश्रेष्ठ (महिमा) गौरव।

भाष्य : भक्ति के महत्व को कौन कहै? जिसके द्वारा प्रभु वश में हो जातै हैं। भक्ति द्वारा प्रभु मिलते हैं। यह भक्ति की महती महिमा है।

॥ इति स्वर्वेद पंचम मंडल, द्वितीय अध्याय भाष्य समाप्त॥

केंद्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला ने गुवाहाटी में पुरबी डेयरी प्लांट का दौरा किया

गुवाहाटी। केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला ने आड गुवाहाटी में पश्मि असम दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड (वामुल-पुरबी डेयरी) का दौरा किया। माननीय मंत्री ने इसकी भविष्य की योजनाओं का जायजा लेने के अलावा, वामूल द्वारा वर्तमान में की जा रही गतिविधियों की स्थिति की समीक्षा की। माननीय मंत्री को एनडीडीबी के प्रबंधन नेतृत्व के तहत वामुल द्वारा की गई प्रगति के बारे में अवगत कराया गया। माननीय मंत्री ने एनडीडीबी और दुग्ध संघ द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। वामुल के प्रबंध निदेशक द्वारा की गई प्रस्तुति के दौरान, माननीय मंत्री ने चारा और साइलेज बनाने की गतिविधियों और धान के भूसे के उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने आगे कहा कि खाद प्रबंधन और मधुमक्खी पालन जैसी गतिविधियां अतिरिक्त आर्थिक लाभ के माध्यम से डेयरी किसानों की आजीविका बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने बायोगैस परियोजना के लाभार्थियों से स्लरी की खरीद में तेजी लाने का सुझाव दिया। समीक्षा बैठक के दौरान, माननीय मंत्री को अपार्ट के तहत वामुल की पूरबी डेयरी विस्तार परियोजना के कमीशनिंग कार्यों के बारे में अवगत कराया गया। माननीय मंत्री ने नवगठित संयुक्त उद्यम-नॉर्थ ईस्ट डेयरी एंड फूड्स लिमिटेड द्वारा कार्यान्वित की जाने वाली असम डेयरी विकास योजना (एडीडीपी) के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति की भी समीक्षा की। माननीय मंत्री ने वामुल को उसके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दीं। समीक्षा बैठक में सरकार के प्रधान सचिव, मनीष ठाकुर, आईएएस ने भाग लिया। असम, पशुपालन और पशु चिकित्सा विभाग, और एस रेगुपति, कार्यकारी निदेशक, एनडीडीबी के अलावा सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

नगांव राजस्थानी युवक संघ ने मनाया स्वतंत्रता दिवस

नगांव (नि.सं.)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नगांव राजस्थानी युवक संघ द्वारा स्वतंत्रता दिवस का पालन मंगलवार को झंडोत्तोलन कर हैबरगांव शांतिपूर स्थित अपने संघ भूमि परिसर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर संघ के पूर्व अध्यक्ष पवन गाड़ोदिया, पूर्व सचिव सुरेंद्र करवा, राजेंद्र मुंद्रा, एवं महावीर प्रसाद किल्ला, मानिक कर के द्वारा झंडोत्तोलन का कार्यक्रम संपन्न किया गया एवं राष्ट्रीय गीत के साथ झंडे को सलामी दी गई। अध्यक्ष मुकेश पोद्दार ने अपने स्वागत भाषण में सभी का स्वागत करते हुए कार्यक्रम में आने हेतु सबका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर निवर्तमान अध्यक्ष मनोज जाजोदिया, पूर्व अध्यक्ष हुलास बोथरा, संजय गाडोदिया, डिंपल शर्मा एवं कई गणमान्य व्यक्तियों ने अपने संबोधन के जरिए शहीदों को याद करते हुए अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर संघ की महिला एवं युवति विभाग की संयोजिका डिंपल शर्मा, ऋतु कुहाड के साथ अन्य सदस्याओ के अलावा झूमर मल दुग्गड, अनिल शर्मा, अरुण नागरका, मालचंद अग्रवाल, महावीर माहेश्वरी, महेश भजनका, ललित खेतावत, प्रवीण डागा, अजय शर्मा, सुरेश केजरीवाल, मनोज गुजरानी, दुर्गा प्रसाद वर्मा, विनय अग्रवाल, वरुण अग्रवाल के साथ कई सदस्यों एवं गणमान्य व्यक्तिगण उपस्थित थे। यह जानकारी संघ के जनसंपर्क अधिकारी द्वारा दी गई।

पति की हत्या के आरोप में पत्नी गिरफ्तार

विश्वनाथ(हि.स.)। विश्वनाथ में बूढ़ीगांग नदी से शशांक कटकी का शव मिलने के मामले में विश्वनाथपुलिस ने शशांक कटकी की पत्नी को हिरासत में ले लिया। शशांक के परिवार वालों को शक है कि शशांक की पत्नी लक्ष्यहीरा भुइयां कटकी ने हत्कीया को अंजाम दिया है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि एफआईआर के आधार पर पत्नी को गिरफ्तार कर लिया गया है। शशांक के परिवार के मुताबिक, शशांक कटकी और पत्नी लक्ष्यहीरा भुइयां कटकी के बीच झगड़ा चल रहा था। लक्ष्यहीरा भुइयां कटकी पर आरोप है कि उसका अन्य युवक के साथ अवैध संबंध है। हाल ही में मृतक शशांक कटकी ने जमीन बेचकर करीब 22 लाख रुपए रखा था। परिवार को संदेह है कि उसकी पत्नी लक्ष्यहीरा ने अपने अवैध प्रेमी दीपांकर बोरा के साथ मिलकर उस पैसे की खातिर अपने पति शशांक कटकी की कथित हत्या कर दी। लक्ष्यहीरा अपने प्रेमी दीपांकर के साथ बाइक से घटनास्थल पर गई थी। परिवार का यह भी आरोप है कि शशांक ने जमीन बेचकर जो पैसे रखे थे उससे दीपांकर ने बुलेट खरीदी थी। विश्वनाथ पुलिस ने मृतक युवक के चार दोस्तों को गिरफ्तार करने के बाद बीती रात मृतक शशांक कटकी की पत्नी लक्ष्यहीरा भुइयां कटकी को भी गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है। परिजनों के मुताबिक एक सप्ताह पहले दीपांकर बोरा ने दो अन्य युवकों के साथ मिलकर शशांक के घर के सामने आकर उसकी हत्या करने की कोशिश की थी। दीपांकर फिलहाल फरार है। उल्लेखनीय है कि स्वतंत्रता दिवस पर पिकनिक मनाने जाते समय शशांक लापता हो गया था। बाद में शशांक का शव बरामद किया गया।

गुवाहाटी में फिर सड़ा हुआ शव बरामद

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी शहर में सड़ा हुआ शव फिर बरामद किया गया है। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार बीती रात राजधानी के दिसपुर थाना क्षेत्र के त्रिवेणी रोड स्थित मकान नंबर 153 से यह शव मिला। शव किराए के कमरे में मिला। जानकारी के अनुसार आसपास के लोगों ने कमरे के अंदर से निकल रहे सड़ांध की सूचना तुरंत पुलिस को दी। पुलिस ने तत्काल ही घटनास्थल पर पहुंचकर कमरे के अंदर से शव को निकाला। रहस्यमय तरीके से शव कपड़े की रस्सी से लटका हुआ मिला। मृतक की पहचान ननी गोपाल राय के रूप में हुई है। मृतक का घर राज्य के धुबड़ी जिले में बताया जाता है। मृतक राय लंबे समय से इलाके में पानी की आपूर्ति करने वाला वाहन चला रहा था। दिसपुर पुलिस ने शव को अंत्यपरीक्षण के लिए भेज दिया है। इस संदर्भ में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की छानबीन की जा रही है। मृत्यु के सही कारणों का पता लगाया जाना अभी बाकी है।

रंगिया प्रशासन ने मनाया 77वां स्वतंत्रता दिवस

रंगिया (नि.स.)। देशभर के साथ-साथ रंगिया में भी मंगलवार को देश का 77वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। रंगिया महकमा प्रशासन द्वारा भव्य कार्यक्रमों के साथ रंगिया के उच्चतर माध्यमिक खेल मैदान प्रांगण में इसका आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रात: 6 बजे जनसंपर्क विभाग के स्थायी अनुवादक यंत्र द्वारा देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति के साथ की गई। इसके पश्चात प्रात: 7 बजे अपने-अपने आवास स्थलों और प्रात: 7-30 बजे विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी-बेसरकारी कार्यालयों, विभिन्न अनुष्ठान-प्रतिष्ठान और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। सुबह 8-45 बजे राष्ट्रपिता महात्मागांधी की मूर्ति पर माल्यार्पण के पश्चात कृषक-शहीद भवन स्थित शहीद बेदी पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके पश्चात रंगिया उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खेल मैदान प्रांगण में प्रशासन द्वारा आयोजित स्वतंत्रता दिवस के केंद्रीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रंगिया के महकमाधिपति दिपन बर्मन ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इसके पश्चात रंगिया उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं द्वारा राष्ट्रीय गीत की प्रस्तुति दी गई तथा इसके पश्चात असम गार्ड बटालियन, एन.सी.सी के साथ विभिन्न स्कूलों की 18 टीमों ने 427 लोगों की भागीदारी के साथ मार्च पास्ट और कुचकावाज का प्रदर्शन किया गया। इसके अलावा, विभिन्न सांस्कृतिक समूहों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुती दी गई। कार्यक्रम के अंतर्गत महकमा प्रशासन की ओर से महकमे विभिन्न विभागों के पारदर्शी कर्मचारियों के साथ-साथ समाज के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष उपलब्धि हासिल करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर *आजादी का अमृत महोत्सव* के तहत *हर घर तिरंगा* कार्यक्रम के तहत रंगिया महकमे में पिछले तीन दिनों से घर-घर राष्ट्रीय ध्वज फहराने में काफी उत्साह देखा गया। दूसरी ओर स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, महकमा प्रशासन की ओर से रंगिया सिविल अस्पताल के मरीजों के अलावा रंगिया आवासीय विद्यालय के छात्रों को फलमूल वितरित किया गया।

सात रेल परियोजनाओं को मंजूरी

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने केंद्र सरकार के शत-प्रतिशत वित्तपोषण से रेल मंत्रालय की लगभग 32,500 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत वाली सात परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की। इन मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं के प्रस्तावों से परिचालन में आसानी होगी और भीड़-भाड़ में कमी आएगी, जिससे भारतीय रेल के अति व्यस्त खंडों पर आवश्यक ढांचागत विकास संभव हो सकेगा। 9 राज्यों अर्थात उत्तर प्रदेश, बिहार, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, ओडिशा, झारखंड और पश्मि बंगाल के 35 जिलों को कवर करने वाली इन परियोजनाओं से भारतीय रेल के मौजूदा नेटवर्क में 2339 किलोमीटर की वृद्धि होगी। इसके अलावा राज्यों के लोगों को 7.06 करोड़ मानव दिवसों का रोजगार उपलब्ध हो सकेगा। दिल्ली-हावड़ा ग्रैंड कॉर्ड लाइन होकर पूर्वोत्तर की ओर आने-जाने वाली ट्रेनों के लिए गोरखपुर छावनी-वाल्मिकी नगर सेक्शन का दोहरीकरण एक वैकल्पिक मार्ग के रूप में सेवा देगी। यह वैकल्पिक रेल लिंक यातायात की भीड़ को कम करने, पूर्वोत्तर की ओर कनेक्टिविटी में सुधार और पूर्वोत्तर की ओर अधिक से अधिक यात्री और मालगाड़ियों के परिचालन में मदद करेगी। गोरखपुर छावनी-वाल्मिकी नगर सेक्शन का दोहरीकरण 1269 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से पूरा किया जाएगा। नेरगुंडी-बारंग और खुर्दा रोड-विजयनगरम सेक्शन में तीसरी लाइन बिछाने की एक अन्य परियोजना शिक्षा, चिकित्सा और रोजगार के उद्देश्य से दक्षिण भारत की ओर यात्रा करने वाले पूर्वोत्तर के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण मार्ग के रूप में सेवा प्रदान करेगी। इस सेक्शन में कोलकाता से चेन्नई तक काफी अधिक यातायात भीड़ है। इसलिए, इस सेक्शन में तीसरी लाइन बिछाने से यातायात की भीड़ कम होगी और ट्रेनों की आवाजाही बढ़ेगी। यह परियोजना करीब 5000 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से पूरी होगी। ये खाद्यान्न, उर्वरक, कोयला, सीमेंट, फ्लाई-ऐश, लोहा और तैयार इस्पात, क्लिंकर, कच्चा तेल, चूना पत्थर, खाद्य तेल आदि जैसी विभिन्न वस्तुओं की ढुलाई के लिए आवश्यक मार्ग हैं। क्षमता वृद्धि संबंधी कार्यों के परिणामस्वरूप अतिरिक्त 200 एमटीपीए (मिलियन टन प्रति वर्ष) माल की ढुलाई होगी। पर्यावरण के अनुकूल और ऊर्जा दक्ष परिवहन का माध्यम होने के कारण, रेलवे जलवायु लक्ष्यों को हासिल करने और देश की लॉजिस्टिक लागत में कमी लाने में मदद करेगा।

बोगीबील : सड़क दुर्घटना में दो बाइकरों की मौत

डिब्रूगढ़ (हि.स.)। डिब्रूगढ़ में बोगीबील पुल के पास राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 52 पर आज हुई एक भीषण सड़क दुर्घटना दो बाइकरों की मौत हो गई। डिब्रूगढ़ से धेमाजी जाते समय एक चार पहिया वाहन ने बाइक को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। बाइक पर सवार दोनों युवकों की मौत तत्काल ही घटनास्थल पर हो गई। बाइक (एएस-12एबी-2517) और चारपहिया वाहन टाटा टियागो (एएस-07टी-3274) के बीच टक्कर हुई है।

महानगर में धूमधाम से मना स्वतंत्रता दिवस

निज संवाददाता, गुवाहाटी (विभास)

पूरे देश तथा राज्य के साथ-साथ गुवाहाटी में भी हर्षोल्लास तथा धूमधाम के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न सभा-समितियों तथा संगठनों द्वारा कहीं झंडोत्तलन, तो कहीं रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर महानगर के विभिन्न हिस्सों में किए गए कार्यक्रमों के कुछ अंश-

रेडीमेड गारमेंट्स डीलर्स एसोसिएशन ने कई कार्यक्रमों के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया

रेडीमेड गारमेंट डीलर्स एसोसिएशन ने एस एस रोड स्थित वुड हॉल्ट के प्रांगण में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में झंडोत्तोलन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पार्षद स्नीग्धा बोरा मजूमदार ने तिरंगा फहराया। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में बच्चों के बीच चित्रांकन प्रतियोगिता एवं स्वास्थ्य तथा नेत्र जांच शिविर आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद क्वीन ओझा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में गुवाहाटी के मेयर मृगेन शरणीया उपस्थित थे। उन्होंने चित्रांकन प्रतियोगिता में विजेता बच्चों को पुरस्कार भी प्रदान किया। स्वास्थ्य जांच शिविर में 100 से भी अधिक रोगियों की प्राथमिक स्वास्थ्य जांच की गई एवं चिकित्सकों द्वारा उन्हें उचित सलाह दी गई। 80 रोगियों की नेत्र जांच की गई जिनमें 21 रोगी को मोतियाबिंद ऑपरेशन के सुझाव दिया गया। इसके लिए रेडीमेड गारमेंट डीलर्स एसोसिएशन और राउंड टेबल ऑफ इंडिया ने सभी का निशुल्क ऑपरेशन करवाने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के तृतीय चरण में देशभक्ति सांस्कृतिक समारोह का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर रेडीमेड गारमेंट डीलर एसोसिएशन के अध्यक्ष सुब्रत रॉय, सचिव श्याम खेमका, कोषाध्यक्ष सुभाष दे, मुख्य सलाहकार असीम राय और कार्यक्रम संयोजक अरुण दे, सह संयोजक उत्तम साहा के अलावा अन्य कई सदस्य उपस्थित थे। गौरतलब है कि एसोसिएशन ने स्वतंत्रता दिवस के पूर्व दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन भी किया था। जिसमें 30 यूनिट रक्त संग्रह करके मारवाड़ी हॉस्पिटल के ब्लड बैंक में दे दिया गया।

मारवाड़ी हॉस्पिटल में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया

मारवाड़ी हॉस्पिटल ने स्वतंत्रता दिवस भव्य तरीके से मनाया। समारोह में अध्यक्ष रमेश गोयनका, संयुक्त सचिव सचिव रामस्वरूप खाकोलिया, चिकित्सा सेवा निदेशक डॉ. जे.पी.शर्मा, अस्पताल अधीक्षक रोहित उपाध्याय और अस्पताल के कई अन्य कर्मचारी सहित अतिथियों ने भाग लिया। अध्यक्ष रमेश गोयल कहानी झंडू उत्तरण की प्रसाद अपना संबोधन दिया। चिकित्सा सेवा निदेशक डॉ. जे.पी.शर्मा ने सभी को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी और मारवाड़ी हॉस्पिटल के सभी कर्मचारियों से आग्रह किया कि वे पूरे प्रयास के साथ एकजुट होकर काम करें ताकि आने वाले वर्षों में मारवाड़ी हॉस्पिटल का नाम और ऊंचा हो। अस्पताल अधीक्षक रोहित उपाध्याय ने भी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अस्पताल के सभी क्लिनिकल और गैर-क्लिनिकल कर्मचारियों को बधाई दी और उनसे अस्पताल के समग्र विकास के लिए कड़ी मेहनत करने का आग्रह किया।

मायुमं कामाख्या शाखा ने मनाया स्वतंत्रता दिवस

मारवाड़ी युवा मंच कामाख्या शाखा ने भरलुमुख पुलिस थाने स्वतंत्रता दिवस महोत्सव बड़े ही उल्लास के साथ मनाया। उत्सव के शुरूआत में अध्यक्ष नीलम भजनका ने सभी का स्वागत किया। इस उत्सव में भरलुमुख थाने के ओ सी ज्योति लहौल, प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जालान, प्रांतीय महामंत्री सुभाष सुराणा, मण्डलीय उपाध्यक्ष मितेश सुराणा, राष्ट्रीय रक्त संयोजिका नेहा पटवारी, प्रांतीय रक्त संयोजक राहुल चमरिया के साथ सभी पुलिस कर्मी, शाखा सचिव नमिता दुधेरीया, उपाध्यक्ष स्नेहल बिदासरिया, संयुक्त मंत्री रजनी पगारिया, प्रांतीय एवं शाखा कार्यकारिणी सदस्य पिंकी बेंगाणी, ममता सेठी, चांदनी बैद, नम्रता सुराणा, मीना जैन, नेहा जैन, नेहा रस्तोगी, प्रीति जालान, प्रिया भदानी, किरण अग्रवाल, अरुणा अग्रवाल, पूर्व अध्यक्षा सुमन अग्रवाल उपस्थित थी। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम संयोजिका खुशबू मोर ने बड़े ही सुचारू रूप से किया और बच्चों ने भी अपने नृत्य और गाने से बड़ी ही सुंदर प्रस्तुती दी। अंत मे सचिव नमिता दुधेरीया ने धन्यवाद ज्ञापन देते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

जेमा ने स्कूल के छात्रों में बाटें सामान

प्रत्येक वर्ष की भांति गुवाहाटी इलेक्ट्रिक मर्चेंट्स एसोसिएशन (जेमा) ने स्वाधीनता दिवस कार्यक्रम अपने सद्स्यों के साथ मनाया। इसी कड़ी में इस बार ये कार्यक्रम गुवाहाटी के लालमाटी इलाके में स्थित अमोल प्रोवा शिक्षा प्रतिष्ठान एवम असम गौ सेवा समिति में मनाया गया। सामाजिक दायित्व का निर्वाहन करते हुए जेमा ने स्कूल में विद्यार्थियों के सुविधार्त कई जरूरी सामानों को भेंट किया जिसमे प्रमुख रूप से साउंड सिस्टम, ब्लैक बोर्ड्स, कपडे, पंखे एवम कुर्सियां थी। सोशल कमिटी के सलाहकार अशोक सेठिया एवम संयोजक दीपक अग्रवाल ने बताया की विद्यालय में करीब 150 बच्चे शिक्षा ग्रहण करते है जो अत्यंत ही साधारण परिवार से आते है। साथ ही एक गौ सेवा केंद्र भी है जहां करीब 50 गौ माताएं है। कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण एवम राष्ट्र गान से हुई। इसके उपरांत उपस्थित विद्यार्थी गण एवम शिक्षक गण ने स्वाधीनता दिवस के उपलक्ष्य में कई कार्यक्रम पेश किए। कार्यक्रम में अध्यक्ष नवल किशोर सारदा, मुख्य संरक्षक सज्जन अग्रवाल, निवर्तमान अध्यक्ष लक्ष्मीपत दूगड़, उपाध्यक्ष प्रमोद मोर, सचिव साकेत राज पुगलिया, कोषाध्यक्ष नवीन सेठिया, सह कोषाध्यक्ष अभिषेक कागलीवाल, कार्यकारिणी सदस्य कमल अग्रवाल, सौरव बोथरा और सोशल एंड हेल्थ कमिटी के सदस्य अतुल चौरड़िया, रूपेश बौरड़ तथा सदस्य निर्मल चौरड़िया एवम जगदीश कपूर उपस्थित थे। इस आशय की जानकारी सह सचिव अनिल दुगड़ ने जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी।

राष्ट्रपति मुर्मू ने समुद्र में उतारा प्रोजेक्ट 17ए फ्रिगेट्स का छठा जहाज 'विंध्यगिरी'

- रिमोट से बटन दबाते ही डेक से खिसककर समुद्र के पानी में उतर गया जहाज
- जहाज निर्माण की क्षमता दिलाने में भारतीय उद्योगों का प्रमुख योगदान : मुर्मू

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को प्रोजेक्ट 17ए फ्रिगेट्स का छठा जहाज विंध्यगिरी को रिमोट से बटन दबाकर समुद्र में उतार दिया। इस प्रोजेक्ट के जहाजों को भारतीय नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो ने इन-हाउस डिजाइन किया है। जहाज का नाम कर्नाटक की पर्वत श्रृंखला के नाम पर रखा गया है, जिस पर ब्रह्मोस मिसाइल की भी तैनाती हो सकती है। राष्ट्रपति मुर्मू के हाथों कोलकाता के गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) में लॉन्च किया गया विंध्यगिरी प्रोजेक्ट 17ए फ्रिगेट्स का छठा जहाज है। रिमोट से बटन दबाते ही जहाज डेक से खिसकना शुरू हुआ और देखते ही देखते युद्धपोत समुद्र के पानी में उतर गया। इस ऐतिहासिक पल के दौरान भारत माता की जय का उद्घोष किया गया। समारोह में राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि भारत को जहाज निर्माण की क्षमता दिलाने में भारतीय उद्योगों का प्रमुख योगदान है। उन्होंने नौसेना और जीआरएसई के कर्मचारियों को समय पर जहाज का निर्माण करने के लिए धन्यवाद दिया। नौसेना प्रमुख आर. हरि कुमार ने बताया कि इस युद्धपोत में बेहतर स्टील्थ फीचर्स, उन्नत हथियार और सेंसर और प्लेटफॉर्म प्रबंधन सिस्टम हैं। एक तरह से देखा जाए तो तकनीकी रूप से उन्नत यह फ्रिगेट पुरानी एएसडब्ल्यू फ्रिगेट आईएनएस विंध्यगिरी को श्रद्धांजलि है। पुराने जहाज आईएनएस विंध्यगिरी ने 08 जुलाई 1981 को नौसेना में शामिल होकर 11 जून 2012 तक विभिन्न चुनौतीपूर्ण अभियानों और बहुराष्ट्रीय अभ्यासों के दौरान लगभग 31 वर्षों तक सेवा दी थी। नवनिर्मित 'विंध्यगिरी' स्वदेशी रक्षा क्षमताओं के साथ अब अपनी समृद्ध नौसैनिक विरासत को संभालने के लिए तैयार है। उन्होंने समारोह को संबोधित करते हुए बताया कि प्रोजेक्ट 17ए कार्यक्रम के तहत मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) को चार और गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) को तीन जहाजों का निर्माण सौंपा गया था। इस परियोजना के पहले पांच जहाज तारागिरी, उदयगिरि, दूनागिरी, नीलगिरि, हिमगिरी लॉन्च किए जा चुके हैं। भारत में पर्वत श्रृंखलाओं के नाम पर इन सभी जहाजों के नाम रखे गए हैं। इस परियोजना को स्टील्थ गाइडेड-मिसाइल फ्रिगेट की एक श्रृंखला का निर्माण करने के लिए लॉन्च किया गया था। प्रोजेक्ट 17ए का कुल मूल्य लगभग 25,700 करोड़ रुपये है। नौसेना प्रमुख ने कहा कि प्रोजेक्ट 17ए जहाजों को भारतीय नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो ने इन-हाउस डिजाइन किया है, जो सभी युद्धपोत डिजाइन गतिविधियों के लिए अग्रणी संगठन है। 'आत्मनिर्भरता' के प्रति देश की दृढ़ प्रतिबद्धता के अनुरूप प्रोजेक्ट 17ए जहाजों के उपकरणों और प्रणालियों के लिए 75% ऑर्डर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) सहित स्वदेशी फर्मों से मिले हैं। विंध्यगिरी की लांचिंग आत्मनिर्भर नौसैनिक बल के निर्माण में की गई अविश्वसनीय प्रगति का एक उपयुक्त प्रमाण है। कार्यक्रम में रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट, पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और जीआरएसई के सीएमडी कमोडोर पीआर हरि, आईएन (सेवानिवृत्त) मौजूद रहे।

दिल्ली विधानसभा: मुख्यमंत्री केजरीवाल बोले, मणिपुर पर चुप क्यों हैं प्रधानमंत्री मोदी

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में एक बार फिर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्र सरकार पर जमकर हमला बोला। इस बार चर्चा का विषय मणिपुर था। मुख्यमंत्री ने सवाल उठाया कि प्रधानमंत्री मणिपुर पर चुप क्यों है। दिल्ली विधानसभा के विशेष सत्र का आज दूसरा दिन था। सत्र में मणिपुर के मुद्दे पर सीमित चर्चा की शुरूआत हुई। इसमें मुख्यमंत्री ने भाग लेते हुए कहा कि दिल्ली के भाजपा विधायक मणिपुर पर चर्चा नहीं चाहते। उनके लिए मणिपुर कोई मसला नहीं है। सही मायने में भाजपा के लिए ही मणिपुर कोई मसला नहीं है। मुख्यमंत्री ने मणिपुर के हालात को लेकर केन्द्र सरकार को घेरने की कोशिश की। उन्होंने मणिपुर के अलावा भारत-चीन सीमा विवाद, आर्थिक भगोड़ों और हिंडनबर्ग मामले को भी उठाया। इससे पहले दिल्ली विधानसभा से गुरुवार को चार भाजपा विधायकों को मार्शल के जरिए सदन से बाहर कर दिया गया। ये सभी मणिपुर पर चर्चा कराए जाने के फैसले का विरोध कर रहे थे। बाहर किए गए विधायकों में अभय वर्मा, जितेन्द्र महाजन, अजय महावार और ओपी शर्मा हैं। भाजपा कार्यकताओं ने इस कार्रवाई के खिलाफ विधानसभा के बाहर प्रदर्शन भी किया।

टेलीकॉम रिफॉर्म: सिम बेचने वालों का होगा पुलिस सत्यापन, बल्क कनेक्शन में हर व्यक्ति का होगा केवाईसी

नई दिल्ली, (हि.स.)। देश में मोबाइल फोन के सिम विक्रेताओं का अब पुलिस सत्यापन अनिवार्य होगा, जिसमें उनकी बायोमेट्रिक जानकारी भी शामिल है। अब बड़ी संख्या में बिजनेस कनेक्शन लेने वाले कारोबारियों को सिम देते समय सम्बन्धित कर्मचारी का केवाईसी कराना अनिवार्य होगा। केन्द्रीय टेलीकॉम मंत्री अश्वनी वैष्णव ने गुरुवार को टेलीकॉम क्षेत्र से जुड़े दो रिफॉर्म की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इन रिफॉर्म का मकसद केवल उपयोगकर्ता को साइबर धोखाधड़ी से बचाना है। उन्होंने कहा कि सिम बेचने वाले को अब गलत तरीके से इसे बेचने के लिए जिम्मेदार ठहराया जाएगा। इसके लिए उसका पुलिस और बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य होगा और बड़ी संख्या में सिम खरीद पर रोक होगी। इसके स्थान पर बिजनेस कनेक्शन दिए जायेंगे। बिजनेस कनेक्शन के लिए एक प्रक्रिया के तहत रजिस्ट्रेशन होगा। यह बिजनेस कनेक्शन पाने वाले प्रत्येक व्यक्ति को अपना केवाईसी कराना अनिवार्य होगा। मंत्री ने संचार पोर्टल के माध्यम से हासिल की गई उपलब्धियों की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसके माध्यम से 52 लाख फर्जी कनेक्शन खत्म किए गए हैं। 67 हजार डीलर ब्लैकलिस्ट किए गए हैं। साइबर फ्राड से जुड़ी 300 एफआईआर दर्ज की गई हैं। 17 हजार मोबाइल हैंडसेट ब्लॉक किए गए हैं। 67 हजार व्हाटसएप ब्लॉक किए गए हैं। एक लाख पेमेंट अकाउंट ब्लॉक किए गए हैं। तीन लाख चोरी के मोबाइल उनके मालिकों तक पहुंचाए गए हैं। एक आधार पर सिम लेने की संख्या को अभी भी नौ बनाए रखा गया है। मंत्री ने बताया कि डिजिटल केवाईसी जल्द ही जरूरी कर दिया जाएगा। सिम कार्ड देते समय आधार कार्ड के क्यूआर कोड को सत्यापित करना जरूरी होगा। इससे फोटो शॉप के दस्तावेज की हेरफेर खत्म होगी।

दिल्ली विधानसभा से भाजपा के चार विधायकों को मार्शल के जरिए सदन से किया गया बाहर

अजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा से गुरुवार को चार भाजपा विधायकों को मार्शल के जरिए सदन से बाहर कर दिया गया। यह सभी मणिपुर पर चर्चा कराए जाने के फैसले का विरोध कर रहे थे। बाहर किए गए विधायकों में अभय वर्मा, जितेन्द्र महाजन, अजय महावार और ओपी शर्मा शामिल हैं। आम आदमी पार्टी के विधायक दुर्गेश पाठक ने दिल्ली विधानसभा में मणिपुर मसले पर सीमित चर्चा की शुरूआत की। भाजपा विधायकों ने इसका विरोध किया। उनका कहना है कि मणिपुर दिल्ली विधानसभा के दायरे से बाहर का विषय है। विधानसभा में राज्य से जुड़े मसलों पर ही चर्चा की जानी चाहिए। इस पर उपाध्यक्ष राखी बिरला ने उत्तर प्रदेश का उदाहरण दिया और कहा कि अगर वहां चर्चा हो सकती है तो दिल्ली विधानसभा में क्यों नहीं हो सकती। भाजपा विधायकों की ओर कहा गया कि वहां किसी सदस्य ने उल्लेख भले किया पर औपचारिक चर्चा नहीं हुई। भाजपा के विधायक लगातार नारेबाजी कर रहे थे और विरोध प्रदर्शन कर रहे थे, जिसके बाद मार्शल बुलाकर उन्हें सदन से बाहर कर दिया गया। इसके बाद भाजपा विधायकों ने विधानसभा परिसर में स्थित मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के कार्यालय के बाहर दिल्ली सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि सरकार के हर विभाग में भ्रष्टाचार हो रहा है और दिल्ली सरकार मणिपुर पर चर्चा कर रही है। जबकि मणिपुर उसके दायरे से बाहर का विषय है।

प्रधानमंत्री ने प्रख्यात वैज्ञानिक वी.एस. अरुणाचलम के निधन पर दुख जताया

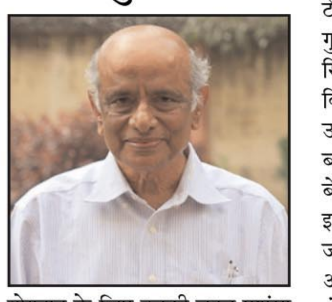

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को प्रख्यात वैज्ञानिक और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. वी.एस. अरुणाचलम के निधन पर दुख व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने अरुणाचलम को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनके निधन से वैज्ञानिक समुदाय में एक बड़ा खालीपन आ जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट संदेश में कहा, "डॉ. वी.एस. अरुणाचलम का निधन वैज्ञानिक समुदाय और रणनीतिक दुनिया में एक बड़ा खालीपन छोड़ गया है। उनके ज्ञान, अनुसंधान के प्रति जुनून और भारत की सुरक्षा क्षमताओं को मजबूत करने में समृद्ध योगदान के लिए उनकी बहुत प्रशंसा की गई। उनके परिवार और शुभचिंतकों के प्रति संवेदनाएं। ओम शांति।" उल्लेखनीय है कि पूर्व डीआरडीओ प्रमुख 87 वर्ष के थे। उनके परिवार ने बुधवार को एक बयान में कहा कि उनका अमेरिका के कैलिफोर्निया में निधन हो गया।

चन्द्रयान - 'विक्रम' लैंडर सफलतापूर्वक प्रोपल्शन मॉड्यूल से हुआ अलग

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत के चंद्रयान-3 मिशन ने अपनी चंद्र अन्वेषण यात्रा में गुरुवार को एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। प्रज्ञान रोवर को लेकर चल रहा अंतरिक्ष यान का 'विक्रम' लैंडर सफलतापूर्वक प्रोपल्शन मॉड्यूल से अलग हो गया। इससे मिशन एक कदम और आगे बढ़ गया। इसरो ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। इसरो के ट्वीट में कहा गया चंद्रयान-3 मिशनः लैंडर मॉड्यूल (एलएम) ने कहा, सवारी के लिए धन्यवाद, दोस्त! एलएम को प्रोपल्शन मॉड्यूल (पीएम) से सफलतापूर्वक अलग कर दिया गया है। कल लगभग शाम चार बजे पहले से तय गति कम करने के बाद एलएम थोड़ी निचली कक्षा में उतरने के लिए तैयार है। चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग से भारत दुनिया में ऐसी उपलब्धि हासिल करने वाला चौथा देश बन जाएगा। इससे पहले अमेरिका, रूस और चीन इस उपलब्धि को हासिल कर चुके हैं। चन्द्रयान-3 की विशेषता यह है कि यह भारत के प्राकृतिक उपग्रह के दक्षिणी ध्रुव पर उतरेगा। कोई और अन्य देश अभी तक ऐसा नहीं कर सका है।

दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में अरुण पिल्लई की अंतरिम जमानत याचिका खारिज

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में अरुण पिल्लई की अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। स्पेशल जज एमके नागपाल ने अंतरिम जमानत याचिका खारिज करने का आदेश दिया। अरुण पिल्लई ने खराब स्वास्थ्य का हवाला देते हुए अंतरिम जमानत की मांग की थी। ईडी ने इस मामले में दाखिल पूरक चार्जशीट में कहा है कि पिल्लई ने जांच के दौरान झूठा बयान दिया। अरुण पिल्लई ने साक्ष्यों को नष्ट करने में अहम भूमिका निभाई। दो साल में उसने पांच मोबाइल फोन नष्ट किए। ईडी के मुताबिक जांच के दौरान अरुण पिल्लई घोटाले में इस्तेमाल किए गए मोबाइल फोन पेश नहीं कर सका। पिल्लई के पास से मिले फोन में लोगों से बातचीत का कोई रिकॉर्ड नहीं मिला। इससे साफ है कि अरुण पिल्लई ने साक्ष्यों को नष्ट करने में अहम भूमिका निभाई। ईडी ने चार्जशीट में अमनदीप ढल का भी नाम शामिल किया है। ईडी ने इस मामले में अरुण पिल्लई को 06 मार्च को, जबकि अमनदीप ढल को 01 मार्च को गिरफ्तार किया था। पिल्लई पर इसी मामले के आरोपित समीर महेंद्रू से रिश्वत की रकम इकट्ठा कर दूसरे आरोपितों को देने का आरोप है।

2024 में भाजपा को सत्ता से बाहर करने का लें प्रण : खड़गे

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हमें मिलकर वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बाहर करना होगा। सभी को इसकी प्रतिज्ञा लेनी है कि भाजपा वर्ष 2024 में सत्ता में वापस न आने पाए। क्योंकि वर्तमान सरकार से देश खुश नहीं है। खड़गे ने गुरुवार को अखिल भारतीय महिला कांग्रेस का राष्ट्रीय सम्मेलन- "प्रतिज्ञा- उज्वल भारत की" को संबोधित करते हुए कहा कि वह सभी को सलाह देना चाहते हैं कि आप अच्छा काम करें और भाजपा को हटाएं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के हर कार्यकर्ता को महात्मा गांधी की तरह देश के प्रति समर्पित भाव से काम करना होगा। हमें बिना पद का लोभ किए देश के लिए अपना योगदान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हम अपने लिए राजनीति में नहीं आए हैं। राजनीति एक सेवा है। हमें सेवा भाव से काम करना होगा। खड़गे ने कहा कि गांधी को क्या मिला? न वह इस देश के प्रधानमंत्री बने और न ही राष्ट्रपति। लेकिन अपना पूरा जीवन देश को समर्पित कर दिया, भारत को आजादी दिलाई। खड़गे ने कहा कि इस आयोजन में दो दिनों तक चिंतन-मंथन होगा और आगामी लोकसभा-विधानसभा चुनावों की रणनीति बनेगी। मेरा विश्वास है कि आपने जो वादा किया है, वो आगामी चुनावों में पूरा कर दिखाएंगे। तालकटोरा स्टेडियम आयोजित इस दो दिवसीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खड़गे ने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह बोलते हैं कि कांग्रेस ने सत्तर साल में क्या किया? हम उनको बताना चाहते हैं कि हमने लोकतंत्र और संविधान को बचाकर रखा, इसलिए आप प्रधानमंत्री बन पाए। खड़गे ने कहा कि देश को एकजुट रखने के लिए इंदिरा और राजीव ने अपने प्राणों का बलिदान दिया। कांग्रेस पार्टी के बड़े-बड़े नेताओं ने देश के लिए अपनी जान दी। क्या भाजपा के पास भी ऐसा कोई नेता है?

केंद्र पर राहुल का तंज, कहा- नाम से नहीं, कर्म से है नेहरू की पहचान

नई दिल्ली, (हि.स.)। नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी के नाम बदलने को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को केंद्र सरकार पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि नाम से नहीं, पंडित नेहरू की पहचान उनके कर्म से है। राहुल गांधी ने नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी के नाम परिवर्तन से जुड़े एक संवाददाता के सवाल पर यह बात कही। उल्लेखनीय है कि नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी का नाम बदल कर अब इसे प्रधानमंत्री मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी कर दिया गया है। इसको लेकर कांग्रेस ने आपत्ति जताई थी। कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का एकमात्र एजेंडा नेहरू और नेहरूवादी विरासत को गलत ठहराना, बदनाम करना और नष्ट करना है।

राजस्थान में भाजपा के चुनाव प्रबंधन की कमान पंचारिया को, केंद्रीय मंत्री मेघवाल को घोषणा पत्र समिति का जिम्मा

नई दिल्ली/जयपुर, (हि.स.)। भाजपा ने राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल को संकल्प पत्र समिति का संयोजक बनाया है। इसके अलावा पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व सांसद नारायण पंचारिया को प्रदेश चुनाव प्रबंधन समिति का संयोजक बनाया गया है। इन नियुक्तियों की घोषणा जयपुर में पार्टी कार्यालय पर गुरुवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने की। इस दौरान प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह भी मौजूद रहे।

जोशी ने बताया कि संकल्प पत्र समिति का आकार संयोजक, सात सह संयोजक और 17 सदस्यों सहित कुल 25 का है। राज्यसभा सदस्य घनश्याम तिवाड़ी, राज्यसभा सदस्य किरोड़ीलाल मीणा, राष्ट्रीय मंत्री अल्का सिंह गुर्जर, पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष राव राजेन्द्र सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष मेहरिया, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभुलाल सैनी और पार्षद राखी राठौड़ को सह संयोजक बनाया गया है। उन्होंने बताया कि चुनाव प्रबंधन समिति में संयोजक और छह सह संयोजक समेत 21 सदस्य होंगे। पूर्व प्रदेश महामंत्री ओंकार सिंह लखावत, सांसद राज्यवर्द्धन राठौड़, प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश महामंत्री दामोदर अग्रवाल, पूर्व राज्य सूचना आयुक्त सीएम मीणा और कन्हैयालाल बैरवाल सह संयोजक बनाए गए हैं। उल्लेखनीय है कि दलित समाज से आने वाले केंद्रीय मंत्री मेघवाल राजस्थान के बीकानेर लोकसभा क्षेत्र के सांसद हैं।

पहले वैश्विक शिखर सम्मेलन में केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने पारंपरिक चिकित्सा पर की बात

गांधीनगर, (हि.स.)। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने गुरुवार को गांधीनगर में कहा कि पारंपरिक चिकित्सा के लिए वैश्विक शिखर सम्मेलन आशा की किरण के रूप में कार्य करता है, स्वास्थ्य और कल्याण के लिए समग्र दृष्टिकोण को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि प्राचीन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान को अपनाकर हम 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' की नीति को बढ़ावा देने के साथ-साथ स्वास्थ्य से संबंधित सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मिलकर काम कर सकते हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री मंडाविया ने गुरुवार को परंपरागत चिकित्सा के लिए डब्ल्यूएचओ की प्रथम ग्लोबल समिट के उद्घाटन अवसर पर ये बातें कही। इस मौके पर केन्द्रीय आयुष मंत्री सबानंद सोनवाल, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस अघनोम घेब्रेयेस मौजूद थे। आयुष मंत्रालय की ओर से सह आयोजित यह समिट 17 से 19 अगस्त के बीच गांधीनगर में जी-20 स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक के तहत को-ब्रांडेड इवेंट है। इसके उद्घाटन सत्र में आयुष राज्यमंत्री डॉ. मुंजपरा महेन्द्रभाई कालूभाई, गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल, भूटान के स्वास्थ्य मंत्री लोन्पो दाशो डेशेन वांगमो और नेशनल डायरेक्टर ऑफ पैत्रक ट्रेडिशनल मेडिसिन बोलिविया विवियन टी कामाचो हिनोजोसा भी उपस्थित रहीं। 17 से 18 अगस्त तक दो दिवसीय शिखर सम्मेलन का विषय "सभी के लिए स्वास्थ्य और कल्याण की दिशा मेंह्व है, जो गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान करने और वैश्विक स्वास्थ्य एवं सतत विकास में प्रगति लाने में पारंपरिक सहायक और एकीकृत चिकित्सा की भूमिका का पता लगाएगा। पारंपरिक चिकित्सा पर पहले वैश्विक शिखर सम्मेलन के अवसर पर डॉ. मंडाविया ने कहा, "यह वैश्विक शिखर सम्मेलन पारंपरिक और पूरक चिकित्सा के क्षेत्र में संवाद, विचारों के आदान-प्रदान, जुड़ाव और अंतरराष्ट्रीय साझेदारी के लिए एक अनूठा मंच प्रस्तुत करता है। सदियों से, पारंपरिक और पूरक चिकित्सा ने व्यक्तिगत और सामुदायिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आधुनिक समय में भी, प्राकृतिक और हर्बल-आधारित फार्मास्यूटिकल्स और सौंदर्य प्रसाधनों की मांग पारंपरिक उपचार विधियों के स्थायी महत्व पर जोर देती है।" गुजरात के प्रतिनिधियों और मंत्रियों का स्वागत करते हुए मंडाविया ने कहा, "गांधीनगर, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम पर रखा गया शहर, इस प्रतिष्ठित शिखर सम्मेलन के लिए एक उपयुक्त पृष्ठभूमि के रूप में कार्य करता है। गुजरात, इतिहास और संस्कृति से समृद्ध भूमि, सरदार वल्लभभाई पटेल जैसे महानुभावों का जन्मस्थान भी है, जिन्हें भारत के लौह पुरुष के नाम से जाना जाता है। स्वतंत्रता के बाद राष्ट्रीय एकता के प्रति उनकी अदम्य भावना और प्रतिबद्धता ने हमारे देश पर एक अमिट छाप छोड़ी है।" गुजरात के जामनगर में डब्ल्यूएचओ का ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन मुख्यालय होने पर डॉ. मंडाविया ने कहा कि केंद्र ज्ञान के केंद्र के रूप में कार्य करता है, लोगों और ग्रह के उत्थान के लिए आधुनिक विज्ञान के साथ प्राचीन ज्ञान को एकीकृत करता है। डब्ल्यूएचओ के मुख्य कार्यों को पूरा करते हुए, केंद्र विश्व स्तर पर पारंपरिक चिकित्सा की प्रगति को गति देता है। मंत्री सबानंद सोनोवाल ने उद्घाटन समारोह में कहा, "पारंपरिक चिकित्सा के लिए पहला वैश्विक शिखर सम्मेलन बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह सीमाओं से परे स्वास्थ्य सेवा के भविष्य के लिए लोगों को एकजुट करता है और विश्व स्तर पर स्वास्थ्य सेवा में एक नए युग की शुरूआत करता है।"

बहुपक्षीय हवाई युद्धाभ्यास 'तरंग शक्ति' अगले साल तक के लिए स्थगित

- 2024 के मध्य तक होने वाले युद्धाभ्यास में 12 देशों की वायु सेनाएं हिस्सा लेंगी
- भारतीय वायु सेना की मेजबानी में होने वाला यह सबसे बड़ा हवाई अभ्यास होगा

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय वायु सेना ने पांच देशों के साथ अक्टूबर में होने वाले बहुपक्षीय हवाई युद्धाभ्यास तरंग शक्ति को 2024 के मध्य तक के लिए स्थगित कर दिया है। इस हवाई अभ्यास में फ्रांस, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और जापान की वायु सेनाएं हिस्सा लेने वाली थीं। अगले साल होने वाले इस अभ्यास में लगभग 12 देशों की वायु सेनाओं के भाग लेने की उम्मीद है। यह भारत में होने वाला सबसे बड़ा हवाई अभ्यास होगा। भारतीय वायु सेना अगले साल एक मेगा बहुपक्षीय सैन्य अभ्यास की मेजबानी करेगी, जिसे मूल रूप से अक्टूबर के लिए योजनाबद्ध किया गया था। अब यह हवाई अभ्यास तरंग शक्ति 2024 के मध्य में होने की संभावना है, क्योंकि भारतीय वायुसेना ने कहा है कि वह इस साल युद्धाभ्यास की मेजबानी करने को तैयार नहीं है। इस अभ्यास में लगभग 12 वायु सेनाओं के भाग लेने की उम्मीद है। युद्धाभ्यास का ध्यान सैन्य सहयोग में सुधार और अंतरसंचालनीयता को बढ़ाने पर होगा। भारत में होने वाले इस सबसे बड़े हवाई अभ्यास तरंग शक्ति में फ्रांस, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और जापान की वायु सेनाएं इस अभ्यास में भाग लेंगी।

यह छह देश अपनी हवाई संपत्तियों जैसे लड़ाकू जेट, सैन्य परिवहन विमान और मध्य हवा में ईंधन भरने वाले उपकरणों के साथ भाग लेंगे, जबकि छह अन्य देशों को पर्यवेक्षकों के रूप में आमंत्रित किया जायेगा। दरअसल, भारतीय वायु सेना ने अप्रैल में फ्रांस के मोंट-डे-मार्सन सैन्य अड्डे पर लगभग तीन सप्ताह के बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास में हिस्सा लिया है। इसके लिए भारत ने चार राफेल जेट, दो सी-17 विमान और दो आईएल-78 मिड-एयर रिफ्यूलर भेजे थे। अप्रैल में ही भारत और अमेरिका की वायु सेनाओं ने कलाईकुंडा, पानागढ़ और आगरा में 'एक्सरसाइज कोप इंडिया' को अंजाम दिया। इस अभ्यास में अमेरिका ने अन्य संपत्तियों के अलावा बी1 बमवर्षक जेट और एफ-15 लड़ाकू विमान भी तैनात किए थे। भारत की वायु सेना ने पिछले महीने छह घंटे से अधिक समय तक भारत के चार राफेल लड़ाकू विमानों ने अपनी लंबी दूरी की लड़ाकू क्षमताओं का महत्वपूर्ण प्रदर्शन करते हुए हिंद महासागर क्षेत्र में एक 'रणनीतिक' मिशन को अंजाम दिया। इस तरह पिछले कुछ महीनों में कई बड़े विदेशी अभ्यासों में हिस्सा लेने के बाद वायु सेना फिलहाल इस साल बड़े हवाई अभ्यास की मेजबानी करने की स्थिति में नहीं है। साथ ही अभ्यास में भाग लेने वाली कई वायु सेनाओं ने भी भारत को बताया है कि यदि 'तरंग शक्ति' इस वर्ष आयोजित किया जाता है, तो वे युद्धाभ्यास में शामिल नहीं हो पाएंगे। यही वजह है कि इस हवाई अभ्यास को अगले साल तक के लिए स्थगित कर दिया गया है।

जमीन कब्जाने वाले किसी भी सूरत में बचने नहीं चाहिए : मुख्यमंत्री

– जनता दर्शन में सीएम योगी ने सुनीं 220 लोगों की समस्याएं

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जन शिकायतों के प्रति संवेदनशील रहने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया है। उन्होंने कहा कि जमीन पर कब्जा करने वाले और गरीबों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बचने नहीं चाहिए। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को अपने सरकारी आवास पांच कालिदास मार्ग पर जनता दर्शन के दौरान आम जन से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। विभिन्न जिलों से लगभग 220 लोग अपनी फरियाद लेकर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को समाधान के लिए निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी ने सबको आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का निस्तारण कराना उनकी प्रतिबद्धता है। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दो टूक हिदायत भी दी कि हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए। किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी एस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए।

महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और समस्या स्वीकार न करना बनेगा सरकार के पतन का कारण : अखिलेश

बांदा, (हि.स.)। जब तक रणनीति बनाने में हम लोग कामयाब नहीं होंगे तब तक बीजेपी का मुकाबला नहीं कर सकते हैं। मुझे उम्मीद है जिस तरह से महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार है और सरकार का समस्या न स्वीकार करना, इनके पतन का कारण बनेगा। यह बातें गुरुवार को बुंदेलखण्ड के बांदा जनपद में लोक जागरण अभियान के अंतर्गत आयोजित समाजवादी पार्टी के प्रशिक्षण शिविर में पहुंचे समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कही। अखिलेश ने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने अधिकारियों की कार्यशैली पर भी सवाल दागे। उन्होंने कहा कि ये लोग अधिकारियों से मिलकर सरकार चला रहे। ये जो अधिकारी हैं बदल जाते हैं। जब दूसरी सरकार आएगी तो उनके पीछे मुकदमे लगा देंगे। मुख्य सवाल ये है कि इस सरकार में अन्याय बढ़ा है। बुलडोजर कार्यवाही पर अखिलेश ने कहा कि उसमें दिमाग नहीं होता, स्टेयरिंग होता है। लखनउ की राजधानी में वर्तमान में सबसे ज्यादा भाजपा के लोगों की बहुमंजिला इमारतें अवैध रूप से बनाई गई हैं। अगर दो छत का घर अवैध हो सकता है तो उन बिल्डिंगों को गिराए जाने पर क्या स्थिति होगी। सपा अध्यक्ष ने कहा कि कोई घर परिवार ऐसा नहीं है जिसने महाभारत ना पढ़ा हो या रामायण के बारे में ना जानता हो। मणिपुर की दो तस्वीरें आईं, कारगिल का युद्ध करने वाले जवान के परिवार की महिला के साथ जो घटना हुई, हमारी संस्कृति कभी इन चीजों को स्वीकार नहीं कर सकती है। इसका दोषी अगर कोई है तो भाजपा की विभाजनकारी राजनीति। अखिलेश ने लोकसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन की जीत का भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस) और पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) मिलकर उत्तर प्रदेश में 80 की 80 सीटें जीतने जा रहा है। इसलिए जीतने जा रहे हैं क्योंकि मिसाइल बनी नहीं, टैंक बने नहीं, पानी आया नहीं, अन्ना जानवर गए नहीं, पलायन रुका नहीं, बड़े पैमाने पर बेरोजगार, सूखे में राहत नहीं, बाढ़ में मद्द नहीं, कोई काम पूरा नहीं किया।

वाई 20 में आए युवा आईआईटी बीएचयू पहुंचे, सुपर कंप्यूटिंग सेंटर, इंजीनियरिंग हब में भ्रमण

वाराणसी, (हि.स.)। वाराणसी में गुरूवार से जी-20 के तहत चार दिवसीय वाई 20 (युवा सम्मेलन) की शुरूआत हो गई। युवा शिखर सम्मेलन का औपचारिक शुभारंभ शुक्रवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर करेंगे। सम्मेलन में भाग लेने आए डेलीगेट्स को पहले दिन आईआईटी बीएचयू ले जाया गया । दल ने आईआईटी बीएचयू में बने सुपर कंप्यूटिंग सेंटर और इंजीनियरिंग हब में भ्रमण किया और इसके कार्य प्रणाली को देखा। यहां आईआईटी बीएचयू के छात्रों ने युवा डेलिगेट्स को मशीनों के बारे में विस्तार से बताया। विदेशी मेहमानों को यहां के छात्रों ने अपने डिपार्टमेंट में भी भ्रमण कराया। मेहमान शाम 4 बजे सारनाथ में म्यूजियम में भ्रमण के बाद लाइट एंड शो के माध्यम से भगवान बुद्ध की जीवनी को देखेंगे । भ्रमण के बाद विदेशी डेलीगेट्स रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर सिगरा पहुंचेंगे, जहां 11.30 बजे पहले सत्र का आगाज किया जाएगा। आईआईटी (बीएचयू) द्वारा पहले सत्र में प्रस्तुति दी जाएगी। इसके बाद अलग-अलग विषय पर परिचर्चा होगी। गौरतलब हो कि चार दिवसीय वाई 20 सम्मेलन में आये युवाओं को नवाचार और कौशल विकास से जुड़ने का मौका मिलेगा। काशी की संस्कृति और सभ्यता से रूबरू होने के साथ जी 20 देशों के 600 से अधिक युवा लोकतंत्र और शासन में युवाओं की भूमिका विषय पर विमर्श करेंगे। जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों पर भी बातचीत होगी। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के निदेशक पंकज कुमार के अनुसार वाई 20 भी जी–20 के आधिकारिक सहभागिता समूहों में से एक है। सम्मेलन में आईआईटी बीएचयू की तरफ से रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में विशेष सत्र आयोजित किया जाएगा।

चार दिनों तक इन विषयों पर होगा मंथन

- कार्य का भविष्य : उद्योग 4.0, नवाचार और 21वीं सदी के कौशल विकास।
- शांति निर्माण और सुलह, युद्ध रहित युग की शुरूआत।
-जलवायु परिवर्तन और आपदा जोखिम न्यूनीकरणः स्थिरता को जीवन का एक तरीका बनाना।
- साझा भविष्यः लोकतंत्र और शासन में युवा।
- स्वास्थ्य, भलाई और खेलः युवाओं के लिए एजेंडा।

जेपी इंटरनेशनल की जांच पर हाईकोर्ट की बेंच ने प्रदेश सरकार से मांगा जवाब

लखनऊ, (हि.स.)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में जेपी इंटरनेशन बिल्डिंग को लेकर दायर हुई एक याचिका पर लखनऊ बेंच ने प्रदेश सरकार से चार सप्ताह में जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता ने जेपी इंटरनेशनल बिल्डिंग के कार्य को जल्द पूरा कराने को लेकर याचिका दायर की है। याचिकाकर्ता की ओर से याचिका में जेपी इंटरनेशनल के कार्य को जल्द पूरा न किये जाने पर उसकी लागत बढ़ने और इससे सरकारी धन के हानि की ओर इशारा किया है। ज्ञातव्य है कि उत्तर प्रदेश में वर्ष 2017 में भाजपा की योगी आदित्यनाथ की सरकार बनने के बाद जेपी इंटरनेशनल बिल्डिंग के निर्माण में हुए भ्रष्टाचार की जांच शुरू हुई और आज तक कोई ठोस कदम उठाया नहीं गया। जेपी इंटरनेशनल बिल्डिंग बनाने की योजना समाजवादी पार्टी की सरकार में बनी थी। उस दौरान आईएएस सत्येन्द्र सिंह यादव और तमाम अधिकारी बिल्डिंग के निर्माण कार्य में हुए भ्रष्टाचार की जांच के दायरे में आये। जांच के लिए विभिन्न समितियों ने पहल की लेकिन किसी पूर्व अधिकारी पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी।

किसानों का गन्ना बकाया भुगतान की मांग को लेकर रालोद ने अधिकारियों को सौंपे ज्ञापन

लखनऊ, (हि.स.)। राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयन्त सिंह के निर्देश पर प्रदेश के गन्ना किसानों को उनके बकाये का भुगतान कराने के लिए पार्टी ने गुरुवार को प्रदेश के सभी जिलों में जिला गन्ना अधिकारियों के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री को ज्ञापन दिया। यह जानकारी राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश प्रवक्ता वेद प्रकाश शास्त्री ने दी। उन्होंने कहा कि उ0प्र0 में गन्ना केवल किसानों व मजदूरों का ही नहीं व्यापारियों की भी आजीविका का केन्द्र बिन्दु है। चीनी मिलों पर किसानों के गत सत्र का हजारों करोड़ रुपया अभी बकाया है जिसकी वजह से किसानों मजदूरों व व्यापारियों का सामाजिक व आर्थिक ताना बाना बिगड़ चुका है और यह सभी वर्ग भुखमरी के कगार पर पहुंच चुके हैं। उन्होंने कहा कि चीनी मिले किसानों का हजारों करोड़ रुपये दबाएं बैठी हैं और सरकार उनके विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं कर रही है जिसको लेकर किसानों में बहुत आक्रोश है। रालोद प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि आज 17 अगस्त को पार्टी की सभी जिला मुख्यालयों पर प्रदेश के मुख्यमंत्री को जिला गन्ना अधिकारियों के माध्यम से तीन सूत्रीय ज्ञापन दिया गया। इसके माध्यम से मांग की गई कि चीनी मिलों के विरुद्ध उचित कार्यवाही कर किसानों का बकाया गन्ना मूल्य अविलम्ब ब्याज सहित भुगतान कराने, अक्टूबर माह से शुरू हो रहे गन्ना पेराई सत्र में किसानों को सरकार के घोषणा के अनुरूप 14 दिन में गन्ने का भुगतान सुनिश्चित कराने, किसानों को आगामी सत्र में उनकी सुविधा के अनुरूप किसी भी चीनी मिल अथवा गन्ना क्रय केन्द्र पर गन्ना आपूर्ति करने की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की गई हैं। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने हमारी मांगों पर तत्काल ध्यान नहीं दिया तो राष्ट्रीय लोकदल किसानों को लेकर बड़ा आन्दोलन करने को बाध्य होगा।

मां छिन्नमस्तिका के दरबार पहुंचे साउथ के सुपरस्टार रजनीकांत

रामगढ़, (हि.स.)। साउथ के सुपरस्टार रजनीकांत गुरुवार को रामगढ़ जिले के रजरप्पा स्थित मां छिन्नमस्तिका दरबार में मत्था टेकने पहुंचे। इस दौरान उनकी सुरक्षा में लगे रामगढ़ एसपी पीयूष पांडे ने पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। रजनीकांत के यहां आने की खबर जैसे ही उनके फैंस को लगी, लोग सेल्फी लेने के लिए मंदिर पहुंच गए। रजनीकांत की यहां आने की कोई पूर्व सूचना नहीं थी।

राज्यपाल से मिलने के बाद रजनीकांत का काफिला रांची से रामगढ़ पहुंचा। यहां उन्होंने मां छिन्नमस्तिका के चरणों में शीश नवाया। हालांकि, इस दौरान मीडिया से उनकी बात नहीं हो पाई। फैंस से मिलने के बाद रजनीकांत रांची निकल गए।

हजारीबाग कमिश्नर 18 को रामगढ़ अंचल के कुंदूरू खुर्द में ग्राम सभा लगाकर 17 एकड़ भूमि के गलत म्यूटेशन की करेंगे जांच

रामगढ़, (हि.स.)। रामगढ़ अंचल के कुंदरु खुर्द गांव में 17.18 एकड़ भूमि के गलत तरीके से म्यूटेशन का मुद्दा अब काफी गंभीर हो गया है। हाई कोर्ट की टिप्पणी के बाद राज्य सरकार के निर्देश पर हजारीबाग कमिश्नर अब इस मामले की जांच ग्राम सभा लगाकर करेंगे। रामगढ़ डसी चंदन कुमार ने गुरुवार को बताया कि 18 अगस्त को कुंदरु खुर्द ग्राम पंचायत में ग्राम सभा का आयोजन किया गया है। गलत तरीके से म्यूटेशन का आदेश दिए जाने संबंधित तथाकथित आरोप की जांच के लिए आयुक्त उत्तरी छोटा नागपुर प्रमंडल हजारीबाग द्वारा दिए गए निर्देश के आलोक में ग्राम सभा आयोजित की जाएगी। इस संबंध में कोई आपत्ति हो या कोई साक्ष्य प्रस्तुत करना हो तो संबंधित 24 अगस्त तक आयुक्त कार्यालय उत्तरी छोटा नागपुर प्रमंडल, हजारीबाग में उपस्थित होकर साक्ष्य सहित आपत्ति दे सकते हैं। साथ ही आयुक्त उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल द्वारा रामगढ़ जिला अंतर्गत सभी मठों की सूची पता सहित उपलब्ध कराने एवं मामले की विस्तृत जांच के लिए भूमि सुधार उपसमाहर्ता के न्यायालय द्वारा पारित आदेश में अंकित पंकज कुमार, महेश महतो, जिलानी खान एवं नरेश कुमार के पिता का नाम व पता उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया गया है।

बागेश्वर धाम के आचार्य धीरेन्द्र शास्त्री नवंबर में आएंगे रांची

रांची, (हि. स.)। बागेश्वर धाम के आचार्य धीरेंद्र शास्त्री नवंबर में रांची आएंगे। झारखंड के संन्यासी बाबा सेवा समिति के अध्यक्ष राजीव कुमार ने कहा कि बाबा बागेश्वर धाम के आचार्य धीरेन्द्र शास्त्री का नवम्बर माह में रांची के प्रभात तारा मैदान में हनुमत कथा का आयोजन किया जाएगा। राजीव ने गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस कथा में अर्जी स्वीकार्य होने पर महाराज से लोग स्वयं समाधान ले सकेंगे। इस हनुमंत कथा के कार्यक्रम में जुड़ने और यजमान बनने के लिए सभी 9263854901/02/03/ 04/05 से सम्पर्क किया जा सकता है। प्रेस कांफ्रेंस में मुख्य रूप से समिति के उपाध्यक्ष अभिषेक मिश्रा, सचिव भवानी कुमार, कोषाध्यक्ष नंदकिशोर, शंकर तिवारी, सूरज कुमार, संदीप दुबे, दीवाकर कुमार, रोहित मिश्रा, धीरज कुमार, संदीप मिश्रा भैरव सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

मां विषहरी की पूजा अर्चना के साथ श्रद्धालुओं ने चढ़ाया डलिया

भागलपुर, (हि.स.)। भागलपुर जिले में विषहरी पूजा गुरुवार को धूमधाम से की गई। अंग प्रदेश की लोक गाथा पर आधारित श्रद्धालुओं ने विषहरी मां को डलिया चढ़ाया। भागलपुर जिले में लगभग 129 से भी अधिक जगहों पर पूजा अर्चना की जाती है। भगवान शिव की मानस पुत्री और महादेव के गले में हार वासुकी की बहन कहा जाता है। ये भगवान शिव की पुत्री कही जाती है। इसलिए विषहरी मां को मनसा देवी के नाम से जाना जाता है। विषहरी की पूजा बाएं हाथ से ही होती है। पांचों विषहरी बहन की पूजा के लिए प्रतीक के रूप में कलश पर पांचों की आकृति बनाई जाती है। इस दौरान भागलपुर जिले के आसपास क्षेत्रों के अलावे विशेष रूप से चंपा नगर में मामन से पूजा अर्चना धूमधाम से की जाती है। हजारों की संख्या में श्रद्धालु मनसा देवी को डलिया चढ़ाने के लिए दूर दराज से लोग आते हैं। इस दौरान यहां भव्य रूप से दो दिनों तक मेले का भी आयोजन होता है।

बिहार कांग्रेस की दिल्ली में होने वाली बैठक टली

पटना, (हि.स.)। आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व दिल्ली में सभी राज्य के नेताओं के साथ अलग-अलग बैठकें कर रहा है लेकिन बिहार कांग्रेस के नेताओं के साथ होने वाली बैठक को फिलहाल टाल दिया गया है। इसके पीछे की वजह राहुल गांधी का दिल्ली में नहीं रहना बताया जा रहा है। राजधानी दिल्ली में सीट शेयरिंग के फामूर्ले समेत राजनीतिक गतिविधियों पर बातचीत करने के लिए बिहार से प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर अखिलेश सिंह, सीएलपी लीडर शकील अहमद खान समेत सभी पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, पूर्व केंद्रीय मंत्री और अन्य सीनियर नेताओं को दिल्ली बुलाया गया था लेकिन यह बैठक टल गई है। बताया गया है कि हिमाचल प्रदेश की आपदा को लेकर राहुल गांधी गुरुवार को वहां जा रहे हैं। इसलिए बिहार कांग्रेस की बैठक स्थगित की जाती है। दूसरी तरफ इस बात की भी चर्चा तेज है कि बिहार कांग्रेस प्रभारी भक्त चरण दास और प्रदेश अध्यक्ष डॉ अखिलेश सिंह ने बिहार कमेटी के सदस्यों का नाम अलग-अलग दिए हैं, जिस कारण मामला फंसा हुआ है। हकीकत यह है कि कमेटी के गठन को लेकर प्रभारी भक्त चरण दास और प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर अखिलेश सिंह में अभी भी तनातनी कायम है। कमेटी के नाम पर एक साथ सहमत नहीं होने से बैठक में विवाद उत्पन्न हो सकता था। यह देखते हुए बिहार कांग्रेस की बैठक फिलहाल स्थगित कर दी गई है। इधर, कहा जा रहा है कि कांग्रेस आलाकमान पहले दोनों नेताओं को आपस में बैठकर कमेटी के नेताओं पर सहमति बनाने को कहेगा। फिर बिहार कांग्रेस की बैठक होगी। बिहार कांग्रेस के नेताओं ने कहा कि बिहार कांग्रेस की बैठक स्थगित होने की सूचना मिली है। अब बैठक कब होगी यह नहीं बताया गया लेकिन जल्द ही इसकी बैठक की तारीख जारी की जाएगी।

हत्यारोपितों की गिरफ्तारी के लिए डीजीपी से मिला भाजपा का प्रतिनिधिमंडल, सौंपा ज्ञापन

रांची, (हि.स.)। चतरा सांसद सुनील कुमार सिंह के नेतृत्व में प्रदेश भाजपा का प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अजय कुमार सिंह से पुलिस मुख्यालय में मिला। प्रतिनिधिमंडल ने भाजपा नेता राजेंद्र साहू के हत्यारों को जल्द पकड़ने की मांग की। राज्य में बढ़ते अपराध पर अविलंब रोक लगाने की भी अपील की। उन्हें इस संबंध में एक ज्ञापन भी सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में विधायक नवीन जायसवाल, समरी लाल, पूर्व विधायक और प्रदेश उपाध्यक्ष गंगोत्री कुजूर, मुनेश्वर साहू (प्रदेश मंत्री), शिवपूजन पाठक (प्रदेश मीडिया प्रभारी), प्रतुल शाहदेव (प्रवक्ता), योगेंद्र प्रताप सिंह (प्रदेश सह मीडिया प्रभारी), जनार्दन पासवान और प्रकाश राम (पूर्व विधायक) तथा सुनील साहू (जिला महामंत्री) भी शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि अपराधियों के द्वारा राजनीतिक, सामाजिक कार्यकताओं को आए दिन निशाना बनाया जा रहा है। भाजपा नेता, कार्यकर्ता अपराधियों की हिट लिस्ट में हैं। अब तो अपराधी जेल से ही रंगदारी वसूल रहे और जान से मारने की धमकी दे रहे। अब सत्ताधारी दल के विधायक भी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। नेताओं ने कहा कि विगत डेढ़ दो महीनों का रिकॉर्ड देखा जाय तो 12 जुलाई को टुंडी में आरएसएस कार्यकर्ता शंकर प्रसाद की हत्या, 23 जुलाई को खूंटी में किसान चमरा मुंडा की हत्या, 27 जुलाई को भाकपा नेता सुभाष मुंडा की हत्या, 28 जुलाई को वासुकीनाथ में अमरनाथ की हत्या, एक अगस्त को झरिया में धनंजय यादव की हत्या, छह अगस्त को भुरकुंडा में होटल संचालक रोशन साव की हत्या, 11 अगस्त को राजधानी रांची से सटे चिरौंदी में जूस दुकान संचालक मुकेश साव और रोहन साव की हत्या जैसे वारदात राज्य में अपराधियों की निडरता बता रहे है। इसके अलावा 12 अगस्त को भाजपा नेता राजेंद्र साहू की हत्या से पूरा पलामू प्रमंडल दहशत में है। छोटे-छोटे व्यवसाय चलाने वाले भी भयभीत हैं। अपराधियों का पुलिस की गिरफ्त से बाहर होना, अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं होना राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन की मंशा पर प्रश्न चिन्ह खड़ा कर रहा है। प्रतिनिधिमंडल ने डीजीपी से अनुरोध किया कि पुलिस राजेंद्र साहू, मुकेश साव, रोहन साव सहित सभी के हत्यारों को अविलंब गिरफ्तार करे। साथ ही राज्य को अपराध मुक्त बनाने की दिशा में राजनीतिक दबाव से ऊपर उठकर पुलिस प्रशासन कार्य करे।

कांग्रेस विधायक ने प्रदेश प्रभारी भक्त चरण दास के खिलाफ खोला मोर्चा

पटना, (हि.स.)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विपक्षी एकता को मजबूत करने की कोशिश पर उनके ही राज्य में पानी फिरता नजर आ रहा है। विपक्षी गठबंधन इंडिया में शामिल कांग्रेस की एक महिला विधायक ने गुरुवार को बिहार कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी भक्त चरण दास पर गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रतिमा दास ने कहा है कि भक्त चरण दास बिहार में संगठन को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। हमलोग विपरीत परिस्थितियों में चुनाव जीतकर आने वाले जनप्रतिनिधि हैं। इसलिए एक बार तो हम जैसे विधायक से भी पूछना चाहिए कि प्रदेश कमेटी में कौन ठीक रहेगा, कौन नहीं। विधायक का कहना है कि कांग्रेस संगठन में 33 फीसदी महिलाओं को जगह मिलती है। यह कांग्रेस के बायलॉज में है। बिहार कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी भक्त चरण दास महिलाओं के हक की अनदेखी करते हैं। महिलाओं के साथ भेदभाव की रणनीति अपनाते हैं। बिहार में कांग्रेस की दो महिला विधायक हैं। इनके साथ कभी कोई मीटिंग नहीं करते हैं। प्रतिमा दास ने कहा कि कांग्रेस आलाकमान ने बिहार प्रदेश प्रभारी को यह आदेश दिया था कि राज्य के जितने विधायक, विधान पार्षद और संगठन के सभी लोगों से मुलाकात करनी है लेकिन यह उनके जो खास लोग हैं उन्हीं को निमंत्रण दिया गया है लेकिन मुझे कोई सूचना प्राप्त ही नहीं हुई थी। प्रभारी से पूछने पर उन्होंने इस संबंध में कुछ भी नहीं बताया। विधायक ने कहा कि वह आलाकमान से इस मामले में शिकायत करेंगी। साथ ही उन्होंने भक्त चरण दास को पार्टी से निकालने की अपील आलाकमान से करते हुए कहा कि यदि ऐसा नहीं हुआ तो पार्टी का आने वाले समय में बड़ा नुकसान सहना होगा।

प्रेमी पति के घर गई प्रेमिका को मारपीट फेंका, डायल-112 ने पहुंचाया अस्पताल

बेगूसराय, (हि.स.)। इमरजेंसी सेवा डायल-112 की टीम ने गुरुवार की सुबह छौड़ाही सहायक थाना क्षेत्र के शेखाटोल के समीप से बेहोशी की हालत में एक नवयुवती को बरामद किया गया है। डायल-112 की टीम उसे छौड़ाही पीएचसी ले गई, जहां से सदर अस्पताल भेज दिया गया है। युवती की पहचान छौड़ाही सहायक थाना क्षेत्र के परोड़ा निवासी जगन्नाथ सहनी की पुत्री शांति कुमारी के रूप में की गई है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि गुरुवार की सुबह शेखाटोल के लोग जब मार्निंग वॉक के लिए जा रहे थे तो इरफान मुर्गा फार्म के समीप उसे बेहोश पड़ा देखा। इसके बाद स्थानीय लोगों ने 112 पर फोन कर सूचना दी।

उक्त युवती का कहना है कि एकंबा पंचायत के सरपंच के पुत्र दीपक कुमार (शेखाटोल निवासी) के साथ उसका लंबे समय से प्रेम संबंध चल रहा है। तीन मई को उसने अपने प्रेमी दीपक के साथ चुपके से शादी कर लिया। इसके बाद अपने मायके में रह रही थी। लेकिन दीपक से लगातार उसके संपर्क था। इसी बीच प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रहे दीपक का चयन 13 मई को उत्पाद पुलिस में सिपाही के पद पर हो गया। जिसके बाद उसने दूरी बनानी शुरू कर दी। बुधवार की देर शाम वह अपने मायके से दीपक के घर पर शेखाटोल गई तो दीपक के परिजनों ने मोबाइल छीन लिया तथा रात में मारपीट करते हुए उसे मुर्गा फार्म के पास छोड़ दिया। जहां से पुलिस द्वारा उठाकर अस्पताल लाया गया है।

संपादकीय

‘विकसित राष्ट्र’ का सपना

प्रधानमंत्री मोदी ने लालकिले की प्राचीर से, देश को संबोधित करते हुए, दो महत्त्वपूर्ण लक्ष्य तय किए और उनकी घोषणा की। एक, आजादी के 100 साल बाद 2047 में भारत ‘विकसित राष्ट्र’ होगा। दूसरा, आगामी 5 साल में जो फैसले लिए जाएंगे और काम किए जाएंगे, उनका असर 1000 साल तक रहेगा। लक्ष्यों के मद्देनजर प्रधानमंत्री ने देश की जनता से मदद मांगी और आशीर्वाद चाहा। वोट मांगने की थोड़ी-सी कसर रह गई। यह विशुद्ध रूप से राजनीतिक आह्वान है। जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी सरीखे प्रधानमंत्रियों ने लालकिले का इस्तेमाल राजनीतिक मंच के तौर पर नहीं किया। आश्चर्यजनक यह भी रहा, जब प्रधानमंत्री मोदी ने दावा किया कि 2024 में वह फिर आएंगे और लालकिले से अपनी उपलब्धियां गिनाएंगे। ऐतिहासिक लालकिला और 15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस ‘राष्ट्रीय पर्व’ के प्रतीक हैं। वहां से प्रधानमंत्री का राष्ट्रीय संबोधन ‘राजनीतिक’ नहीं होना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने पहले लक्ष्य की अवधि 24 साल तय की है। क्या इतने समय तक उनसे या उनके उत्तराधिकारी प्रधानमंत्रियों से देश कोई सवाल न करे? दूसरा लक्ष्य वर्ष 3023 का है। क्या तब तक की दुनिया और वैश्विक समीकरणों की कल्पना की जा सकती है? भारत में पंचवर्षीय योजनाओं का चलन रहा है। उसके बाद प्रधानमंत्री, कैबिनेट और संबंधित विशेषज्ञ समीक्षा करते हैं कि योजनाओं के हासिल क्या रहे? अथवा लक्ष्य पिछड़ गए हैं, तो उनके कारण और समाधान क्या हो सकते हैं? प्रधानमंत्री का 3023 का लक्ष्य और एजेंडा अर्थपूर्ण नहीं लगता। उसकी जवाबदेही और जिम्मेदारी किसकी होगी? बेशक 2047 का लक्ष्य भी ‘सपनीला’ लगता है, क्योंकि विश्व बैंक ने भारत को फिलहाल ‘निम्न मध्यम आय’ वाली श्रेणी में रखा है, क्योंकि हमारी प्रति व्यक्ति राष्ट्रीय आय वैश्विक स्तर पर बहुत कम है। ‘विकसित राष्ट्र’ बनने के मायने ये हैं कि प्रत्येक व्यक्ति, नागरिक को ‘आर्थिक अवसर’ जरूर मिलने चाहिए। यकीनन हमारी 30 साल की उम्र से कम वाली आबादी विश्व में सर्वाधिक है। वह हमारी ताकत भी है। वह ताकत ‘विकसित अर्थव्यवस्था’ तब पैदा कर सकती है, जब बेरोजगारी के मुद्दे को गंभीरता से संबोधित किया जाए। भारत में बेरोजगारी एक चिंतित सरोकार है और इसकी राष्ट्रीय दर करीब 8 फीसदी है। राज्यों में तो बहुत ही बुरे हालात हैं। सरकारी भर्तियों के लिए परीक्षाएं ही टलती रहती हैं। यदि चयन भी हो गया, तो नियुक्ति-पत्र और ज्वाइनिंग को लटका दिया जाता है। आजकल जो नियुक्ति-पत्र बांटे जा रहे हैं, वे ‘ऊंट के मुंह में जीरा’ समान हैं। हजारों कर्मचारी सडक़ों पर धरना-प्रदर्शन करते हुए दिखते हैं, क्योंकि उनके वेतन के भुगतान ही अधर में लटके रहते हैं। ऐसा भारत 2047 या उसके बाद भी ‘विकसित’ कैसे बन सकता है? कमोबेश प्रधानमंत्री मौजूदा व्यवस्था की विसंगतियों को तो संबोधित करें। भारत में महिला श्रम-बल की भागीदारी दर 2022 में करीब 24 फीसदी थी, जबकि यह वैश्विक औसत करीब 47 फीसदी है। प्रधानमंत्री ने लालकिले से घोषणा की है कि वह 2 करोड़ महिलाओं को ‘लखपति’ बनाएंगे और ग्रामीण स्व सहायता समूहों को ताकतवर बनाएंगे। यह तो किसी भी विकसित राष्ट्र की बुनियाद है, जिसे अभी बनाने की घोषणा की गई है। हम न तो निराशावादी हैं और न ही प्रधानमंत्री के लक्ष्यों पर सशंकित हैं, लेकिन खोखली बुनियाद देखकर चिंतित हैं, लिहाजा सवाल कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने ‘विश्वकर्मा योजना’ की भी घोषणा की है। जो शिल्पकार, मिस्त्री, स्वर्णकार आदि हाथ और औजार से काम करते हैं, उनकी मदद इस योजना के तहत की जाएगी। क्या वे देश की मौजूदा योजनाओं में कवर नहीं थे? क्या मुद्रा ऋण उन्हें उपलब्ध नहीं था? ऐसे ही कुछ सवाल घर के लिए बैंक ऋण को लेकर हैं। सिर्फ ब्याज में कुछ छूट देने से कुछ हासिल नहीं होगा। सरकार बैंकों पर दबाव बनाए कि 60 साल से ऊपर के नागरिक को भी कर्ज दें और आसान किस्तें तय करें।

वोट मांगने की थोड़ी-सी कसर रह गई। यह विशुद्ध रूप से राजनीतिक आह्वान है। जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी सरीखे प्रधानमंत्रियों ने लालकिले का इस्तेमाल राजनीतिक मंच के तौर पर नहीं किया। आश्चर्यजनक यह भी रहा, जब प्रधानमंत्री मोदी ने दावा किया कि 2024 में वह फिर आएंगे और लालकिले से अपनी उपलब्धियां गिनाएंगे। ऐतिहासिक लालकिला और 15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस ‘राष्ट्रीय पर्व’ के प्रतीक हैं। वहां से प्रधानमंत्री का राष्ट्रीय संबोधन ‘राजनीतिक’ नहीं होना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने पहले लक्ष्य की अवधि 24 साल तय की है। क्या इतने समय तक उनसे या उनके उत्तराधिकारी प्रधानमंत्रियों से देश कोई सवाल न करे? दूसरा लक्ष्य वर्ष 3023 का है। क्या तब तक की दुनिया और वैश्विक समीकरणों की कल्पना की जा सकती है? भारत में पंचवर्षीय योजनाओं का चलन रहा है। उसके बाद प्रधानमंत्री, कैबिनेट और संबंधित विशेषज्ञ समीक्षा करते हैं कि योजनाओं के हासिल क्या रहे? अथवा लक्ष्य पिछड़ गए हैं, तो उनके कारण और समाधान क्या हो सकते हैं? प्रधानमंत्री का 3023 का लक्ष्य और एजेंडा अर्थपूर्ण नहीं लगता। उसकी जवाबदेही और जिम्मेदारी किसकी होगी? बेशक 2047 का लक्ष्य भी ‘सपनीला’ लगता है, क्योंकि विश्व बैंक ने भारत को फिलहाल ‘निम्न मध्यम आय’ वाली श्रेणी में रखा है, क्योंकि हमारी प्रति व्यक्ति राष्ट्रीय आय वैश्विक स्तर पर बहुत कम है।

कुछ अलग

ताबूत में क्यों बरसी बरसात

हुआ क्या हिमाचल तेरे साथ, बारिश या तू खुद ही ढहने लगा! इस साल बरसात का रुख पहाड़ों के अमन-चैन को पछाड़ कर, हिमाचल को कुछ संताप, कुछ पश्चाताप करा रहा है। चीखें हजारों निकल रही हैं इस मलबे से, यहीं कहीं कोई अपना भी इस ढेर में है। जिस प्रदेश में दो हजार के करीब इमारतें ढेर हो चुकी हों, जहां पांच सौ सडक़ें नाकारा और बदहाल हो चुकी हों, जहां हर सन्नाटे में मौत की खबर हो या जहां हर पांव उठने से पहले घायल होने की अवस्था से डर रहा हो, वहां इस त्रासदी का हर कोई वारिस है। इससे पहले भी हिमाचल मौसम की हर प्रतिकूलता से लड़ता आया है, लेकिन पहली बार ताबूत में बरस रही बारिश की हर सूचना में खून खराबा है। जैसे प्रकृति बदला ले रही हो या आज की पीढ़ी के गुनाह सामने आ रहे हैं। कहानियां मंदिर की टूटी घंटियां बता रही हैं, तो सारा शिमला जैसे कब्रिस्तान पर खड़ा हो। जिस शान से हम फोरलेन पर उतरे थे, वहां इतने मरघट जमीन पर उतर आए। यह नक्शा प्रगतिशील हिमाचल का तो नहीं, ऐसे राज्य का जरूर है जिसने बहुत कुछ नजरअंदाज किया है। बेशक प्रगति के नक्शे बनाए और विकास के शिलालेख भी लिखे, लेकिन विडंबना यह कि भविष्य के प्रति जवाबदेही तय नहीं की। हम या तो केंद्रीय बजट में मदहोश रहे या हिमाचल का बजट बनाते किसी न किसी हेरफेर में रहे। आश्चर्य यह कि सारे हिमाचल का मानचित्र कभी पूरा नहीं किया, लेकिन हर विधायक और यहां तक कि मंत्री से मुख्यमंत्रियों तक ने अपने-अपने चुनाव क्षेत्र के नक्शों पर ही हमेशा गौर किया। पिछले तीन दशकों में नवनिर्माण की तीव्रता ही नहीं, बल्कि इस अफरा-तफरी के आलम में हम भूल गए कि पहाड़ कभी मैदान सरीखा नहीं हो सकता। हमने पिछले चालीस सालों में आत्मचिंतन या विश्लेषण करके यह नहीं सोचा कि जिस खेत में कंक्रीट उगा रहे हैं या जिस जल की निकासी रोक रहे हैं, वह कभी तो लौट के आएगा। हमने अतिक्रमण को आपसी भाईचारे की शक्ल देकर, आंगन के करीब बहती कूहल का नामोनिशान मिटा दिया, तो खड्ड से केवल रेत-बजरी नहीं छीनी, बल्कि इसके किनारों को निर्माण के लिए हथिया लिया। सोलन के करीब भवन गिरते रहे, लेकिन इन मकबरों से भी हमने विकास की ईंटें खोज लीं। यह इसलिए भी कि सबसे पहले यहां टीसीपी एक्ट के दांत तोड़े और फिर इसे मारकर वेंटिलेटर पर चढ़ा दिया गया। क्या प्रदेश की राजधानी सुनियोजित है। क्या न्यू शिमला में टीसीपी एक्ट की तमाम शर्तें लागू हैं। क्या शिमला की ग्रीन बेल्ट को बचाने टीसीपी कानून कभी आगे आया। हमने तो यह भी नहीं सोचा कि पहाड़ में कितने बांध बनाए जाएं। बड़ी बांध परियोजनाएं अब गुर्राती हैं, तो हम बीबीएमबी की अरदास बन जाते हैं। डर लगता है जब पंडोह डैम के गेट खुलते हैं और अब जबकि पौंग बांध के बूते से पानी बाहर हो गया, तो खतरे के निशान से निकाला गया पानी कहीं हिमाचल के लिए खतरा बन रहा है। पूरी बल्ह घाटी में बादल नीचे उतर कर जमीन पर चल रहे हैं, तो शिमला के मंदिर में पकती रही खीर को मौसम ने टेढ़ी खीर से कहीं आगे जहर की खीर बना दिया। काश! हमारा विकास अंधा होकर पहाड़ को 90 डिग्री से न काट रहा होता।

भारत के नागरिकों एवं यूपीआई अपनाने वाले अन्य देशों के बीच रुपए का लेनदेन आसान हो जाएगा

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यूपीआई की बढ़ती स्वीकार्यता रुपए को और मजबूती प्रदान करेगी

प्रह्लाद सबनानी

भारतीय रिजर्व बैंक ने भारत आने वाले सभी यात्रियों को यूपीआई के माध्यम से भुगतान करने की सलाह दी है ताकि रुपए के उपयोग को बढ़ावा मिल सके। विभिन्न देशों के बीच विदेशी व्यापार के व्यवहारों का निपटान करने हेतु उत्पादों का आयात एवं निर्यात करने वाले देशों को आपस में स्वीकार्य मुद्रा की आवश्यकता होती है। प्राचीन काल में विदेशी व्यापार के व्यवहारों का निपटान स्वर्ण मुद्राओं में किया जाता था। वर्ष 1945 में ब्रेटन वुड्स नामक स्थान पर विभिन्न देशों द्वारा विदेशी व्यापार के व्यवहारों के निपटान हेतु उस समय की मजबूत मुद्रा ब्रिटिश स्टर्लिंग पौंड को स्वीकार किया गया था।

भारतीय यूनीफाईड पेमेंट इंटरफेस को कई देश अपनाने को तैयार हो गए हैं। भारत के पड़ोसी देश श्रीलंका ने भी अभी हाल ही में यूपीआई को अपना लिया है। पूर्व में, भारत और श्रीलंका की सरकारों के बीच इस सम्बंध में सहमति बन गई थी। फ्रांस, संयुक्त अरब अमीरात और सिंगापुर ने पहले ही भारतीय यूपीआई को अपना लिया है। इससे भारत के नागरिकों एवं यूपीआई अपनाने वाले अन्य देशों के बीच रुपए का लेनदेन आसान हो जाएगा। आम नागरिकों को इससे बहुत फायदा होगा क्योंकि रुपए को पहले अमेरिकी डॉलर में बदल कर फिर अन्य देशों की मुद्रा में परिवर्तन करने के अतिरिक्त खर्च से बचा जा सकेगा। भारतीय रिजर्व बैंक ने भारत आने वाले सभी यात्रियों को यूपीआई के माध्यम से भुगतान करने की सलाह दी है ताकि रुपए के उपयोग को बढ़ावा मिल सके। विभिन्न देशों के बीच विदेशी व्यापार के व्यवहारों का निपटान करने हेतु उत्पादों का आयात एवं निर्यात करने वाले देशों को आपस में स्वीकार्य मुद्रा की आवश्यकता होती है। प्राचीन काल में विदेशी व्यापार के व्यवहारों का निपटान स्वर्ण मुद्राओं में किया जाता था। वर्ष 1945 में ब्रेटन वुड्स नामक स्थान पर विभिन्न देशों द्वारा विदेशी व्यापार के व्यवहारों के निपटान हेतु उस समय की मजबूत मुद्रा ब्रिटिश स्टर्लिंग पौंड को स्वीकार किया गया था। परंतु, कालांतर में अमेरिकी अर्थव्यवस्था के पूरे विश्व में सबसे तेज गति से आर्थिक विकास करने वाली अर्थव्यवस्था बनने के चलते अमेरिकी डॉलर ने ब्रिटिश स्टर्लिंग पौंड का स्थान ले लिया है, जो आज भी जारी है। आज भी अमेरिकी डॉलर पूरे विश्व में एक मजबूत मुद्रा बना हुआ है और विशेष रूप से कोरोना महामारी एवं रूस यूक्रेन युद्ध के बाद से अमेरिकी डॉलर की कीमत अन्य देशों की मुद्रा की कीमत की तुलना में अंतरराष्ट्रीय बाजार में बहुत तेजी से बढ़ती जा रही है। एक अमेरिकी डॉलर आज 82 रुपए का हो गया है। दरअसल अमेरिकी डॉलर की मांग अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाल ही के समय में बहुत बढ़ी है। एक तो, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बहुत तेज गति से बढ़ी हैं, प्रायः समस्त देश अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की खरीद का भुगतान अमेरिकी डॉलर में ही करते हैं जिसके कारण अमेरिकी डॉलर की मांग भी बढ़ी है और जिसके चलते अमेरिकी डॉलर की कीमत में भी वृद्धि दर्ज हुई है। दूसरे, अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों में मुद्रा स्फीति की दर 10 प्रतिशत के आसपास (अमेरिका में 9.1 प्रतिशत) पहुंच गई थी, जो कि इन देशों में पिछले 40-50 वर्षों में सबसे अधिक महंगाई की दर है। महंगाई पर नियंत्रण करने के उद्देश्य से इन देशों द्वारा ब्याज दरों में लगातार वृद्धि की जा रही है, जिसके कारण इन देशों द्वारा जारी किए जाने वाले बांड्स पर प्रतिफल बहुत आकर्षित हो रहे है एवं विदेशी निवेशक विकासशील देशों से अपना निवेश निकालकर

अमेरिकी बांड्स में अपना निवेश बढ़ाते जा रहे हैं। जिन विकासशील देशों से डॉलर का निवेश निकाला जा रहा है उन देशों के विदेशी मुद्रा के भंडार कम होते जा रहे हैं जिससे उनकी अपनी मुद्रा पर दबाव आ रहा है और डॉलर की स्थिति लगातार मजबूत होती जा रही है। जापान येन का अमेरिकी डॉलर की तुलना में 22 प्रतिशत अवमूल्यन हुआ है, ब्रिटिश पाउंड का 20 प्रतिशत अवमूल्यन हुआ है, यूरो का 15 प्रतिशत अवमूल्यन हुआ है, दक्षिण कोरिया की मुद्रा का 15 प्रतिशत अवमूल्यन हुआ है, आस्ट्रेलिया की मुद्रा का 12 प्रतिशत अवमूल्यन हुआ है वहीं चीनी यूआन एवं भारतीय रुपए का 10 प्रतिशत अवमूल्यन हुआ है। चूंकि अन्य देशों की मुद्राओं का भारतीय रुपए की तुलना में अधिक अवमूल्यन हुआ है अतः भारतीय रुपए की कीमत इन अन्य देशों की मुद्राओं की तुलना में बढ़ गई है। कई विकसित देशों एवं एशिया के कई देशों की मुद्राओं की तुलना में भारतीय रुपए का अमेरिकी डॉलर की तुलना में कम अवमूल्यन होने के कारणों में मुख्य रूप से शामिल हैं- भारतीय अर्थव्यवस्था का लगातार मजबूत रहना और देश में आर्थिक विकास की गति का तेज होना। हाल ही के समय में भारत से निर्यात भी तेज गति से बढ़ रहे हैं जिसके चलते अमेरिकी डॉलर की भारत में आवक बढ़ी है। दूसरे, भारत में विदेशी निवेश भी लगातार बढ़ता जा रहा है जोकि सामान्यतः अमेरिकी डॉलर में ही होता है। इसके चलते भारत के पास पर्याप्त मात्रा में विदेशी मुद्रा का भंडार मौजूद है। वैश्विक स्तर पर अमेरिकी डॉलर का लगातार इस प्रकार मजबूत होते जाना एवं अन्य देशों की मुद्रा की कीमत गिरते जाना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अन्य देशों के लिए ठीक नहीं है। क्योंकि, जैसे यदि भारत का ही उदाहरण लें, भारतीय रुपए की कीमत लगातार अमेरिकी डॉलर की तुलना में गिरते जाने के मायने यह हैं कि भारत द्वारा आयात की जाने वाली वस्तुओं का महंगा होते जाना एवं भारत द्वारा अधिक अमेरिकी डॉलर का भुगतान किया जाना। इसके परिणामस्वरूप भारत में भी मुद्रा स्फीति की दर में वृद्धि हो रही है एवं इसे आयातित महंगाई भी कहा जाता है। इस प्रकार भारत सहित विश्व के अन्य देशों की विदेशी व्यापार करने पर अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता बढ़ गई है। हालांकि विश्व के समस्त देश वैश्विक स्तर पर विदेशी व्यापार करने के लिए विदेशी मुद्रा, जैसे डॉलर, यूरो, येन, पाउंड आदि का उपयोग करते रहे हैं और अब चीन की मुद्रा युआन का इस्तेमाल भी किया जाने लगा है। परंतु, अमेरिकी डॉलर अभी भी विदेशी व्यापार के लिए सबसे प्रभावी मुद्रा बना हुआ है और इसीलिए पूरी दुनिया में अमेरिका की बादशाहत भी बरकरार है। परंतु, अब विदेशी व्यापार में अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में भारतीय रुपए को विदेशी व्यापार में भुगतान के माध्यम के रूप में स्वीकार्यता प्रदान की है। विशेष रूप से रूस एवं यूक्रेन के बीच छिड़े युद्ध के बाद रूस और इसके पूर्व ईरान पर लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों के चलते भारत को इन देशों से कच्चे तेल के आयात में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इसलिए इन देशों द्वारा कच्चे तेल के भुगतान के रूप में भारतीय रुपए को स्वीकार करने पर अपनी सहमति दे दी गई थी। अतः अब न केवल रूस और ईरान बल्कि कई अन्य कई देशों- यथा श्रीलंका, बांग्लादेश एवं अरब राष्ट्र भी भारत से आयात और निर्यात करने पर भारतीय रुपए में भुगतान कर सकेंगे एवं भुगतान प्राप्त कर सकेंगे। इससे अमेरिकी डॉलर की मांग भारत के लिए कम होगी। इससे भारत की अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम हो जाएगी और रुपए की कीमत पर दबाव भी कम होगा। जो अंततः भारत में मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने में भी सहायक होगा। इससे भारत के साथ विदेशी व्यापार करने वाले देशों को भी लाभ होगा क्योंकि इन देशों द्वारा भारत से आयात की जाने वाली वस्तुओं का भुगतान भी भारतीय रुपए में ही किया जा सकेगा। अतः इन देशों की निर्भरता भी अमेरिकी डॉलर पर कम होगी और इन देशों को भारत से निर्यात और अधिक मात्रा में होने लगेंगे। अभी तक भारत की 18 देशों के साथ वोस्ट्रो खाता के माध्यम से व्यापार करने पर सहमति बन गई है, इन 18 देशों के 60 स्पेशल रुपया वोस्ट्रो खाते भारत में खोले जा चुके हैं। ये 18 देश हैं- बोत्सवाना, फिजी, जर्मनी, गुयाना, इजराईल, केन्या, मलेशिया, मारीशस, म्यांमार, न्यूजीलैंड, ओमान, रूस, सेशेल्स, सिंगापुर, श्रीलंका, तंजानिया, युगांडा और संयुक्त राज्य अमेरिका। 15 जुलाई 2023 को भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच भी विदेशी व्यापार का निपटान रुपए में करने हेतु समझौता सम्पन्न हुआ है। कुल मिलाकर, विश्व के 34 देशों ने भारत के साथ अपना विदेशी व्यापार भारतीय रुपए अथवा उन देशों की अपनी मुद्रा में करने की इच्छा व्यक्त की है। जबकि 64 अन्य देश, जिसमें इटली एवं जर्मनी जैसे विकसित देश भी शामिल हैं, इस सम्बंध में अपनी सकारात्मक सोच को आगे बढ़ा रहे हैं एवं भारत से उनकी चर्चा भी चल रही है।

अस्पताल मिलेंगे खाली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाना शुरू हुआ तो योग की चर्चा विश्व भर में तेजी से होने लगी। नई सरकार के नजरिये और योग के प्रचार-प्रसार का एक लाभ यह भी हुआ कि लोगों का ध्यान आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा की ओर भी गया और उनकी लोकप्रियता में भी इजाफा होने लगा। यही नहीं, खुद बहुत से डाक्टरों ने एलोपैथी की सीमाओं के बारे में बताना शुरू किया तो प्राकृतिक चिकित्सा पर फोकस कुछ और भी बना। इस सबके बावजूद फार्मास्युटिकल कंपनियों के प्रभाव, एलोपैथी सिस्टम के डाक्टरों की बड़ी संख्या और विश्व स्वास्थ्य संगठन की ताकत के कारण भारतवर्ष में अभी भी ऐलोपैथी का वर्चस्व है। एलोपैथी के वर्चस्व के कुछ और कारण भी हैं। पहला तो यह कि इसके लैबोरेट्री टैस्ट, एक्सरे और इसीजी, एमआरआई आदि कई तरह के स्कैन जिनकी सहायता से डाक्टरों के लिए रोग की वास्तविक स्थिति का पता लगाना बहुत आसान हो जाता है।

भारतीय दूरदर्शन पर सबसे पहले स्वामी धीरेंद्र ब्रह्मचारी ने योग सिखाना शुरू किया। कुंडलिनी योग सिखाने की प्रक्रिया में वे तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के योग गुरू बने और दूरदर्शन पर उनका नियमित कार्यक्रम आने लगा तो दुनिया ने उन्हें जाना। उनके पराभव के बाद सरकारी हलके में योग पर बातचीत थम सी गई। इस बीच बहुत से योगाचार्यों ने योग को जनमानस तक ले जाने के प्रयोग किए, पर दूरदर्शन के अपने कार्यक्रमों में कपालभाति का प्रदर्शन करके सबको मोह लेने वाले बाबा रामदेव सबसे आगे निकल गए और अब सभी योग गुरुओं में वे बेताज बादशाह हैं। उनकी प्रसिद्धि का आलम यह है कि उनकी कंपनी पतंजलि के उत्पाद उनके नाम पर बिकते हैं। श्रीश्री और सद्गुरू सरीखे अन्य संतों का भी बहुत प्रभाव है, पर योगाचार्य के रूप में बाबा रामदेव सबसे आगे हैं। आलोचना बाबा रामदेव की भी कम नहीं हुई। शुरू-शुरू में जब योग शिविर लगा करते थे तो कई लोग बाद में अस्पतालों में जाते थे क्योंकि योग शिविरों में उनकी शारीरिक अवस्था जानने की कोई व्यवस्था नहीं होती थी और सबको एक साथ कई तरह के योगासन करवाए जाते थे। इससे सचमुच कई नई परेशानियां पैदा हुईं और बहुत से डाक्टरों ने सोशल मीडिया पर योग शिविरों से होने वाले नुकसान के बारे में बोलना शुरू किया। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाना शुरू हुआ तो योग की चर्चा विश्व भर में तेजी से होने लगी। नई सरकार के नजरिये और योग के प्रचार-प्रसार का एक लाभ यह भी हुआ कि लोगों का ध्यान आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा की ओर भी गया और उनकी लोकप्रियता में भी इजाफा होने लगा। यही नहीं, खुद बहुत से डाक्टरों ने एलोपैथी की सीमाओं के बारे में बताना शुरू किया तो प्राकृतिक चिकित्सा पर फोकस कुछ और भी बना। इस सबके बावजूद फार्मास्युटिकल कंपनियों के प्रभाव, एलोपैथी सिस्टम के डाक्टरों की बड़ी संख्या और विश्व स्वास्थ्य संगठन की ताकत के कारण भारतवर्ष में अभी भी ऐलोपैथी का वर्चस्व है। एलोपैथी के वर्चस्व के कुछ और कारण भी हैं। पहला तो यह कि इसके लैबोरेट्री टैस्ट, एक्सरे और इसीजी, एमआरआई आदि कई तरह के स्कैन जिनकी सहायता से डाक्टरों के लिए रोग की वास्तविक स्थिति का पता लगाना बहुत आसान हो जाता है। एलोपैथी की लोकप्रियता का दूसरा कारण है बुखार की अवस्था में रोगी के लिए फौरी राहत। तीसरा कारण यह है कि हृदय रोग, पथरी सहित विभिन्न आपरेशनों के लिए रोगी को एलोपैथी पर ही निर्भर होना पड़ता है। इसी तरह किसी दुर्घटना में घायल हुए लोगों के लिए, तथा एमरजेंसी मामलों के लिए एलोपैथी सिस्टम ही हमारे काम आता है। इन सब खूबियों के बावजूद एलोपैथी की सीमाओं को भी नकारा नहीं जा सकता। एलोपैथी में बहुत से रोगों को लाइफस्टाइल बीमारी बता कर रोगी को जीवन भर के लिए रोग का गुलाम बना दिया जाता है जबकि आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा तथा अन्य वैकल्पिक पद्धतियों में उनके सफल इलाज की संभावना है। यही कारण है कि लोग वैकल्पिक पद्धतियों के बारे में भी सचेत हो रहे हैं। इस सबके बावजूद तीन बड़ी अड़चनें हैं जिनसे दुनिया भर में रोगियों की संख्या बढ़ती जा रही है। पहली अड़चन तो यही है कि एलोपैथी में जिसे लाइफस्टाइल की बीमारी बताकर जीवन भर के लिए गुलाम बना लिया जाता है, उन दवाइयों से बीमारी दबती है, ठीक नहीं होती और कुछ सालों के बाद रोगी एक और नई बीमारी का शिकार हो जाता है, और फार्मास्युटिकल कंपनियों और डाक्टरों का हलवा-मांडा चलता रहता है। बीमारों और बीमारियों के लगातार बढ़ते जाने का दूसरा कारण यह है कि आधुनिकता के साथ-साथ हमारा खानपान बदल गया है और बर्गर, पिज्जा, नूडल्स और पैक्ड फूड जैसे अप्राकृतिक भोजन ने हमारी सेहत को बुरी तरह से प्रभावित किया है। सूरज की रोशनी से दूरी, व्यायाम की कमी और मोबाइल फोन तथा लैपटाप की व्यस्तता ने आग में घी का काम किया है। इन दो कारणों से तो हम परेशान हैं ही, एक बड़ा कारण, जिसकी ओर चिकित्सा विज्ञान का ध्यान नहीं जा रहा है, वह है गुस्सा, उदासी, अपमान, आत्मग्लानि, अकेलेपन की भावना आदि हानिकारक भावनाओं के कारण होने वाली बीमारियां। बचपन में अगर कभी किसी बच्चे को लगातार मां-बाप से, पड़ोसियों या रिश्तेदारों से, अपने हमउम्र साथियों से या अध्यापकों से लगातार अपमान मिले, मारपीट बर्दाश्त करनी पड़े और बच्चा कुछ न कर पाए, अपनी भावनाएं व्यक्त न कर पाए, तो गुस्से और अपमान की भावना अवचेतन मन में गहरे बैठ जाती है जो उसके वयस्क होने पर किसी न किसी बीमारी के रूप में सामने आती है। बड़ा हो जाने पर भी अगर किसी को अपने उच्चाधिकारियों से, सहकर्मियों से, परिवार से, जीवनसाथी से लगातार उपहास या अपमान का सामना करना पड़े, या वह व्यक्ति किसी भी कारण से अपने काम में असफल हो रहा हो, तो उससे उपजी कुंठा, बेचैनी, गुस्सा आदि उसके आत्मविश्वास को कम करते हैं, उसकी अपनी नजरों में उसकी इज्जत कम हो जाती है और ऐसा व्यक्ति निराशा में चिंताग्रस्त या अवसादग्रस्त हो जाता है और इन मानसिक विकारों के कारण भी अंततः कई बीमारियों का शिकार हो जाता है। समस्या ये है कि मानसिक विकारों से उपजी बीमारी का इलाज जब तक अवचेतन मन में ही नहीं होगा, रोग पूरी तरह से ठीक हो ही नहीं सकता।

देश दुनीया से

इन पहाड़ों को बचा लीजिए...

आप या आपके कोई अपने सुबह तडक़े नहा धो कर हाथ में जल का लोटा लिए ओउम नमः शिवाय का जाप करते किसी शिव मंदिर में जाकर अपनी किसी खुशी-मन्नत को पूरा होने पर जलाभिषेक या रुद्राभिषेक करने लगे और तभी भयंकर गर्जना के साथ कई पूजारत भक्तों के साथ पूरा मंदिर जमींदोज हो जाए, जलमग्न हो जाए...और पल भर में न मंदिर का और न लोगों का कहीं अतापता हो...यह सोच कर पूरा शरीर कांपने लग जाता है...। यही कुछ दो दिनों पूर्व सुबह सात बजे समरहिल शिमला स्थित शिव बांवड़ी मंदिर में हुआ है जो दिल दहलाने वाली शिमला की अब तक की भयावह घटना है। बालूगंज से नीचे उतरते हुए आप कालका-शिमला रेलवे लाइन को क्रॉस करके एक पगडंडी नुमा रास्ते से शिव बांवड़ी पहुंचते हैं। समरहिल चौक से यहां तक वाहन योग्य सडक़ भी है। इसी शिव बांवडी के साथ शिव मंदिर निर्मित था जहां समरहिल, बालूगंज और अन्य जगहों से दर्जनों लोग ऐन सुबह शिव दर्शन, पूजा और जलाभिषेक के लिए जाया करते थे। बताया जाता है कि जब भयंकर गर्जना के साथ उच्च अध्ययन संस्थान के नीचे से समरहिल सांकटी जाती दोनों सडक़ों के किनारे अचानक पानी का बवंडर उठा तो वह अपने साथ कई देवदार के विशाल पेड़ और पूरी पहाड़ी को बहाता शिव मंदिर को पूरी तरह रौंदता लगभग दो किलोमीटर नीचे तक चला गया। यह बादल फटने की घटना थी। लोग बताते हैं कि जमीन के नीचे से पानी किसी विस्फोटक की तरह निकला और मृत्युकाल नुमा नाले में तबदील हो गया। लगभग पच्चास लोग उस समय मंदिर में थे। मंदिर में लाउडस्पीकर की आवाज में कुछ सुनना संभव नहीं था और जो कुछ लोग यहां बचे भी वे पंक्तियों में भीतर जा रहे थे जिन्होंने भाग कर अपनी जानें बचाई। लेकिन मंदिर में पूजारत लोगों के लिए यह संभव न हो पाया और सभी जमींदोज हो गए। इनमें हिमाचल विश्वविद्यालयों के दो प्रोफेसरों और उनके परिजनों के साथ कई बच्चे व छात्र, मजदूर और स्थानीय श्रद्धालुओं ने अपनी जिंदगी गंवा दी। सात लोगों का एक भरा पूरा परिवार चला गया। दूसरे दिन मंदिर में भंडारा होना था जिसकी सुबह से ही तैयारियां चल रही थी। दो दिनों से मलबे में दबे लोगों को निकालने का कार्य चल रहा है। अब तक 20 लोगों के शव मिल चुके हैं और लोगों का कहना है कि इतने ही लोग अभी भी मलबे के नीचे दबे हुए हैं। मंदिर के ऊपर जो रेल पटरी थी वह कई मीटर झूले की तरह झूल रही है जिसके नीचे गहरी खाई बन चुकी है। उसी दिन शिमला के उप नगर फागली में भी पन्द्रह ढारे ढह गए जिनमें भी कुछ मौतें हो गई। पिछले कल लालपानी स्थित लगभग 28 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित आधुनिक स्लॉटर हाउस और उसके साथ के रिहायशी मकान देवदार के पेड़ों के साथ ढह गए। यह एक भयानक मंजर था। पिछले तीन चार दिनों में शिमला के कई स्थानों पर भूस्खलन हुए हैं, पेड़ गिरे हैं, कई मकान और सडक़ें ढही हैं जिससे जनजीवन पूरी तरह अवरुद्ध हो गया है। जीवन जैसे ठहर सा गया है। हर व्यक्ति डरा सहमा सा है। रास्तों में चलते डर लगने लगा है कि किस समय कहां लैंड स्लाइड हो जाए या पेड़ गिर जाए...? हम रात को उठ-उठ कर कई बार बाहर जाकर अपने मकानों का जायजा लेते रहते हैं। मकानों के ऊपर खड़े विशाल देवदार के पेड़ों को देखते हैं और इन देववृक्षों से जीवन देते रहने की प्रार्थानाएं करते हैं। बाबाओं और भक्तों ने मंदिर बनाना शुरू किया और देखते ही देखते विशाल मंदिर परिसर बन गया। शिमला के आसपास ऐसे अनेक मंदिर बन गए हैं जिनके प्रति घोर आस्थाओं ने तमाम नियम कायदे ईश्वर के हवाले कर दिए हैं और आमजन से लेकर सरकारों तक भक्ति में लीन सर झुकाती चली गई हैं। काश! यह भय प्रकृति की क्रूरता से भी लगने लगता...? हम जिन मंदिरों में जाकर अपने लिए बड़ी बड़ी मन्नतें मांगते नहीं थकते, काश! इन पेड़ों, जंगलों, पशु-पक्षियों और पानी पहाड़ के लिए भी दुआओं के साथ संकल्प किया करते कि हम इन्हें सुरक्षित रखेंगे, बचाएंगे...क्योंकि शायद मंदिर में भक्ति करने से ज्यादा आज जल, जंगल और जमीन बचाने की आवश्यकता है।

मंदिर में लाउडस्पीकर की आवाज में कुछ सुनना संभव नहीं था और जो कुछ लोग यहां बचे भी वे पंक्तियों में भीतर जा रहे थे जिन्होंने भाग कर अपनी जानें बचाई। लेकिन मंदिर में पूजारत लोगों के लिए यह संभव न हो पाया और सभी जमींदोज हो गए। इनमें हिमाचल विश्वविद्यालयों के दो प्रोफेसरों और उनके परिजनों के साथ कई बच्चे व छात्र, मजदूर और स्थानीय श्रद्धालुओं ने अपनी जिंदगी गंवा दी। सात लोगों का एक भरा पूरा परिवार चला गया। दूसरे दिन मंदिर में भंडारा होना था जिसकी सुबह से ही तैयारियां चल रही थी। दो दिनों से मलबे में दबे लोगों को निकालने का कार्य चल रहा है।

दृष्टिकोण

समझौतापरस्तों की बस्ती

जब से जिंदगी से रुखसत लेने का समय करीब आता जा रहा है, हम एक ही बात बार-बार सोचने लगे हैं, कि क्या हमारी इस धडन्नतख्ता जिंदगी और नामुकम्मल जिंदगी की नाकामयाबी के पीछे यह सच्चाई तो नहीं कि हम किसी भी क्षण जिंदगी के किसी भी आयाम में एक समझौतापरस्त टुकडख़ोर न बन सकें? जी हां, जीवन में कामयाब होने के यही दो अचूक मंत्र हैं। पहला तो यह कि सबसे अच्छा लड़ाकू वह जो अपने से तगड़े को देख कर समझौता कर उसकी चरणवंदना कर ले, और अपने से कमजोर के सामने एक ऐसे पहाड़ पर खड़े होने का नजारा पेश करे कि जिसके नीचे कोई सीढ़ी भी नहीं। ऐसे पहाड़ पर वह हमेशा अकेला खड़ा रहता है और अपनी कल्पना में एक ऐसी भीड़ को अपना अनुसरण करते देखता है, उन पर अनुग्रह के फूल बरसाता रहता है। आशीर्वाद की भाषा के चंदोने तानता है, लेकिन अगर उसके ढोल की पोल खोल कोई छीछालेदर करने वाला सामने आ जाए तो उसके मुखौटे का रंग बदल जाता है। वह विनम्रता की प्रतिमूर्ति बन जाता है और झुक-झुक कर उसे ऐसी कोर्निश बजाता है कि वह दूसरा भूतपूर्व पहाड़ भी उससे लज्जित होकर अपने अहम ब्रतास्मि को गलत अर्थ लगने लगता है। शब्द ‘कोर्निश’ का क्या अर्थ होता है, बन्धु। भाषा शून्य, बुद्धि वर्जित हमसे बार-बार पूछ लेते हैं। अब उनकी जिज्ञासा का समाधान हम कैसे करें? तब एक और शब्द ‘टुक्कडख़ोर’ कूद कर किसी मायूस खरगोश की तरह हमारे बीच आकर खड़ा हो जाता है। अपनी मासूमियत के पंजे रगड़ते हुए बता देता है कि बन्धु शेरों की दहाड़ का नहीं, जमाना खरगोशनुमा पुलकन का है, गिलहरी सी फुदकन का है। भूख और बेकारी चाहे कितनी बढ़ जाए, जर्द होते और मुरझाते फूल मुर्दा होती तितलियों के पंखों की तरह बार-बार चेतायें कि बेमौसमी बरसात के विदा होते बादलों के साथ आजकल इन्द्रधनुष नहीं खिलते। अकाल और बेकारी लौट-लौट कर तेरे दरवाजे पर दस्तक देती है और तू विकास दर के आंकड़ों की छलांग पर लौटती लहरों की बांसुरी बजाता है। इस बेसुरी होती दुनिया में संगीत की लहरों पर युग बदलने के क्रांतिनाद नहीं उभरते, टुक्कडख़ोरों की घिघियाहट पेश-पेश हो जाती है। सुनो अलविदा कह गयी तलाकशुदा भूतपूर्व प्रेमिका की तरह, मौत के हरकारे महामारी का नया मुखौटा पहन कर तेरी जिंदगी में लौट आये हैं। किसान अपनी फसलों के लिए एक निम्नतम मूल्य की गारंटी की आस लिए फरियाद करते हैं और उधर अपने दया और हमदर्दी के नये पहाड़ से एक और मसीहा से फरमा दिया, जो तेरा दर्द वह मेरा दर्द। देश मेरे कर रहित बजटों की ओर देखो, इसमें उन स्कूलों के खुलने की चिन्ता है जो महामारी के भय से फिर बंद कर दिये गए थे। इन बेकार हाथों को फिर से काम देने की चिन्ता है जिन्होंने अपने इलाकों को बेगाने इलाके से अलग कोष्ठकों में फिर बंद कर देने का प्रयास किया है। न्यायाधीश कहते हैं, अजी इन कोष्ठकों पर फिर से विचार कर लो, अपने इलाके के पचहत्तर प्रतिशत लोगों को इसमें बंद कर दोगे, तो केवल पच्चीस प्रतिशत को खुला छोड़ पूरे देश को डिजीटल कैसे बनाओगे? मंगल ग्रह पर पहुंच कर नये ख्वाबों की बस्ती कैसे बसाओगे? लेकिन बन्धु, मंगल ग्रह तक जाने की आवश्यकता क्या है? वहां अपनी धरती जैसा जीवन है या नहीं, इसकी खोज करने चले हो। अरे पहले अपनी धरती के मरते-जीते लोगों को नयी सांसें तो बख्श दो। तब होगा एक टुक्कडख़ोर संस्कृति का जन्म। इसी संस्कृति से जीने का नया संदेश मिलेगा। धनी की महिमामयी मेज से गिरते हुए फल मिठाई के उच्छिष्ठ शिरोधार्य करने का संदेश। पीठ थपथपाने से बड़ा अनुग्रह कोई और नहीं होता, बन्धु। चारण हो जाने से बड़ी सुरक्षा और कोई नहीं। आओ नये उभरते इन शक्ति स्तम्भों का झांझ कर ताल बजा कर स्वागत करें कि ‘प्रभो तुम ही बचाओगे हमें इन दुर्दिनों से।’ जब से जिंदगी से रुखसत लेने का समय करीब आता जा रहा है, हम एक ही बात बार-बार सोचने लगे हैं, कि क्या हमारी इस धडन्नतख्ता जिंदगी और नामुकम्मल जिंदगी की नाकामयाबी के पीछे यह सच्चाई तो नहीं कि हम किसी भी क्षण जिंदगी के किसी भी आयाम में एक समझौतापरस्त टुकडख़ोर न बन सकें।

मिस यूनिवर्स इंडोनेशिया 2023 कंट्रोवर्सी : सेक्शुअल हैरेसमेंट के आरोपों के बाद इंडोनेशिया बाहर, मलेशिया में भी नहीं होंगे इवेंट्स

जकार्ता/कुआलालम्पुर।

मिस यूनिवर्स 2023 के ऑर्गनाइजर्स ने इंडोनेशिया को इस कॉम्पटीशन से बाहर कर दिया है। यह फैसला पिछले दिनों हुए सेक्स स्कैंडल के बाद लिया गया है। दरअसल, मिस यूनिवर्स पीजेंट में इंडोनेशिया को रिप्रेजेंट करने के लिए जकार्ता में एक इवेंट ऑर्गनाइज किया गया था। इसमें हिस्सा लेने वाली 6 लड़कियों ने ऑर्गनाइजर्स पर आरोप लगाया था कि उन्हें एक अलग कमरे में 20 लोगों के सामने टॉपलेस होने को कहा गया था।

इंडोनेशिया की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम मामले की जांच कर रही है। इसके अलावा मिस यूनिवर्स ऑर्गनाइजर्स ने मलेशिया में होने वाले तमाम इवेंट्स भी अब कैंसिल कर दिए हैं। मिस यूनिवर्स ब्यूटी कॉन्टेस्ट को एक अमेरिकी ऑर्गनाइजेशन होस्ट करता है। यह ऑर्गनाइजेशन इवेंट में हिस्सा लेने वाले देशों में लोकल कंपनियों को फ्रेंचाइजी देता है। इंडोनेशिया में फ्रेंचाइजी पीटी केपेला स्वास्तिका कार्या कंपनी को दी गई थी। इसके डायरेक्टर मीडिया टायकून पॉपी केपेला हैं। मिस यूनिवर्स ऑर्गनाइजर्स ने इस कंपनी और इसके डायरेक्टर से फ्रेंचाइजी वापस लेते हुए उसे बैन कर दिया है। ऑर्गनाइजर्स ने कहा- इंडोनेशिया में लोकल लेवल पर हुए इवेंट में लड़कियों के साथ जो कुछ हुआ, वो बेहद गलत है। ये साफ हो गया कि वहां की फ्रेंचाइजी हमारे उसूलों और कसौटी पर खरी नहीं उतरी। लिहाजा, हम उससे हर तरह के रिलेशन खत्म कर रहे हैं। ऑर्गनाइजर्स ने आगे कहा- मलेशिया में होने वाले तमाम इवेंट्स इसलिए कैंसिल किए गए हैं, क्योंकि जो कंपनी इंडोनेशिया में इन्हें होस्ट कर रही थी, वही मलेशिया में भी हमारी फ्रेंचाइजी थी। हालांकि, मिस यूनिवर्स इंडोनेशिया को साल के आखिर में अल साल्वाडोर में होने वाले इवेंट में हिस्सा लेने से नहीं रोका जाएगा। इसका मतलब ये है कि मिस यूनिवर्स इंडोनेशिया फैबिएन निकोल ग्रोएनवेल्ड मिस यूनिवर्स 2023 में शिरकत कर सकेंगी।

लड़कियों को टॉपलेस किया था

मिस यूनिवर्स इंडोनेशिया कॉम्पिटिशन जकार्ता में 29 जुलाई से 3 अगस्त के बीच कराया गया था। इसमें हिस्सा लेने वाली 6 लड़कियों का आरोप है कि उन्हें एक अलग कमरे में ले जाया गया और वहां 20 लोगों के सामने टॉपलेस होने को कहा गया। उनके फोटो लिए गए और वीडियो बनाए गए। विक्टिम्स ने फेडरल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी के पास इसकी शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने माना कि उसे कुछ सबूत मिल चुके हैं। यह मामला सामने आने के बाद इंडोनेशिया की सियासत में भी बवाल हो गया है। इंडोनेशिया की आबादी करीब 28 करोड़ है। यह दुनिया की चौथी सबसे बड़ी आबादी वाला मुल्क है। इंडोनेशिया में ही दुनिया के सबसे ज्यादा मुसलमान रहते हैं। मिस यूनिवर्स इंडोनेशिया ब्यूटी कॉन्टेस्ट में हिस्सा लेने वाली 6 लड़कियों का आरोप है कि ऑर्गनाइजर्स ने फिजिकल एग्जामिनेशन को बहाना बनाया। उनसे कहा गया कि टॉपलेस होकर ब्यूटी चेक करवाना होगा। इसके लिए उन्हें एक अलग कमरे में ले जाया गया। यहां 24 लोग मौजूद थे। इनमें से ज्यादातर पुरुष थे।

न्यूज ब्रीफ

चीन बोला- ताइवान मुद्दे पर आग से खेल रहा अमेरिका: विदेश मंत्री शांगफू ने कहा- ये हमारा आंतरिक मसला, किसी की दखलंदाजी मंजूर नहीं

बीजिंग। चीन के रक्षा मंत्री ली शांगफू रूस के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने ताइवान के मुद्दे पर अमेरिका को घेरा है। उन्होंने कहा ताइवान मुद्दे पर अमेरिका आग से खेलने का काम कर रहा है। ली शांगफू ने कहा है कि चीन को रोकने के लिए अमेरिका ताइवान का इस्तेमाल कर रहा है। जबकि वो इसमें कभी कामयाब नहीं हो पाएगा। मॉस्को में इंटरनेशनल सिक्योरिटी पर बोलते हुए शांगफू ने कहा- ताइवान को फिर से चीन में शामिल होने से कोई नहीं रोक सकता है। उन्होंने कहा कि ताइवान चीन का आंतरिक मसला है। इसमें वो किसी बाहरी की दखलंजदाजी को बर्दाश्त नहीं करेंगे। दरअसल, चीन के इस बर्ताव की वजह ताइवान के उप-राष्टपति विलियम लाई का अमेरिका दौरा है। चीन ने उन्हें ट्रबल मेकर यानी मुसीबतें पैदा करने वाला कहा है। वहीं ताइवान ने चीन की इन धमकियों पर पलटवार किया था। उप राष्टपति लाई ने कहा था कि ताइवान किसी भी धमकी से डरेगा नहीं और न ही पीछे हटेगा। चीन हमेशा से ही ताइवान के नेताओं के अमेरिका जाने पर आपत्ति जताता रहा है। विलियम लाई अगले साल ताइवान में होने वाले राष्टपति चुनाव में सबसे प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं। ऐसे में चीन नहीं चाहता है कि वो अमेरिका से करीबी बढ़ाएं। लाई ने न्यूयॉर्क में अपने समर्थकों से बातचीत के दौरान कहा- अगर ताइवान सुरक्षित है तो पूरी दुनिया सुरक्षित है।

कोरोनाकाल में नशे में धुत हो दोस्त को ट्रक से घसीटा, तोड़े सारे नियम; भारतवंशी युवक को भेजा गया जेल

सिंगापुर । सिंगापुर की एक अदालत ने को भारतीय मूल के व्यक्ति को 21 महीने से अधिक जेल की सजा और 5,000 डॉलर यानी 305627 रुपये का जुर्माना लगाने का आदेश दिया है। एक भारतवंशी व्यक्ति ने कोरोनाकाल में अपने दोस्तों के साथ शराब पी। बाद में नशे में धुत होकर लड़ाई की। झगड़ा बढ़ने पर शख्स ने अपने दोस्त को ट्रक से घसीटा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 41 वर्षीय प्रदीप राम पर एक पुलिस अधिकारी को धमकी देने और दूसरे अधिकारी को अपशब्द कहने का भी आरोप लगा था। बता दें, घटना साल 2020 की है। उस दौरान आरोपी के खून में शराब की निर्धारित सीमा से दोगुना अधिक पाई गई थी, जिसके बाद उसे 10 साल के लिए गाड़ी चलाने से अयोग्य घोषित कर दिया था। अब उसे 21 महीने और दो सप्ताह जेल की सजा सुनाई गई। राम पर चार आरोप लगाए गए थे, जिसमें उसे दोषी ठहराया गया है। इनमें से एक मामला खतरनाक ड्राइविंग के कारण गंभीर चोट पहुंचाने का था और दूसरा एक पुलिस अधिकारी के प्रति अपमानजनक शब्दों का उपयोग करने का था। उप लोक अभियोजक टिमोथियस कोह ने बताया कि 24 मई, 2020 को रात करीब नौ बजे राम और उसका दोस्त प्रवीण एक अन्य दोस्त के घर पर रात का खाना खाने और शराब पीने के लिए मिले थे। उस समय सिंगापुर में कोविड-19 महामारी को रोकने के लिए कई कड़े प्रतिबंध लगाए गए थे।

साउथ चाइना सी में एयरस्ट्रिप बना रहा चीनः कहा- अपनी मर्जी से लेंगे फैसले; इस इलाके पर ताइवान-वियतनाम का भी दावा

बीजिंग। चीन साउथ चाइना सी में हवाई पट्टी बना रहा है। 2 सैटेलाइट तस्वीरों के आधार पर ये दावा किया है। ये एयरस्ट्रिप विवादित ट्रायटन द्वीप पर बनाई जा रही है, जो करीब 2 हजार फीट लंबी है। इस पर ड्रोन्स और टर्बोप्रॉप एयरक्राफ्ट्स आसानी से उतर सकेंगे। हालांकि, इस हवाई पट्टी की लंबाई फाइटर जेट्स के लिए पर्याप्त नहीं है। प्लैनेट लैब्स से मिली सैटलाइट तस्वीरों के मुताबिक, ये कन्सट्रक्शन कुछ हफ्तों पहले ही शुरू हुआ है। हवाई पट्टी अभी भी निर्माणाधीन है और इस किस मकसद से बनाया जा रहा है ये अभी साफ नहीं हो पाया है। ट्रायटन आइलैंड पर सालों से दो रेडोम, एक छोटा हेलीपैड, बंदरगाह, एक ऑब्जर्वेशन स्टेशन और कई चीनी और वहां की कम्युनिस्ट पार्टी के झंडे लगे हुए हैं। चीन ने आइलैंड पर चले रहे काम से जुड़ी जानकारी साझा करने से इनकार कर दिया। चीन ने कहा है कि वो एक सॉवरिन देश है और अपनी मर्जी से फैसले ले सकता है। ड्रैगन ने कहा कि ये कन्स्ट्रक्शन ग्लोबल नेविगेशन सेफ्टी को बेहतर करने के लिए किया जा रहा है। चीन ने उन सभी आरोपों को भी खारिज कर दिया जिसमें ये दावा किया गया था चीन जरूरी जलमार्ग का सैन्यीकरण कर रहा है।

बाइडेन कराएंगे सऊदी-इजराइल डील

यूएस प्रेसिडेंट का सऊदी अरब पर जबरदस्त दबाव, सऊदी में पहले यहूदी धर्मगुरु भी एक्टिव

वॉशिंगटन/रियाद/तेल अवीव।

इजराइल को उम्मीद है कि सऊदी अरब से उसके डिप्लोमैटिक रिलेशन इस साल के आखिर या अगले साल तक नॉर्मल हो जाएंगे। इजराइली मीडिया की रिपोर्ट्स में कहा गया है कि सऊदी अरब पर जो बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन का जबरदस्त दबाव है और इजराइल भी कुछ मुद्दों पर नरम रुख अपना रहा है। इस बीच, अरब मीडिया में यहूदी धर्मगुरु याकोव की खासी चर्चा हो रही है। याकोव सऊदी अरब में यहूदियों के पहले रब्बी हैं। सऊदी अरब के कई लोग उनके साथ सेल्फी लेते नजर आए हैं।

बैकडोर डिप्लोमैसी रंग लाएगी - एक रिपोर्ट में इजराइल-सऊदी अरब रिलेशन और अमेरिका के रोल पर बारीक नजर डाली गई है। इसके मुताबिक- प्रेसिडेंट बाइडेन अगले साल अपना टेन्योर खत्म होने से पहले इजराइल और सऊदी अरब के बीच डिप्लोमैटिक रिलेशन्स शुरू कराना चाहते हैं। इसके लिए हर लेवल पर बैकडोर डिप्लोमैसी का इस्तेमाल किया जा रहा है। सऊदी अरब पर अमेरिकी दबाव भी बढ़ता जा रहा है। दरअसल, बाइडेन चाहते हैं कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के टेन्योर में अरब देशों और इजराइल के बीच जो ऐतिहासिक 'अब्राहम अकॉर्ड' हुआ था, उसे बढ़ाया जाए और सऊदी अरब को इस डील का हिस्सा बनाया जाए। अब्राहम अकॉर्ड ट्रम्प की बहुत बड़ी कामयाबी मानी जाती है। इसलिए सियासी तौर पर भी बाइडेन भी छाप छोड़ना चाहते हैं। यही वजह है कि उन्होंने इजराइल और सऊदी अरब के लिए एक अलग टीम ही अपॉइंट कर दी थी। ये हर हफ्ते एक रिपोर्ट व्हाइट हाउस को सौंपती है। एक अमेरिकी अफसर ने इजराइली अखबार से कहा- बाइडेन को लगता है कि जनवरी 2025 में अगर ट्रम्प व्हाइट हाउस में लौटते हैं तो वो हर हाल में सऊदी अरब और इजराइल के बीच डील करा देंगे। प्रेसिडेंट बाइडेन रिपब्लिकन पार्टी और ट्रम्प को यह मौका नहीं देना चाहते।

रब्बी याकोव का रोल भी अहम - सऊदी अरब ही नहीं, बल्कि अरब वर्ल्ड में इन दिनों इजराइली और यहूदी धर्मगुरू (रब्बी) याकोव इजराइल हर्जोग की काफी चर्चा हो रही है। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान ने याकोव को देश में चबाद हाउस बनाने और उसमें रहने की मंजूरी दी है। सऊदी अरब की मॉडर्न हिस्ट्री में याकोव पहले यहूदी धर्मगुरू हैं, जो यहां बेरोकटोक घूम सकेंगे। खुद याकोव भी कहते हैं- मैं सऊदी सरजमीं पर पहला रब्बी हूं और इस बात का मुझे फख्र है। हालांकि, इस दौरान वो विवादित सवालों के जवाब देने से बचते रहे। आंकड़ों की बात करें तो इस वक्त सऊदी अरब में करीब 75 हजार अमेरिकी रहते हैं। ये सभी अलग-अलग सेक्टर में काम कर रहे हैं। इनमें से 1प्रतिशत यानी करीब 15 हजार यहूदी हैं। ज्यादातर फ्रांस, अमेरिका और ब्रिटेन से यहां पहुंचे हैं। याकोव कहते हैं- सियासत अपनी जगह है, लेकिन मैं नहीं मानता कि यहूदियों को सऊदी अरब में कोई दिक्कत पेश आती है।

नेतन्याहू और सऊदी प्रिंस की 2 बार बातचीत - अप्रैल 2023 में सामने आई कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दो बार सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से बातचीत की थी। यह बातचीत इजराइल में रहने वाले अरब मूल के लोगों को डायरेक्ट फ्लाइट से हज यात्रा पर भेजने के बारे में हुई थी। बहरीन के फॉरेन मिनिस्टर अब्दुल्लाहलतीर्फ राशिद अल जयानी ने इस बातचीत में मीडिएटर का रोल प्ले किया। चाहते हैं कि इजराइल के कब्जे वाले इलाके में मौजूद अल अक्सा मस्जिद का सिक्योरिटी कंट्रोल फिलिस्तीन की सिक्योरिटी फोर्सेज के हवाले किया जाए। इजराइल सिर्फ पश्चिमी हिस्सा संभाले। इस पर भी सहमति नहीं बन सकी है।

पर्दे के पीछे अमेरिका एक्टिव - इजराइल के विदेश मंत्री एली कोहेन ने मीडिया से बातचीत में कहा था- हमारे और सऊदी अरब के हित एक जैसे हैं। उम्मीद है, नॉर्मल रिलेशन भी शुरू होंगे। हालांकि मैं ये नहीं कह सकता कि ये काम कब और कैसे होगा। कोहेन ने माना था कि व्हाइट हाउस के मिडिल ईस्ट मामलों के कोऑर्डिनेटर एमोस होचेस्टन ने मार्च की शुरुआत में मुलाकात की थी। इस दौरान इजराइल और सऊदी अरब के बीच नॉर्मल रिलेशन शुरू करने पर लंबी बातचीत हुई थी। इसके बाद इजराइली फॉरेन मिनिस्टर का एक और बयान आया। उन्होंने इशारों में उम्मीद जताई कि इजराइल और सऊदी अरब के बीच 6 महीने या एक साल में डिप्लोमैटिक रिलेशन शुरू हो सकते हैं। कहा जा रहा है कि सऊदी अरब चाहता है कि इजराइल सरकार फिलिस्तीन के मामलों पर नर्म रवैया अपनाए। अमेरिका भी इजराइल पर सऊदी से बातचीत का दबाव बना रहा है। हालांकि इजराइल की कट्टरपंथी सरकार फिलिस्तीन को क्या और कितनी रियायत देगी, यह साफ नहीं है। अरब देशों पर नजर रखने वाली वेबसाइट की एक रिपोर्ट के मुताबिक- प्रिंस सलमान ने दो साल पहले ही देश के तमाम स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटीज के सिलेबस से कट्टरपंथी बातें हटाने के आदेश दिए थे। उन्होंने कहा था कि इस मामले में रिफॉर्म बेहद जरूरी हैं।

सऊदी अरब में अमेरिकी नागरिक को सजा-ए-मौत

पिता के कत्ल का दोषी था; एक दिन में 81 लोगों को मौत के घाट उतार चुका है सऊदी

रियाद।

सऊदी अरब ने एक अमेरिकी नागरिक को सजा-ए-मौत दी। दोषी का नाम बिशोए शरीफ नाजी नसीफ बताया गया है। उस पर पिता के कत्ल का आरोप था। इसके अलावा उसने एक और शख्स पर जानलेवा हमला किया था। सऊदी सरकार के बयान में नसीफ को सजा-ए-मौत की पुष्टि की गई है। मार्च 2022 में किसी तारीख को सऊदी अरब ने एक ही दिन में 81 दोषियों को सजा-ए-मौत दी थी। हालांकि, यह साफ नहीं है कि ये तारीख कौन सी थी और जिन लोगों को सजा दी गई, उन्हें किन अपराधों में दोषी पाया गया था। नसीफ को सजा-ए-मौत की जानकारी दी। हालांकि, इस बारे में ज्यादा डीटेल्स सामने नहीं आ सकीं हैं। जानकारी के मुताबिक- नसीफ पर पिता को पहले पीटने और बाद में गला दबाकर हत्या के आरोप लगे थे। घटना के वक्त किसी ड्रग के नशे में था। पिता को कत्ल करने के बाद नसीफ ने शव के कई टुकड़े भी कर दिए थे। सऊदी होम मिनिस्ट्री के मुताबिक- पुलिस जब उसे गिरफ्तार करने पहुंची तो उसने वहां मौजूद एक करीबी रिश्तेदार पर भी जानलेवा हमला किया था। हालांकि, उसे बचा लिया गया। बाद में नसीफ पर लगे तमाम आरोप साबित हो गए और सऊदी कानून के मुताबिक, उसे सजा-ए-मौत का आदेश दिया गया। नसीफ को किस तरह सजा दी गई, यह साफ नहीं है। माना ये जाता है कि सऊदी अरब में सजा-ए-मौत के लिए दोषी की गर्दन काट दी जाती है। यह भी साफ नहीं है कि नसीफ की पैरवी किस वकील ने की थी। इसके अलावा यह भी क्लीयर नहीं हो सका है कि अगर नसीफ के पास अमेरिकी नागरिकता थी तो उसका अमेरिका में होम एड्रेस क्या था। यानी वो किस राज्य के किस शहर का रहने वाला था। अमेरिकी विदेश विभाग ने अब तक इस मामले पर कुछ नहीं कहा है। माना जाता है कि चीन और ईरान के बाद अगर किसी देश में सबसे ज्यादा सजा-ए-मौत दी जाती है तो वो सऊदी अरब ही है। हालांकि, कोरोना के दौर में इनमें कमी आई थी। 12 मार्च 2022 को एक रिपोर्ट में कहा गया था कि सऊदी सरकार ने एक ही दिन में 81 दोषियों को सजा-ए-मौत दी थी।

नेपाल में 155 किलोग्राम गोल्ड जब्तः स्मगलिंग के आरोप में चार चीनी नागरिक गिरफ्तार, एक महीने की जांच के बाद पुलिस को कामयाबी

काठमांडू।

नेपाल पुलिस ने गोल्ड स्मगलिंग के आरोप में चीन के चार नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इन सभी को काठमांडू की अदालत में पेश किया गया। कोर्ट ने चारों आरोपियों को पांच दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। 18 जुलाई को काठमांडू पुलिस ने 155 किलोग्राम गोल्ड यानी सोना जब्त किया था। इसकी सूचना पुलिस को एक मुखबिर से मिली थी। इस मामले की जांच तभी से जारी थी। मामले में 17 नेपाली नागरिकों को भी गिरफ्तार किया गया था। अब तक ये साफ नहीं हो सका है कि ये लोग स्मगलिंग में किस हद तक शामिल थे।

रात भर चला सर्च ऑपरेशन

रिपोर्ट में बताया गया है कि नेपाल पुलिस और यहां की प्रीमियम जांच एजेंसी सेंट्रल इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो ने दरमियानी रात काठमांडू के कुछ इलाकों में सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान चार चीनी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस का दावा है कि ये तमाम चीनी नागरिक काठमांडू इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर गोल्ड स्मगलिंग नेटवर्क में शामिल हैं। 18 जुलाई को 155 किलोग्राम गोल्ड इसी एयरपोर्ट से बाहर लाया गया था। बाद में पुलिस ने 8 छोटे बॉक्स जब्त किए थे। इनमें ही यह गोल्ड मौजूद था।

काठमांडू पुलिस के स्पोक्स पर्सन कुबेर काद्यात ने कहा- इस मामले में चार चीनी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें एक महिला भी शामिल है। इन्हें आगे की पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया गया है। इसी मामले में 17 लोगों को पहले भी गिरफ्तार किया गया था। ये सभी नेपाल के नागरिक हैं।

कस्टम क्लीयरेंस कैसे मिली

18 जुलाई को जब यह गोल्ड जब्त किया गया था, तब इसे काठमांडू के त्रिभुवन एयरपोर्ट से बाहर लाया गया था। खास बात ये है कि एयरपोर्ट पर इसे कस्टम डिपार्टमेंट की यूनिट भी नहीं पकड़ पाई थी, जबकि ये 8 छोटे-छोटे बॉक्स में पैक था। बरामदगी के बाद पुलिस ने यह गोल्ड मिंट डिवीजन के हवाले कर दिया गया।

अफगानिस्तान में सभी 70 पॉलिटिकल पार्टियां बैन: तालिबान बोला- ये इस्लामिक कानून के खिलाफ, इससे विभाजन की भावना बढ़ती है

काबुल।

अफगानिस्तान में तालिबान ने सभी राजनीतिक दलों पर बैन लगा दिया है। तालिबान के मुताबिक, ये शरिया (इस्लामिक) कानून के खिलाफ है। तालिबान सरकार में मिनिस्टर ऑफ जस्टिस अब्दुल हकीम शरेई ने कहा- मुस्लिमों के लिए बना शरिया कानून ही उनके जीवन का आधार होता है। इस कानून में पॉलिटिकल पार्टीज का कोई वजूद नहीं है। वॉइस ऑफ अमेरिका के मुताबिक, काबुल में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जस्टिस मिनिस्टर ने कहा- शरिया में राजनीतिक दलों की कोई जगह नहीं है। इसे देश के हित में नहीं माना जाता है और न ही देश इसे पसंद करता है। तालिबान के सत्ता में आने पर करीब 70 राजनीतिक दलों ने जस्टिस मिनिस्ट्री में रजिस्टर करवाया था। उस वक्त तालिबान ने इन्हें बैन करने के संबंध में कुछ नहीं कहा था। अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के एक कमेंटेटर तोरेक फरहादी ने कहा- तालिबान ने खाड़ी देशों को आधार बनाकर ये फैसला लिया है। फरहादी ने कहा- देश को जरूरत है कि भविष्य से जुड़ी चर्चाओं में महिलाएं और हर क्षेत्र के लोग शामिल हों। ये भले ही राजनीतिक तौर पर गलत लगे, लेकिन पॉलिटिकल पार्टीज की वजह से देश में विभाजन की भावना बनती है, जो विकास के

लिए सही नहीं है। तालिबान ने ये फैसला अपने सत्ता में लौटने की दूसरी सालगिरह के 1 दिन बाद लिया। 15 अगस्त को अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी को 2 साल पूरे हो गए थे। अल जजीरा के मुताबिक, इस मौके पर वहां सरकारी छुट्टी घोषित की गई थी। तालिबान सरकार इस दिन को सत्ता में वापसी और इस्लामिक कानून के तहत देश की रक्षा करने के दिन के रूप में मनाती है।

तालिबान की वापसी को 2 साल पूरे

तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा था- हम काबुल पर जीत की दूसरी सालगिरह पर अफगानिस्तान और यहां के लोगों को बधाई देना चाहते हैं। अल्लाह की मदद से ही हम ये जीत हासिल कर सकते हैं। मुजाहिद ने कहा था- अब जब देश में पूरी तरह से सुरक्षा सुनिश्चित की जा चुकी है, हम एक लीडरशिप के नेतृत्व में रह रहे हैं। देश में हर जगह इस्लामिक सिस्टम के आधार पर काम किया जाता है और इसी के हिसाब से फैसले भी लिए जाते हैं।

तालिबान 2.0 में महिलाओं पर लगी पाबंदियां

तालिबान ने 15 अगस्त 2021 को काबुल के साथ ही पूरे अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद से उसने लड़कियों और महिलाओं की शिक्षा और नौकरी से जुड़े तमाम अधिकार छीन लिए हैं। अफगानिस्तान की महिला अधिकार कार्यकर्ता खदीजा अहमदी ने बताया कि तालिबान ने महिलाओं को जज या वकील के रूप में कोर्ट में प्रैक्टिस करने से रोक दिया है। सत्ता पर कब्जा करने से पहले अफगानिस्तान में लगभग 300 महिला जज थीं। तालिबान के चलते इन सभी को देश से निकलना पड़ा। तालिबान ने लड़कियों की की तमाम तरह की एजुकेशन को बैन कर दिया है। महिलाओं के मस्जिदों में जाने और उनके ब्यूटी पार्लर पर भी बैन लगा दिया गया है।

नेपाल ने भारत से मांगा 1 लाख टन चावल

त्योहार के सीजन में चावल-चीनी की कमी का डर; बदले में टमाटर सप्लाई कर रहा पड़ोसी

काठमांडू।

नेपाल ने भारत से चावल की मांग की है। दरअसल, अगले कुछ महीनों में त्योहार का सीजन आने वाला है। ऐसे में इस दौरान खाने के सामानों की कमी से बचने के लिए नेपाल ने ये मांग की है। काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, नेपाल के कॉमर्स एंड सप्लाई मिनिस्ट्री के जॉइंट सेक्रेटरी राम चंद्र तिवारी ने बताया की पिछले हफ्ते उन्होंने भारत से चावल, चीनी और धान उपलब्ध कराने की अपील की है। नेपाल ने भारत से 10 लाख टन धान, एक लाख टन चावल और 50 हजार टन चीनी उपलब्ध कराने की मांग की है। तिवारी ने कहा- भारत ने हाल ही में घरेलू कीमतों में कंट्रोल लाने के लिए गैर बासमती चावल की सप्लाई में रोक लगा दी थी। व्यापारियों को जैसे ही ये पता चला, उन्होंने भारी मात्रा में चावल की जमाखोरी शुरू कर दी। इसकी वजह से नेपाल में गैर-बासमती चावल की कीमतें बढ़ गईं। नेपाल इसके बदले भारत को टमाटर की सप्लाई कर रहा है। भारत में टमाटर की कीमतें आसमान छू रही हैं। ऐसे में नेपाल ने मदद का हाथ बढ़ाया है। गर्मी और बारिश के कारण टमाटर की कीमत बढ़ गई है।

चावल-चीनी के दाम बढ़ने का डर

नेपाल के जॉइंट सेक्रेटरी ने कहा- फिलहाल बाजार में चावल और चीनी की कोई कमी नहीं है, लेकिन अक्टूबर-नवंबर के बीच त्योहार के समय में चावल और चीनी की खपत बढ़ जाती है। इसका सीधा असर कीमतों पर पड़ता है। आम जनता को भविष्य में किसी तरह की कमी का सामना न करना पड़े, इस वजह से सरकार पहले से तैयार रहना चाहती है।

भारत ने चावल के सप्लाई पर बैन क्यों

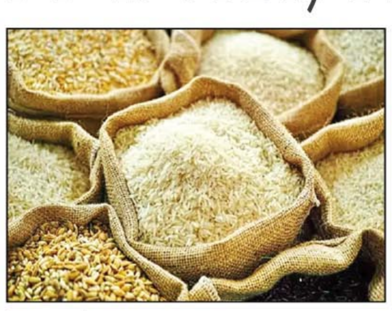

लगाया

20 जुलाई को भारत ने डोमेस्टिक सप्लाई को बढ़ने और त्योहार के वक्त रिटेल कीमतों को कंट्रोल में रखने के लिए गैर-बासमती सफेद चावल की सप्लाई में रोक लगा दी थी। देश से करीब 25प्रतिशत सप्लाई गैर-बासमती सफेद चावल की होती है। नेपाल में मुख्य रूप से चावल खाया जाता है इसलिए चावल की कमी पूरी करने के लिए एक बड़ा हिस्सा वहां भारत से जाता है। रिपोर्ट के अनुसार, नेपाल ने भारत से अप्रैल 2021 से मार्च 2022 के बीच अब तक का सबसे ज्यादा 14 लाख टन चावल इंपोर्ट किया था। इसमें गैर-बासमती चावल 13.8 लाख टन और बासमती चावल 19,000 टन था। नेपाल के व्यापारी बोले- भारत के चावल एक्सपोर्ट पर रोक लगाते ही रिटेल कीमत 200 नेपाली रुपए से बढ़कर प्रति 250 नेपाली रुपए/25 किलो बैग हो गई।

चावल के लिए लंबी लाइन में खड़े दिखे यूएस के लोग

भारत की ओर से चावल के एक्सपोर्ट पर बैन लगाने के करीब एक हफ्ते बाद दुनिया भर में चावल की काफी कमी देखी जा रही है। वहीं अमेरिका में रह रहे भारतीय लोगों को इसके लिए काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। पिछले कुछ समय में अमेरिका के अलग-अलग शहरों से कई ऐसे वीडियो आए हैं जहां लोग चावल खरीदने के लिए लंबी लाइनों में लगे नजर आए। वॉशिंगटन में रहने वाली अरुणा ने बताया था- मैं सोना मंसूरी (बैन किए गए चावल में से एक प्रकार) के लिए 10 से ज्यादा स्टोर्स पर गई, लेकिन सुबह 9 बजे जाने के बाद भी शाम 4 बजे मुझे एक पैकेट चावल 3 गुना दाम पर लेकर आना पड़ा।

सपना फूड्स की प्रोप्राइटर तरुण सारदा ने कहा था- हमारे पास सोना मंसूरी के लिए एक दिन में सैकड़ों फोन आते हैं। उन्होंने बताया था कि प्रीमियम बासमती चावल बैन नहीं हुआ है, लेकिन फिर भी लोग डर की वजह से ज्यादा मांग कर रहे हैं, जिसके चलते इसकी कीमत भी 100प्रतिशत तक बढ़ गई है।

डांस में करियर या कोरियोग्राफर कैसे बने

डांस सिखाना यानि कोरियोग्राफर बनना आज कल युवाओं की पसंद बन रहा है.यह एक पैसा और नाम देने वाला करियर है और फिल्म इंडस्ट्री में अच्छे कोरियोग्राफर की डिमांड रात दिन बढ़ती जा रही है.लेकिन इसमें करियर बनाने की सोचने से पहले यह जान लें की कोरियोग्राफी केवल डांस करना ही नहीं है बल्कि दूसरों को नए तरह का डांस सिखाना है. इसलिए सब तरह के डांस, डांसिंग स्टेप्स और डांस को हर तरह के म्यूजिक पर डांस कर सकना ही कोरियोग्राफी है. चलिए जाने डांस मैं करियर कैसे करे कोरियोग्राफर कैसे बने.

कोरियोग्राफर कैसे बने-

कुछ लोगो को बचपन से ही डांस करने का बहुत शौक होता हैं. ऐसे लोग बचपन से डांस सीखते हैं या ऐसे भी उन् लोगो को बहुत अच्छा डांस आता. जो लोग डांस में माहिर होते हैं उन् लोगो के घर में भी बहुत सारे डांस कम्पटीशन'से जीती हुई ट्रॉफीज होती हैं. ऐसे लोग बड़े होकर भी अपनी डांस को कंटिन्यू रखना चाहते हैं और डांस मैं अपना करियर बनाना चाहते हैं. लेकिन जिन लोगो को यह अच्छी तरह से पता ही नहीं होता कि उन्हें डांस में करियर बनाने के लिए क्या क्या करने की जरूरत हैं उन् लोगो का सपना तो अधूरा ही रह जाता हैं.

लेकिन हमारा सवाल यह हैं की अगर हुनर और जज्बा हैं तो क्यों हमारा कोई भी सपना अधूरा रहे.आज हम अपने इस लेख में आप लोगो को यह बताएँगे की हम डांस मैं अपना करियर बनाने के लिए क्या क्या तरीका अपना सकते हैं.आप लोगो को बस हमारे इस लेख में दिए गए कुछ ट्रिक्स को ध्यान से पड़ने की और फॉलो करने की जरूरत हैं.यकीं मानिये इन् ट्रिक्स को फॉलो करके आप लोग डांस मैं अपना करियर बनाने में कामयाब जरूर हो जायेंगे.

डांस में करियर कैसे बनाये अपने डांस को हमेशा कंटिन्यू रखे-

आपको अगर डांस करने में रूचि हैं और आप डांस मैं अपना करियर बनाना चाहते हैं तोह आप अपने डांस को कभी भी ऑफ मत रखिए.हमारा कहने का मतलब हैं की आप हो सके तो रोज या दो तीन दिन के बाद बाद अपने घर में ही डांस की प्रैक्टिस करिए.आप अगर चाहे तोह एक कमरे को लॉक करके उस कमरे में अपने डांस की प्रैक्टिस कर सकते हैं. आप अगर अपने डांस को एक दम से बंद न करके उसको कंटिन्यू रखेंगे तो आपको डांस में एक्सपीरियंस बना रहेगा और आपको डांस करने में किसी भी तरह की गलती का एहसास नहीं होगा.

स्कूल, कॉलेज में हो रही डांस कॉम्पेटीशन्स में भाग ले-

अगर आप डांस मैं अपना करियर बनाने मैं इंटरेस्टेड हैं तो आप स्कूल, कॉलेज और बाकि छोटे मोटे functions में होने वाले डांस competitions में भाग लेते रहे. ऐसे छोटे मोटे competitions में भाग लेते रहने से आपकी ऐम्बर्रसमेंट वाली फीलिंग खतम हो जायेगी और जब आपको किसी के सामने डांस करने से ऐम्बर्रसमेंट का एहसास नहीं होगा तब आप अपने डांस को खुल के कर पाएंगे और डांस मैं अपना करियर बनाने में और डांस की दुनिया में अपनी एक जगह बनाने में कामयाब हो जायेंगे.

डांस क्लास ज्वाइन कर सकते हैं

अगर आप डांस मैं अपना करियर बनाना चाहते हैं तोह इस के लिए आपका डांस में माहिर होना बहुत जरूरी हैं. और मैं अपने आप को पक्का और निपुण बनाने के लिए आप लोग एक डांस क्लास ज्वाइन कर सकते हैं. ऐसा करने से डांस के प्रति आपका जूनून और डांस मैं आपका नॉलेज दोनों की वृद्धि होगी. और तभी आप डांस के लिए परफेक्ट माने जायेंगे.

कोरियोग्राफर कैसे बने

कोरियोग्राफर बनने के लिए जरूरी है की आप को डांस करने का बहुत शौक हो. इसके लिए सबसे पहले आप किसी अच्छे डांस स्कूल में प्रवेश लें और डांस के बेसिक स्टेप्स को जान लें जिससे किसी के भी सामने आप कुछ डांस कर के बता सकें. अब डांस की पढाई करनी होगी. कोरियोग्राफी को सिखाने के लिए हर जगह स्कूल या यूनिवर्सिटी नहीं है इसलिए आपको कुछ जगहों पर उपलब्ध डांस की ही संस्थाओं में प्रवेश लेना होगा.

कुछ प्रमुख संस्थाएं जो कोरियोग्राफी सिखाती हैं

- » संगीत नाटक अकादमी न्यू डेल्ही,
- » नाटय इंस्टिट्यूट ऑफ कथाक एंड कोरियोग्राफी बंगलोरे
- » फैकल्टी ऑफ आर्ट्स इन यूनिवर्सिटी मैसोरे
- » स्कूल ऑफ फाइन आर्ट्स एंड म्यूजिक, इंदौर
- » कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी
- » महात्मा गांधी मिशन संगीत अकादमी औरंगाबाद,
- » शिवाजी यूनिवर्सिटी कोल्हापुर
- » गर्ल्स कॉलेज इंदौर
- » फ्लेम स्कूल ऑफ आर्ट्स पुणे
- » बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी वाराणसी,

प्राइवेट इंस्टिट्यूट में भी डांसं

जब आप गवर्नमेंट के इन इंस्टिट्यूट से डांस में डिग्री या डिप्लोमा ले लें तो यह मत समझिए कि आपकी डांस की पढाई पूरी हो गयी है.इसके बाद अप्प प्राइवेट संस्थानों से डांस की पढाई करें. कुछ प्रमुख संस्थान जो कोरियोग्राफी सिखाते हैं उनके नाम हैं थे।

डांसवर्क्स परफार्मिंग आर्ट्स अकादमी, मुम्बई

न्यू डेल्ही, शामक डावर इस्टिट्यूट फॉर परफार्मिंग आर्ट्स, मुम्बई

श्रृति संगीत विद्यालय जळगाव आदि हैं.

अब किसी मुम्बई के ग्रुन को ज्वाइन करें

जब आप प्राइवेट इंस्टिट्यूट से भी डांस सीख लें उसके बाद आप मुम्बई के किसी डांस ग्रुप को ज्वाइन कर लें. वैसे तो डांस ग्रुप हर जगह होते हैं पर मुंबई में रहकर आप प्रोड्यूसर और डायरेक्टर्स से संपर्क भी कर सकते हैं इसलिए डांस में करियर बनाने के लिए मुम्बई ही सबसे सही जगह है.

जॉब में ज्यादा से ज्यादा सीखें

अपने इतना सीखा है इसका मतलब यह नहीं कि आप अपने आपको सबसे अच्छा कोरियोग्राफर समझने लगें. याद रखें पढाई के दौरान सीखने में और जॉब करते समय सीखने में बहुत अंतर होता है. इसलिए जब आप डांस ग्रुप ज्वाइन करें तो आप जयादा से ज्यादा अनुभव लेने की कोशिश करें.

विडियो सीडी से सीखें

आप कुछ फॉरेन कोरियोग्राफर के डांसेज की सीडीस खरीद लें. जब आप खाली हों तो आप डांस की सीडीस चलाकर उनके स्टेप्स को नोट करें और सोचें कि इस स्टेप में और क्या नया हो सकता है. यह सभी नए स्टेप जो आप बना रहे हैं उसे आप अकेले में परफॉर्म करके अपने वीडियो कैमरे में रिकॉर्ड कर लें जिससे की आप यह डांस स्टेप्स भूलेंगे नहीं और समय पर आप किसी प्रोड्यूसर और डायरेक्टर को वह स्टेप्स करके दिखा सकते हैं.

प्रोड्यूसर और डायरेक्टर से संपर्क करें

जब आपको यकीन हो जाए कि किसी गाने की कोरियोग्राफी आप कर सकते हैं और आपके पास अनेकों नए डांस स्टेप्स हैं तब आप फिल्म प्रोड्यूसर और डायरेक्टर से संपर्क करें और उन्हे पहली मुलाकात में ही हु डांस स्टेप दिखाएँ की फिल्म प्रोड्यूस और डायरेक्टर्स आप से प्रभवित हुए बिना नहीं रह सके और आपको की कोरियोग्राफी करने का अवसर दें. वैसे तो अनेक फिल्म प्रोड्यूसर अच्छे' कोरियोग्राफर की तलाश करते हैं पर कुछ बड़े बैनर जिनके साथ काम करके आप अपना भविष्य संवार सकते हैं बालाजी टेलीफिल्म्स, मुक्ता आर्ट्स, एरोस इंटरनेशनल, उत्व मोशन पीक्चर्स, भंसाली प्रोड्यूक्शन्स,यश राज प्रोड्यूक्शन्स, धर्म प्रॉड्यूक्शन्स, विशेष फिल्म्स, राजश्री प्रोड्यूक्शन्स हैं.

क्या सैलरी होती है

इस करियर में अनुभव के आधार पर सैलरी मिलते है. एक फ्रेशर कोरियोग्राफर के तौर पर 400 से 500 रूपए प्रति घंटा प्राप्त करता है जबकि कुछ अनुभव हो जाने पर कोरियोग्राफर को 2000 रूपए प्रति घंटे तक मिल जाते हैं.फिल्म इंडस्ट्रीज से जुड़े अनुभवी और सफल कोरियोग्राफर एक साल में 20 लाख रूपए तक कमा लेते हैं.

आप को यह अच्छी तरह से समझ में आ गया होगा की डांस में करियर कैसे बना सकते हैं या डांस में करियर बनाने के के लिए हम किन किन तरीको को अपना सकते हैं. हम तो आप लोगो से बस यही कहेंगे कि अपने इस पैशन को ऐसे ही ठंडा मत हो जाने दीजिये ।

टीवी एंकर क्या है

इस फिल्ड में स्कोप और सम्भावनायें

एंकर टीवी के परदे पर सबसे पहले किसी खबर की सूचना देता है, उसके बारे में बताता है। जब भी हम किसी टीवी एंकर के बारे में सोचते हैं तो मन में यही सवाल आता है की इस फिल्ड में जॉब करना काफी आसान होता है। टीवी पर एंकरिंग करना कोई आसान काम नही होता तथा इस फिल्ड में पैसा कमाना भी आसान काम नही है। टीवी एंकरिंग करनी हो या किसी रेडियो में शो होस्ट करना हो दोनों में काफी मेहनत करनी पड़ती है। एंकरिंग करने के लिए हमे अनेक बातो का ख्याल रखना पड़ता है। एक अच्छे एंकर का काम दर्शकों को चैनल से जोड़े रखना होता है। आजकल टीवी पर एंकरिंग करना एक फैशन बन गया है। लेकिन टीवी पर एंकरिंग करनी हो या रेडियो शो होस्ट करना या फिर किसी मैच की लाइव कमेंट्री करना, इस सबके लिए छात्रों के पास विशेष योग्य का होना अनिवार्य है। इसके साथ ही विनम्र आवाज तथा आत्मविश्वास का होना भी अनिवार्य होता है।

टीवी एंकर के लिए शैक्षिक योग्यता

आजकल काफी छात्र टीवी एंकर की चाह रखते हैं। इस क्षेत्र में आजकल जॉब के लिए काफी अवसर मिल जाते हैं। टीवी एंकरिंग करने के लिए छात्र को किसी मान्यता प्राप्त संस्था से 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण होनी अनिवार्य है। इसके अलावा छात्र को हिंदी भाषा का सम्पूर्ण ज्ञान होना भी अनिवार्य है।

टीवी एंकर के लिए क्षेत्र

आजकल काफी लोग टीवी एंकर बनने के लिए इससे सम्बंधित कोर्सेज करते हैं। छात्रों को इस क्षेत्र में अपना करियर बनाने के लिए अनेक ऑप्शन मिल जाते हैं। यदि आपने टीवी एंकरिंग का कोर्सेज किया है तो आप भी इस फिल्ड में अपना करियर आसानी से बना सकते हैं। आजकल टीवी में अनेक प्रकार के शो आते हैं। आप चाहे तो टीवी में होने वाले शोज में भी आप जॉब के लिए कोशिश कर सकते हैं।

टीवी एंकर के गुण

1. एक अच्छा टीवी एंकर बनने के लिए आपके पास स्पष्ट आवाज का होना बहुत ही जरुरी होता है।

2. इसके अलावा टेक्निकल सिस्टम को समझने की कैपिसिटी का होना भी अनिवार्य होता है।

3. कई बार तो टीवी एंकरिंग करने के लिए स्क्रिप्ट भी खुद ही लिखनी पड़ती है। ऐसे में आपके पास जर्नलिज्म बैकग्राउंड होना अनिवार्य है।

4. एक अच्छा एंकर बनने के लिए आपके पास मधुर आवाज के साथ-साथ कुशल संचालन योग्यता होनी चाहिए। जिससे आप आसानी से एंकरिंग कर सकेंगे।

टीवी एंकरिंग के कोर्सेस

1. एंकरिंग की बुनियादी जानकारियां
2. टीवी न्यूज़ चैनलों की दुनिया
3. स्टूडियो की बुनियादी जानकारी
4. आवाज़ को निखारें
5. कैसे बने स्टाईलिश एंकर
6. जॉब इंटरव्यू की कैसे करें तैयारी
7. एंकर टिप्स

प्रमुख इंस्टीटयूट

- » इंडियन इंस्टिट्यूट आफ मास्स कम्युनिकेशन, न्यू दिल्ली
- » एशियाई अकादमी ऑफ फिल्म एंड टेलीविजन, नॉएडा
- » भारतीय विद्या भवन, न्यू दिल्ली
- » गार्डन सिटी कॉलेज, बैंगलोर

ज्वेलरी डिजाइनिंग

में बनाएं अपना सुनहरा भविष्य

अगर आप की रुचि डिजाइनिंग क्षेत्र में जाने की है तो ज्वेलरी डिजाइनिंग आपके लिए बेहतर करियर विकल्प हो सकता है। भारत एक ऐसा देश है जहां लोगों में ज्वेलरी के प्रति सबसे ज्यादा क्रेज रहता है। इस वजह से ज्वेलरी इंडस्ट्री भी देश की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा है। इस बात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इस इंडस्ट्री की क्षमता 2015 तक 2.15 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है।

योग्यता: इस क्षेत्र से जुड़े कई डिप्लोमा, सर्टिफिकेट और एडवांस डिप्लोमा कोर्सेज उपलब्ध हैं। कुछ नामी इंस्टिट्यूट में कंप्यूटर की सहायता से भी ज्वैलरी डिजाइनिंग की शिक्षा दी जाती है। कुछ कोर्सेज के लिए कम से कम स्नातक होना आवश्यक है और कुछ शॉर्ट टर्म या कम अवधि ?वाले कोर्स सीधे बारहवीं के बाद भी किए जा सकते हैं।

कोर्स में क्या पढ़ाया जाता है

कोर्स में आपको पत्थरों के विभिन्न प्रकार, कलर स्कीम, डिजाइन थीम, परजेंटेशन और फ्रेमिंग, इंडिविजुअल जूलरी पीस का डिजाइन करना, पुरुषों की जूलरी, कॉस्ट्युम जूलरी, कॉस्टिंग वगैरह के बारे में बताया जाता है। जहां तक जूलरी की डिजाइनिंग का संबंध है इसके लिए कोई औपचारिक प्रशिक्षण नहीं होता। किसी फील्ड के प्रफेशनल जूलरी डिजाइनिंग वर्कशॉप में शामिल होकर अपना प्रॉडक्शन हाउस खोल सकते हैं।

जॉब के अवसर

इस क्षेत्र में दिनों दिन बढ़ते रुझान के चलते करियर का स्कोप काफी अच?छा है। शुरुआती सैलरी आप 10 हजार रुपये महीने तक आसानी से कमा सकते हैं। इसमें सबसे बेहतरीन बात यह है कि आप इसका काम फ्रीलांस भी कर सकते हैं या फिर अपना बिजनेस भी स्टार्ट कर सकते हैं।

किन क्षेत्रों मे हैं नौकरी के अवसर

प्राइवेट सेक्टर में मैन्यूफैक्चरिंग कंपनियों, ज्वेलरी हाउसेस, रिसर्च एंड ऑर्गेनाइजेशन, ऑक्शन हाउसेस में नौकरी मिलने के चांसेस रहते हैं। अगर आप चाहें तो आप फ्रीलांस डिजाइन के जरिए अपने बीजनेस की शुरुआत भी कर सकते हैं।

आभूषणों में भी विभिन्न तरह के कोर्स होते हैं इनमें से प्रमुख हैं

- » डिप्लोमा इन ज्वेलरी डिजाइन एंड जैमोलॉजी (अवधि 2 वर्ष)
- » डायमंड ग्रेडिंग कोर्स (अवधि 2 माह)।
- » सर्टिफिकेट इन ज्वेलरी डिजाइन एंड जैमोलॉजी (अवधि 1 साल)
- » जैम आइडेंटिफिकेशन (अवधि 3 माह)।
- » शार्ट टर्म सर्टिफिकेट कोर्सेज इन जैमोलॉजी, पॉलिशिंग, मैन्युफैक्चरिंग।

कहां से करें कोर्स

- » इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ जेमोलॉजी, दिल्ली।
- » इनसाइन-द ज्वैल डिजाइन इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली।
- » आर्च जेमोलॉजी एंड ज्वैलरी इंस्टीट्यूट, जयपुर।
- » इंडियन डायमंड इंस्टीट्यूट-सरदार बल्लभ भाई पटेल सेंटर ऑफ ज्वैलरी डिजाइन एंड मेन्युफैक्चर, सूरत।

आयुर्वेद के हैं कई फायदे, आयुर्वेद में बनाये अपना सुनहरा भविष्य

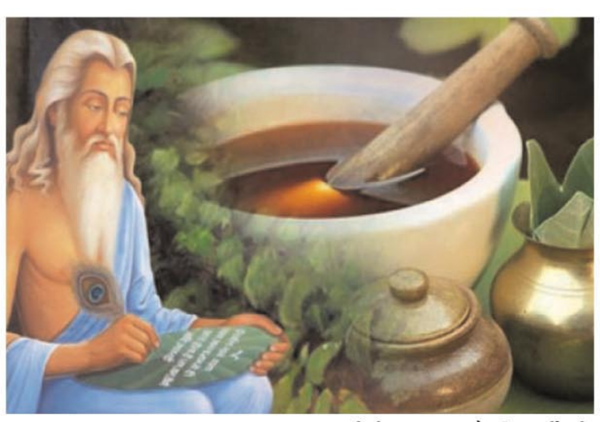

स्नातक स्तर पर बैचलर ऑफ आयुर्वेदिक चिकित्सा एवं सर्जरी (बीएएमएस) जैसा कोर्स विभिन्न भारतीय आयुर्वेदिक संस्थानों में है। इसके बाद विद्यार्थी पीजी प्रोग्राम, जैसे एमडी (आयुर्वेद) और एमएस (आयुर्वेद) की पढ़ाई कर सकते हैं। कुछ संस्थानों में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स भी उपलब्ध हैं, जिनकी अवधि तुलनात्मक रूप से कम होती है।

क्या है आयुर्वेद

आयुर्वेद आयुर्विज्ञान की प्राचीन भारतीय पद्धति है। यह आयु का वेद अर्थात आयु का ज्ञान है। जिस शास्त्र के द्वारा आयु का ज्ञान कराया जाए,उसका नाम आयुर्वेद है। शरीर, इंद्रिय सत्व और आत्मा के संयोग का नाम आयु है। आधुनिक शब्दों में यही जीवन है। प्राण से युक्त शरीर को जीवित कहते है। आयु और शरीर का संबंध शाश्वत है। आयुर्वेद में इस संबंध में विचार किया जाता है। जिस विद्या के द्वारा आयु के संबंध में सर्वप्रकार के ज्ञातव्य तथ्यों का ज्ञान हो सके या जिस का अनुसरण करते हुए दीर्घ आयुष्य की प्राप्ति हो सके उस तंत्र को आयुर्वेद कहते हैं।

शैक्षणिक योग्यता: बीएएमएस की अवधि एक साल की इंटर्नशिप सहित साढ़े 5 साल की होती है। जो विद्यार्थी इस कोर्स में दाखिला लेना चाहते हैं, उनके लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के साथ 12वीं उत्तीर्ण होना निर्धारित है। विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं के आधार पर इस कोर्स में दाखिले की योग्यता बनती है। एमबीबीएस कर चुके विद्यार्थी भी आयुर्वेद में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में नामांकन करा सकते हैं। जिनकी रुचि शोधकार्यों में है, उन्हें सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन आयुर्वेदा एंड सिद्धा के माध्यम से मौके मिल सकते हैं।

व्यक्तिगत गुण: प्रकृति और प्राकृतिक वस्तुओं, जैसे जड़ी-बूटी, वनस्पति आदि में स्वाभाविक दिलचस्पी से आप इस क्षेत्र में आगे बढ़ सकते हैं। आपकी कम्युनिकेशन स्किल बेहतर होनी चाहिए, तभी आप लोगों को बेहतर परामर्श दे सकते हैं। रोगियों की बातों को धैर्यपूर्वक सुनने और उनके साथ बेहतर तालमेल बनाए रखने की क्षमता आवश्यक है।

मौकों की कमी नहीं

ये आप जानते हैं कि भारत में नए ट्रेंड के मुताबिक अब ऐसा वर्ग बन रहा है जो एलोपेथी की बजाय आयुर्वेद पर विश्वास कर रहा है। मध्यम और उच्च मध्यम वर्ग भी रोजमर्रा के इलाज के लिए आयुर्वेद की शरण ले रहा है। ऐसे में इस फील्ड में काफी स्कोप है। निजी और सरकारी आयुर्वेदिक अस्पतालों, क्लीनिकों में जूनियर डॉक्टरों के रूप में आयुर्वेद में प्रोफेशनल नियुक्ति पाते हैं। काम के अनुभव के साथ-साथ इस क्षेत्र में तरक्की की संभावना भी बढ़ती जाती है। इस क्षेत्र में रिसर्च के काफी काम होते हैं। ऐसे में उच्च शिक्षा प्राप्त करके रिसर्च से भी जुड़ा जा सकता है। युर्वेदिन संस्थानों में टीचिंग से संबंधित मौके भी मिलते हैं। आयुर्वेदिक क्लिनिक या आयुर्वेदिक दवाओं की दुकान खोलकर इस क्षेत्र में स्वरोजगार से भी जुड़ा जा सकता है, पर इसके लिए जरूरी है कि कहीं काम करके अनुभव प्राप्त कर लिया जाए।

जी एंटरटेनमेंट के खिलाफ आईडीबीआई बैंक की अपील पर 31 अगस्त को सुनवाई करेगा एनसीएलएटी

नई दिल्ली।
राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने गुरुवार को कहा कि वह आईडीबीआई बैंक की उस याचिका पर 31 अगस्त को सुनवाई करेगा, जिसमें 149.6 करोड़ रुपये के बकाये की वसूली के लिए जी एंटरटेनमेंट के खिलाफ दिवाला प्रक्रिया शुरू करने की मांग की गई है। इससे कुछ महीने पहले नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने सभी आपत्तियों को खारिज कर करते हुए जी एंटरटेनमेंट और सोनी इंडिया के विलय को मंजूरी दे दी थी। एनसीएलटी ने 10 मई को अपने फैसले में कहा था कि वह आईडीबीआई की याचिका पर विचार नहीं कर सकता क्योंकि यह दिवाला और ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) की धारा 10ए के तहत प्रतिबंधित है। धारा 10ए में कहा गया है कि 25 मार्च, 2020 को या उसके बाद उत्पन्न होने वाली किसी भी चूक के लिए किसी भी वित्तीय और परिचालन लेनदार की ओर से किसी भी देनदारी के खिलाफ एक वर्ष की अवधि के लिए कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) करने से संबंधी कोई आवेदन दायर नहीं किया जा सकता है। आईडीबीआई बैंक ने दिसंबर 2022 में मुंबई पीठ के समक्ष याचिका दायर की थी। आईडीबीआई बैंक ने कंपनी के खिलाफ कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया शुरू करने के लिए एनसीएलटी के समक्ष ऋणशोधन अक्षमता और दिवालियापन संहिता, 2016 की धारा 7 के तहत आवेदन दायर किया है। आईडीबीआई बैंक का दावा जी समूह के ऋण सेवा आरक्षित खाते (डीएसआरए) की गारंटी पर आधारित है। सार्वजनिक क्षेत्र के ऋणदाता ने आरोप लगाया कि ज़ी ने आईडीबीआई बैंक की ओर से सिटी नेटवर्क्स लिमिटेड को प्रदान किए गए ऋण को सिटी नेटवर्क लिमिटेड को दे दिया। दोनों कंपनियां उस समय एस्सेल समूह का हिस्सा थे। आईडीबीआई बैंक ने एनसीएलटी के समक्ष जोर देकर कहा कि उसका दावा इंडसइंड बैंक के समान है और इस आधार पर आवेदन को स्वीकार किया जाना चाहिए। इंडसइंड बैंक ने भी जी के खिलाफ इसी तरह की याचिका दायर की थी, जिसे एनसीएलटी ने 22 फरवरी को स्वीकार कर लिया था। हालांकि, राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने एनसीएलटी के आदेश के खिलाफ मीडिया कंपनी को राहत दे दी।

न्यूज ब्रीफ

ऑनलाइन गेमिंग पर 28प्रतिशत जीएसटी का असर: गेमिंग प्लेटफॉर्म्स को चुकाना होगा 45 हजार करोड़ बकाया टैक्स, जल्द जारी हो सकते हैं नोटिस

नई दिल्ली। ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म्स से 28प्रतिशत जीएसटी के हिसाब से बकाया टैक्स की वसूली शुरू होने वाली है। सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्सेस एंड कस्टम्स के अधिकारियों के मुताबिक, 1 जुलाई 2017 को जीएसटी लागू होने के बाद से इन कंपनियों ने 5,000 करोड़ रुपए से भी कम का टैक्स चुकाया है। इन पर कुल टैक्स की वास्तविक देनदारी 50 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की बनती है। इस लिहाज से इन कंपनियों से 45,000 करोड़ का टैक्स और वसूला जाएगा। अप्रत्यक्ष कर विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, टैक्स संबंधी ताजा घोषणा के बाद ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म्स पर जीएसटी देनदारी को लेकर स्थिति साफ हो गई है। इन्हें 28प्रतिशत की दर से ही जीएसटी चुकाना होगा। पहले 18प्रतिशत की दर से चुकाए गए टैक्स का बकाया भी देना होगा। गौरतलब है कि इस साल 11 जुलाई को जीएसटी काउंसिल ने फैसला किया था कि चाहे गेमिंग स्किल आधारित हो या चांस आधारित, उस पर लगाए गए दांव की पूरी फेस वैल्यू पर 28प्रतिशत की दर से ही जीएसटी लगेगा। जीएसटी खुफिया महानिदेशालय जल्द ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म्स को नोटिस जारी कर सकता है। इनमें वैसी विदेशी गेमिंग कंपनियां शामिल हैं, जिन्होंने 12 हजार करोड़ से अधिक की टैक्स चोरी की है। गेम्सकार्ट को पहले ही 21 हजार करोड़ की डिमांड भेजी जा चुकी है। कुछ ऑनलाइन गेमिंग कंपनियां भारत में हुई कमाई को क्रिप्टोकरंसी में बदलकर शेल (मुखौटा) कंपनियों के नेटवर्क से विदेश भेज रही हैं। मुंबई में ऐसे एक नेटवर्क का पता लगाया है। इस नेटवर्क ने गेमिंग ऐप्स के भारतीय यूजर्स से कमाए 700 करोड़ रुपए से ज्यादा के फंड को क्रिप्टोकरंसी में बदलकर विदेश भेज दिया था।

उड़ान योजना 774 में से 54 रूट्स पर ही चली: सीएजी रिपोर्ट में हुआ खुलासा; छोटे शहरों को हवाई मार्ग से जोड़ना था लक्ष्य

नई दिल्ली। सस्ते किराए में हवाई यात्रा करवाने का दावा करने वाली उड़ान योजना निराशाजनक रही है। देश के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की ऑडिट रिपोर्ट में रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम की तीन चरणों में जांच की गई। इसमें सामने आया है कि उड़ान योजना के तहत देशभर में कुल 774 रूट्स चुने गए थे, लेकिन 403 रूट्स पर उड़ान शुरू नहीं हो पाई। जिन 371 रूट पर संचालन शुरू हुआ, उनमें से सिर्फ 112 रूट ही 3 साल ऑपरेशन जारी रख पाए। ज्यादातर रूट्स इससे पहले ही बंद हो गए। मार्च 2023 तक आते-आते सिर्फ 54 रूट्स पर संचालन टिका रहा। उड़ान योजना 2017 में लॉन्च हुई थी। इसका उद्देश्य दूर दराज के इलाकों को हवाई मार्ग से जोड़ना और छोटे शहरों में कनेक्टिविटी बेहतर करना है।

पीएफसी की सीएमडी चुनी गईं परमिंदर चोपड़ा, महारत्न एनबीएफसी का नेतृत्व करने वाली पहली महिला बनीं

नई दिल्ली । पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन ने परमिंदर चोपड़ा को चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर नियुक्त किया है। उनके नियुक्ति 14 अगस्त 2023 से प्रभावी हुई । चोपड़ा देश की सबसे बड़ी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) का नेतृत्व करने वाली पहली महिला बन गई हैं। परमिंदर चोपड़ा इससे पहले जून से सीएमडी का अतिरिक्त प्रभार संभाल रही थीं, साथ ही वे निदेशक (वित्त) के रूप में भी काम कर रही थीं। निदेशक (वित्त) के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान वित्त प्रभाग ने अपना उच्चतम शुद्ध लाभ, उच्चतम नेट वर्थ और सबसे कम एनपीए का स्तर हासिल किया। इससे पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन को महारत्न का सर्वोच्च दर्जा प्राप्त हुआ। उन्होंने बिजली वितरण क्षेत्र के लिए 1.12 लाख करोड़ रुपये की तरलता निवेश योजना के सफल कार्यान्वयन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसे आत्मनिर्भर भारत के हिस्से के रूप में शुरू किया गया था। परमिंदर चोपड़ा के पास बिजली और वित्तीय क्षेत्रों में काम करने का 35 से अधिक वर्षों का अनुभव है। पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन में चोपड़ा ने बैंकिंग, ट्रेजरी, संपत्ति देयता प्रबंधन और तनावग्रस्त संपत्ति समाधान जैसे प्रमुख वित्तीय कार्यों का नेतृत्व किया है।

चंद्रयान-3 का लैंडर दोपहर 1 : 15 बजे प्रोपल्शन से अलग हुआ

अब लैंडर की रफ्तार धीमी की जाएगी, 23 अगस्त को चांद पर लैंड करेगा

बेंगलुरु।
इसरो ने बजे चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल को लैंडर और रोवर से अलग कर दिया। अब प्रोपल्शन मॉड्यूल चंद्रमा की कक्षा में रहकर धरती से आने वाले रेडिएशन्स का अध्ययन करेगा जबकि लैंडर-रोवर 23 अगस्त को शाम 5: 47 बजे चंद्रमा की सतह पर उतरेंगे। यहां वो 14 दिन तक पानी की खोज सहित अन्य प्रयोग करेंगे। सेपरेशन के बाद विक्रम लैंडर ने प्रोपल्शन मॉड्यूल से कहा- थैंक्स फॉर द राइड मेट। इसरो ने बताया कि लैंडर और प्रोपल्शन मॉड्यूल के अलग होने के बाद अब शुक्रवार शाम करीब 4 बजे लैंडर को डीबूस्टिंग के जरिए थोड़ी निचली कक्षा में लाया जाएगा। इससे पहले 16 अगस्त को सुबह करीब 08: 30 बजे यान के थ्रस्टर कुछ देर के लिए फायर किए गए थे। इसके बाद चंद्रयान कक्षा में आ गया था। यानी चंद्रयान की चंद्रमा से सबसे कम दूरी 153 केएम और सबसे ज्यादा दूरी 163 किलोमीटर हो गई थी।

सॉफ्ट लैंडिंग के लिए चंद्रयान-3 को 90 डिग्री घूमना होगा

प्रोपल्शन मॉड्यूल से अलग होने के बाद अब लैंडर को डीबूस्ट किया जाएगा। यानी उसकी रफ्तार धीमी की जाएगी। यहां से चंद्रमा की न्यूनतम दूरी 30 किमी रह जाएगी। सबसे कम दूरी से ही 23 अगस्त को चंद्रयान की सॉफ्ट लैंडिंग की कोशिश की जाएगी। लैंडर को 30 किमी की ऊंचाई से चंद्रमा की सतह पर लैंड कराने तक की यह प्रक्रिया बहुत महत्वपूर्ण होगी। उसे परिक्रमा करते हुए 90 डिग्री कोण पर चंद्रमा की तरफ चलना शुरू करना होगा। लैंडिंग की प्रक्रिया की शुरुआत में चंद्रयान-3 की रफ्तार करीब 1.68 किमी प्रति सेकेंड होगी। इसे थ्रस्टर की मदद से कम करते हुए सतह पर सुरक्षित उतारा जाएगा।

5 अगस्त को चंद्रमा की कक्षा में पहुंचा था यान

22 दिन के सफर के बाद चंद्रयान 5 अगस्त को शाम करीब 7: 15 बजे चंद्रमा की कक्षा में पहुंचा था। तब उसकी स्पीड कम की गई थी ताकि यान चंद्रमा की ग्रैविटी में कैप्चर हो सके। स्पीड कम करने के लिए इसरो वैज्ञानिकों ने यान के फेस को पलटकर थ्रस्टर 1,835 सेकेंड यानी करीब आधे घंटे के लिए फायर किए। ये फायरिंग शाम 7: 12 बजे शुरू की गई थी।

चंद्रयान ने चांद की तस्वीरें कैप्चर कीं

चंद्रयान ने जब पहली बार चंद्रमा की कक्षा में एंट्री की थी तो उसकी ऑर्बिट 164 केएम × 18,074 केएम थी। ऑर्बिट में प्रवेश करते समय उसके ऑनबोर्ड कैमरों ने चांद की तस्वीरें भी कैप्चर की थीं। इसरो ने अपनी वेबसाइट पर इसका एक वीडियो बनाकर शेयर किया। इन तस्वीरों में चंद्रमा के क्रेटर्स साफ-साफ दिख रहे हैं।

थ्रस्टर तब फायर किए जब ऑर्बिट में चंद्रमा के सबसे करीब था चंद्रयान

इसरो ने बताया था कि पेरिल्यून में रेट्रो-बर्निंग का कमांड मिशन ऑपरेशंस कॉम्प्लेक्स बेंगलुरु से दिया गया था। पेरिल्यून यानी वह पॉइंट जिस पर चंद्र कक्षा में एक यान चंद्रमा के सबसे करीब होता है। रेट्रो-बर्निंग यान के थ्रस्टर को अपोजिट डायरेक्शन में फायर करने को कहा जाता है। यान की स्पीड धीमी करने के लिए अपोजिट डायरेक्शन में थ्रस्टर फायर किए जाते हैं।

नई कार कैश की जगह लोन पर खरीदना बेहतर: डाउन पेमेंट के बाद बची रकम को अच्छी स्कीम में करें निवेश

नई दिल्ली। नई कार नकद खरीदने से हर महीने ईएमआई चुकाने का झंझट और सिर पर कर्ज का बोझ नहीं रहता। लेकिन लोन लेकर कार खरीदना फायदेमंद हो सकता है। डाउन पेमेंट के बाद बची रकम अच्छी स्कीम में निवेश करने से जितने वक्त में कार की ईएमआई चुकेगी, उतने समय में लोन पर चुकाए गए ब्याज से ज्यादा रिटर्न मिल सकता है। यदि आपने लॉन्ग टर्म यानी 5 साल से ज्यादा समय के लिए निवेश कर रखा है तो कार खरीदने के लिए इसे तुड़वाना ठीक नहीं है। हालांकि, यदि आपने वह निवेश कार खरीदने के लिए ही किया है तो बात अलग है। यदि आपके पास कार की कीमत एकमुश्त चुकाने लायक रकम है। तो इससे कार खरीदने के बजाय इमरजेंसी के लिए बचाकर रखें या लिक्विड फंड में निवेश करें। एक्सपर्ट्स के अनुसार हमेशा कम-से-कम छह महीनों के वेतन के बराबर इमरजेंसी फंड होना चाहिए। मान लीजिए आप 15 लाख रुपए की कार लेना चाहते हैं और आपके पास इतनी रकम है। आप चाहें तो 5 लाख डाउन पेमेंट करके 10 लाख निवेश कर सकते हैं। कई वित्तीय संस्थान 100प्रतिशत लोन भी देते हैं। आप पूरे 15 लाख निवेश करके, 15 लाख लोन ले सकते हैं।

एडिडास के साथ मिलकर प्रीमियम शूज बनाएगी बाटा

दोनों कंपनियों के बीच पार्टनरशिप को लेकर बातचीत जारी, इस खबर से बाटा का शेयर 6प्रतिशत चढ़ा

नई दिल्ली।
भारत की दिग्गज शूमेकर कंपनी बाटा जल्द ही स्पोर्ट्स वियर मैन्युफैक्चरर एडिडास के साथ इंडियन मार्केट के लिए स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप करने का प्लान कर रही है। अपनी एक रिपोर्ट में बताया कि अभी दोनों कंपनियों के बीच बातचीत एडवांस्ड स्टेज पर है और फाइनल डील की रूपरेखा पर काम चल रहा है।

इस खबर से बाटा के शेयर में 6प्रतिशत से ज्यादा की तेजी

इस खबर के आने के बाद कंपनी के शेयर में 6प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखने को मिल रही है। अभी बाटा का शेयर 6.08प्रतिशत बढ़कर 1,747 रुपए पर कारोबार कर रहा है। कंपनी के शेयर में बीते छह महीने में 20प्रतिशत से ज्यादा की तेजी आई है।

भविष्य में प्रॉफिटेबल ग्रोथ के लिए खाका तैयार हो गया है

बाटा इंडिया लिमिटेड की एमडी और सीईओ गुंजन शाह ने कहा, कैजुअलाइजेशन और प्रीमियमाइजेशन की हमारी स्ट्रेटजी रिटेल नेटवर्क में विस्तार करने और कोर टेक्नोलॉजी में इन्वेस्टमेंट में तेजी लाने की है। हमारा मानना है कि भविष्य में प्रॉफिटेबल ग्रोथ के लिए खाका तैयार हो गया है। गुंजन शाह ने कहा, बाटा इंडिया में हम हमेशा अपने स्टोर और वेबसाइट पर कस्टमर एक्सपीरियंस को बेहतर बनाने के लिए पहल लागू करते रहते हैं। हमने कंज्यूमर्स के लिए बाटा शू केयर प्रोग्राम, बाय नाउ पे लेटर और बाटा वॉलेट जैसे इनोवेशन की एक सीरीज पेश की है।

हमे आगे चलकर डिमांड में फिर से बढ़ोतरी की उम्मीद

उन्होंने आगे कहा, हम सभी ऑपरेशंस में कॉस्ट एफिशिएंसी और अपने रिसोर्स को बेस्ट बनाने पर हमेशा फोकस करते हैं। हमे आगे चलकर डिमांड में फिर से बढ़ोतरी की उम्मीद है। हम टियर 3-5 शहरों, डिजिटल चैनलों में विस्तार करना जारी रखेंगे। इसके अलावा कस्टमर एक्सपीरियंस और ब्रांड मार्केटिंग को बेहतर बनाने में निवेश करेंगे। बाटा इंडिया ने खुद को भारत के सबसे बड़े फुटवियर रिटेलर के रूप में स्थापित किया है। कंपनी के भारत में करीब 700 शहरों में 2,100 से ज्यादा स्टोर्स का इसका रिटेल नेटवर्क, इसे पूरे देश में वाइड रीच प्रोवाइड करता है।

सोने-चांदी में गिरावट: साढ़े 58 हजार के नीचे आया सोना

नई दिल्ली।
सर्राफा बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोने के दाम 360 रुपए गिरकर 58,476 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गए हैं। वहीं 22 कैरेट सोने की कीमत 53,564 रुपए रह गई है।

70 हजार के नीचे आई चांदी

वेबसाइट के अनुसार चांदी की कीमत में भी बड़ी गिरावट देखने को मिली है। ये 401 रुपए फिसलकर 69,840 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। इससे पहले शुक्रवार को ये 70,241 रुपए पर थी। केडिया एडवायजरी के डायरेक्टर अजय केडिया के अनुसार कुछ महीने हल्की राहत के बाद एक बार फिर महंगाई बढ़ने लगी है। इसे कम करने के लिए अमेरिका और यूरोप में ब्याज दरें बढ़ाने का सिलसिला जारी है। इस बीच शेयर बाजार तेजी के सारे रिकॉर्ड तोड़ने के बाद मुनाफा वसूली के दबाव में है। इससे सोने में निवेश की जमीन तैयार हो रही है। दो साल में यह 27प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न दे सकता है। वायदे में सोना अभी 60,000 रुपए और सर्राफा बाजार में 59,500 रुपए से नीचे है। इस साल यह 65,000 और जून 2025 तक 75,000 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकता है। अभी निवेश करने पर दो साल में सोना 27प्रतिशत रिटर्न दे सकता है।

देश में हर साल 800 टन सोने की खपत

हमारे देश में हर साल 800 टन सोने की खपत (डिमांड) होती है। इसमें से सिर्फ 1 टन का उत्पादन भारत में होता है और बाकी आयात किया जाता है। चीन के बाद भारत में ही सोने की सबसे ज्यादा खपत होती है।

भारत के घरों में अमेरिका के सरकारी खजाने से 3 गुना ज्यादा सोना

वहीं वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत के घरों में 2019 में 25,000 टन से ज्यादा सोना था और डिपार्टमेंट ऑफ द ट्रेजरी ब्यूरो ऑफ द फिस्कल सर्विस के 2021 के डेटा के मुताबिक अमेरिका के सरकारी खजाने में 8,000 टन से ज्यादा सोना जमा है।

सीबीडीटी ने इंश्योरेंस इनकम के टैक्स नियमों में किया बदलाव: इनकम फ्रॉम अदर सोर्सेस माना जाएगा 5 लाख रुपए से ज्यादा प्रीमियम वाला मैच्योरिटी अमाउंट

नई दिल्ली।
सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेस ने 5 लाख रुपए सालाना प्रीमियम वाली लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी के नियमों में बदलाव किया है। नए नियमों के तहत टैक्स एक्ट के सेक्शन 10(10) के तहत उन्हीं पॉलिसियों पर टैक्स छूट मिलेगी, जिनकी सालाना प्रीमियम राशि 5 लाख रुपए से कम है। नए नियम 1 अप्रैल 2023 से लागू होंगे। इनकम टैक्स एक्ट की धारा 10 लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी पर मिलने वाले बोनस और दूसरी राशि पर टैक्स छूट देती है। इस नियम मे रेंट अलाउंस, ट्यूशन फीस अलाउंस, ट्रैवल अलाउंस, इंश्योरेंस पॉलिसी प्रीमीयम, ग्रेच्युटी जैसे खर्चों पर टैक्स छूट मिलती है, जो नए नियमों के बाद नहीं मिलेगी। हालांकि, किसी व्यक्ति की मृत्यु पर मिलने वाली किसी भी राशि पर टैक्स छूट जारी रहेगी। इनकम फ्रॉम अदर सोर्सेस माना जाएगा 5 लाख से ज्यादा प्रीमियम वाला मैच्योरिटी अमाउंट नए फार्मूले के अनुसार, अब 5 लाख रुपए सालाना से ज्यादा वाले बीमा की मैच्योरिटी इनकम को इनकम फ्रॉम अदर सोर्सेस माना जाएगा। इनकम टैक्स की धारा 10 में बीमा के प्रीमियम और उसपर मिलने वाली मैच्युरिटी अमाउंट पर कई तरह की टैक्स छूट मिलती थीं, जो अब नहीं मिलेंगी। ऐसे में जो लोग बीमा प्रीमियम के नाम पर टैक्स छूट लेते रहे हैं, उन्हें अब कोई छूट नहीं मिलेगी।

सीबीडीटी ने नए नियमों को ऐसे समझाया है।

उदारहरण-1 वह पॉलिसी जो टैक्स अधिनियम की धारा 10(10) के शर्तों को पूरा करती है, उसमें टैक्स छूट दी जाएगी। क्योंकि पॉलिसी 1 अप्रैल, 2023 से पहले जारी की गई है। भले ही सालाना प्रीमियम की राशि 5 लाख रूपए से ज्यादा है।

उदारहरण-2 अगर टैक्सपेयर ने 2033-34 के पहले किसी भी एलिजिबल पॉलिसी पर छूट नहीं ली है, तो इस मामले में अधिनियम की धारा 10(10) के तहत उसे कोई छूट नहीं मिलेगी। क्योंकि, सालाना प्रीमियम की राशि 5 लाख रूपए से ज्यादा है और पॉलिसी 1 अप्रैल 2023 के दिन या उसके बाद ली गई है।

उदारहरण-3 अगर टैक्सपेयर ने 2033-34 के पहले किसी भी एलिजिबल पॉलिसी पर छूट नहीं ली है, तो इस मामले में अधिनियम की धारा 10(10) के तहत उसे टैक्स में छूट मिलेगी। क्योंकि, सालाना प्रीमियम राशि 5 लाख रुपए से कम है।

नौ दिनों में 1400 करोड़ ठगे; पुलिस को पता चलने से पहले देश से भागा चीनी नागरिक, यूपी से भी कनेक्शन

नई दिल्ली।
गुजरात पुलिस ने डिजिटल तरीके से धोखाधड़ी करने के एक चौंकाने वाले मामले का खुलासा किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार एक चीनी नागरिक ने भारत पहुंच गुजरात में अपने सहयोगियों के साथ मिलकर एक फुटबॉल सट्टेबाजी का ऐप बनाया। इस एप का इस्तेमाल कर उत्तरी गुजरात के 1,200 पीड़ितों को फंसाकर, उनसे लगभग 1,400 करोड़ रुपये की ठगी कर ली गई। ठगी के इस पूरे खेल को महज नौ दिनों के अंदर अंजाम दिया गया।

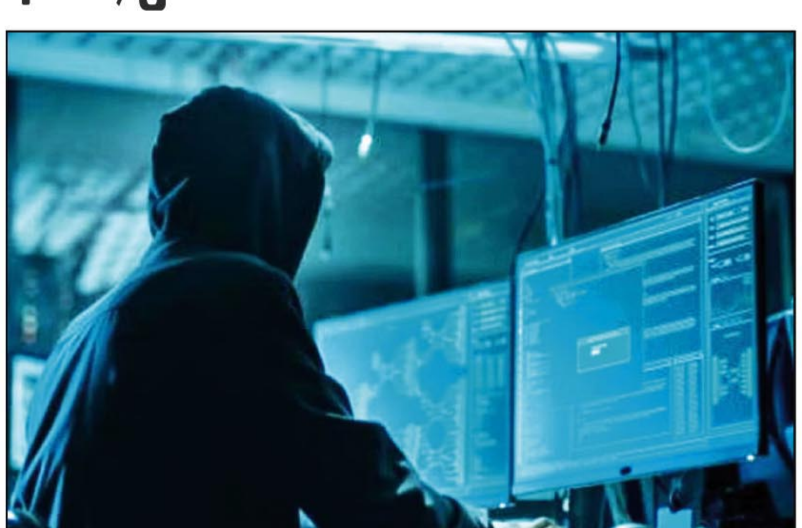

रिपोर्ट्स के अनुसार गुजरात पुलिस ने ठगी की खबर मिलने के बाद इस घटना का खुलासा करने के लिए एसआईटी टीम गठित की। पुलिस की तहकीकात में चीन के शेनझेन क्षेत्र के रहने वाले वू उयानबे नाम सामने आया। इस शख्स पर गुजरात के पाटन और बनासकांठा जिले में लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी करने का आरोप है।

सीआईडी (अपराध) अधिकारियों ने कहा कि उन्हें जून 2022 में धोखाधड़ी के बारे में पता चला तब उन्होंने पाया कि कुछ ठग दानी डेटा ऐप के माध्यम से गुजरात और उत्तर प्रदेश में लोगों को निशाना बना रहे थे। आगरा पुलिस ने जांच शुरू की और सीआईडी (क्राइम) टीम ने उत्तरी गुजरात में कई लोगों से लिंक का पता लगाया।

उन्होंने कहा, हमारी जांच के दौरान हमें पता चला कि चीनी नागरिक 2020 और 2022 के बीच भारत में था। उसने पाटन और बनासकांठा में समय बिताया, जहां उन्होंने कई स्थानीय लोगों से मुलाकात की और उन्हें पैसे का लालच दिया। इसके बाद उसने और गुजरात में उसके अन्य साथियों ने मई 2022 में एप लॉन्च किया।

इसने दांव लगाने के लिए लोगों को आमंत्रण दिया और पर्याप्त रिटर्न का वादा किया। अधिकारी ने कहा कि औसतन, उयानबे प्रति दिन 200 करोड़ रुपये की ठगी करने में कामयाब रहा, उसे मुख्य रूप से फुटबॉल गेम के माध्यम से 15 से 75 वर्ष की आयु के लोगों को अपना शिकार बनाया। कुछ समय बाद लोगों को एहसास हुआ कि उनके निवेश किए गए पैसों की हेराफेरी की गई है।

सीआईडी (अपराध) साइबर सेल ने बाद में मामले से जुड़े नौ लोगों को गिरफ्तार किया, इन लोगों ने कथित तौर पर मुखौटा कंपनियों की स्थापना करके हवाला नेटवर्क के माध्यम से धन जुटाने में उयंबे की मदद की। हालांकि, पाटन में आईटी अधिनियम के तहत धोखाधड़ी और उल्लंघन के लिए एफआईआर दर्ज करने के बाद अगस्त 2022 में जब तक गुजरात पुलिस हरकत में आई, तब तक साजिशकर्ता गायब हो चुका था, और चीन लौटने के लिए भारत से बाहर निकल चुका था। सीआईडी (अपराध) उयानबे के खिलाफ पर्याप्त सबूत इकट्ठा नहीं कर सकी, और राज्य ने अभी तक उसके प्रत्यर्पण की प्रक्रिया को आगे नहीं बढ़ाया है। पुलिस सूत्रों ने कहा कि मास्टरमाइंड चीन के शेन्ज़ेन, हांगकांग और सिंगापुर जैसे पड़ोसी क्षेत्रों में अपने नेटवर्क को ऑपरेट कर रहा है। वह अब भी धोखाधड़ी के लिए कई एप का संचालन करता करता है। मार्च में सीआईडी (अपराध) ने इस मामले में आरोपपत्र दायर किया था।

अली ने चित्रकार सलमान से शादी की अफवाहों को किया खारिज

पाकिस्तानी गायक अली सेठी ने न्यूयॉर्क स्थित चित्रकार सलमान तूर से शादी करने की अफवाहों पर विराम लगा दिया। अली ने इंस्टाग्राम पर अपनी शादी की अटकलों पर चुप्पी तोड़ी। अली ने सलमान से न्यूयॉर्क में शादी करने के दावों को खारिज कर दिया। उन्होंने लिखा, मैं शादीशुदा नहीं हूं। मुझे नहीं पता कि यह अफवाह किसने उड़ाई। लेकिन शायद उन्हें मेरी नई रिलीजः पानिया की मार्केटिंग में मदद करनी चाहिए। उन्होंने अपने नवीनतम गीत का एक लिंक जोड़ा। पत्रकार नजम सेठी और जुगनू मोहसिन के घर जन्मे अली ने 2009 में द विश मेकर नामक उपन्यास से अपने करियर की शुरूआत की इसके बाद उन्होंने 2012 में फिल्मों की ओर रुख किया। उन्होंने मीरा नायर की द रिलक्टेंट फंडामेंटलिस्ट के गाने दिल जलाने की बात करते हो से डेब्यू किया। इसके बाद उन्होंने लोकप्रिय गजलों के साथ-साथ पारंपरिक पंजाबी लोक गीत भी गाए। उन्होंने कई मौलिक संगीत भी प्रस्तुत किये हैं। उनके सबसे उल्लेखनीय गाने आका, रंजिश ही सही, चैन किथन, गुलों में रंग और चांदनी रात है। कोक स्टूडियो के लिए उनका सिंगल पसूरी हिट हो गया और स्पॉटीफाई के वायरल 50 - ग्लोबल चार्ट में शामिल हो गया।

बातें कुछ अनकही सी में वंदना की एंट्री

टीआरपी लिस्ट में टीवी शोज अनुपमा से लेकर ये रिश्ता क्या कहलाता है तक का जलवा है। ऐसे में अब अनुपमा और अक्षरा ने वंदना का स्वागत किया है। बता दें कि वंदना, स्टार प्लस के नए शो बातें कुछ अनकही सी की लीड कैरेक्टर है। शो में मोहित मलिक और सायली सालुंखे लीड एक्टर्स हैं। स्टार प्लस ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में बातें कुछ अनकही सी गाने पर अनुपमा और अक्षरा डांस करती दिख रही हैं। इसके बाद वंदना की एंट्री होती है और तीनों बातें करती हैं। ये दोनों वंदना का बेहद प्यार से स्वागत करती दिख रही हैं। बातें कुछ अनकही सी एक मेलोडी से भरा शो होगा। यह अनुपमा और अक्षरा का वंदना के स्वागत का तरीका है, जो सभी को पसंद आ रहा है। यह पहली बार है जब दर्शकों को अनुपमा, अक्षरा और वंदना को एक साथ स्क्रीन पर देखने का मौका मिलेगा। सोशल मीडिया यूजर्स तीनों को साथ में देखने के लिए काफी एक्साइटिड हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक राजन शाही द्वारा निर्मित यह शो उनके सभी शोज से अलग है।

गदर-2 ने बॉक्स ऑफिस पर रच दिया नया इतिहास

-पांचवें दिन किया 60 करोड़ का कारोबार

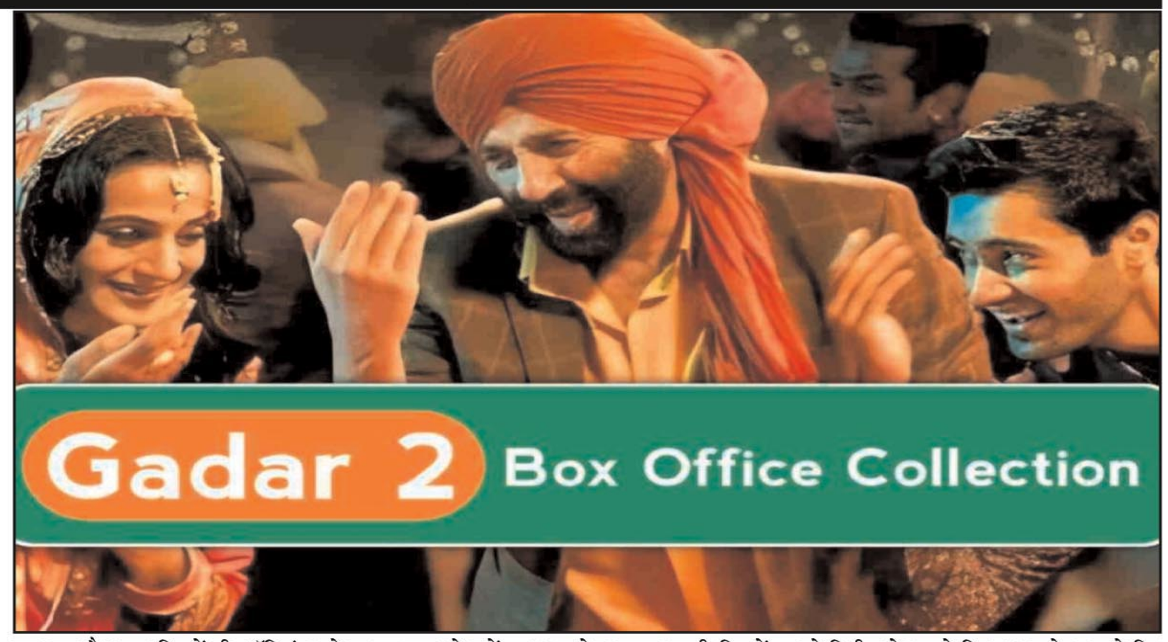

मुंबई (ईएमएस)। बीते 11 अगस्त को प्रदर्शित हुई गदर-2 स्वतंत्रता दिवस सप्ताह में बॉक्स ऑफिस पर नया इतिहास रच दिया है। कल 15 अगस्त के दिन गदर-2 ने बॉक्स आफिस पर 60 करोड़ का कारोबार करते हुए पांचवें दिन के कारोबार का एक नया बैंच मार्क स्थापित किया है। एक्टर सनी देओल अभिनीत और अनिल शर्मा निर्देशित गदर-2 को लेकर यह तो तय नजर आ रहा था कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल होगी लेकिन यह अनिल शर्मा और सनी देओल के करियर की सबसे बड़ी फिल्म बन जाएगी इसकी उम्मीद कुछ कम थी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर लगातार धूम मचा रही है। एक अरसे बाद सिनेमाघरों के बाहर हाउसफुल के बोर्ड नजर आ रहे हैं। दर्शक इस फिल्म को जबरदस्त एंजॉय कर रहे हैं। थिएटर्स में सनी देओल (तारा सिंह) के संवाद और एक्शन सीन लोगों को सीटियां बजाने पर मजबूर कर रहे हैं। 26 जनवरी के मौके पर प्रदर्शित हुई शाहरुख खान की पठान और अब सनी देओल की गदर-2 की सफलता ने देश के उन सिनेमाघरों में फिर से रौनक लौटाने में सफलता प्राप्त की है जिन्हें सिंगल स्क्रीन के तौर पर जाना जाता है। इन मास एंटरटेनर फिल्मों ने छोटे शहरों के दर्शकों को सिंगल स्क्रीन थिएटर तक खींचकर लाने का काम किया है। गदर 2 सिंगल स्क्रीन समेत एग्जीबिशन सेक्टर को ऑक्सीजन देने वाली फिल्म साबित हुई है। यह एक मास बेस्ड फिल्म है, जो एक अरसे बाद बनी है, वहीं पिछले कुछ सालों से कंटेंट ड्रिवेन सिनेमा बना रहा है। मास फिल्में ही ऑडिएंस को घर से निकाल सिनेमाघर लाती हैं। वो आ नहीं रही थीं तो ऑडिएंस भी सिनेमाघरों में नहीं आ रहीं थी। ऐसे में जब केजीएफ, केजीएफ-2, पुष्पा और पठान जैसी फिल्में आईं तो फिर से ऑडियंस ने सिनेमाघरों का रुख किया था। इन एक्शन फिल्मों के अलावा जब तू झूठी मैं मक्कार और रॉकी रानी की प्रेम कहानी को मास ऑडिएंस के मद्देनजर बनाया और रिलीज किया गया तो हमें 100 करोड़ क्लब वाली फिल्में मिलीं। बहरहाल हम बात करते हैं फिल्म की 5वें दिन की कमाई की। प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार मंगलवार को गदर 2 ने देशभर में लगभग 60 करोड़ रुपए का कारोबार किया है। हालांकि अभी तक इसके आधिकारिक आंकड़े जारी नहीं किए गए हैं। इसके साथ ही फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर अभी तक 234 करोड़ रुपए का बिजनेस कर लिया है। फिल्म ने 11 अगस्त को रिलीज के पहले दिन 40 करोड़, दूसरे दिन 43 करोड़, तीसरे दिन 52 करोड़ तथा चौथे दिन 39 करोड़ का कलेक्शन किया।सनी 66 साल की उम्र में भी वही जोश-खरोश दिखाने में सफल रहे जो उन्हें 22 साल पहले गदर में दिखाया था। अमीषा पटेल, उत्कर्ष शर्मा, सिमरत कौर, मनीष वाधवा सहित अन्य कलाकार भी अपने किरदार के साथ न्याय करने में कामयाब हुए।

निक के लाइव परफोमर्स के दौरान......क्यों रोने लगी प्रियंका

न्यूर्याक (ईएमएस)। देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक अपनी अभियन की छाप छोड़ी है। इन दिनों वह अपनी बेटी मालती मैरी जोनस चोपड़ा संग पति निक जोनस के साथ उनके वर्ल्ड टूर पर उन्हें चीयर कर रही हैं। जोनस ब्रदर्स के कॉन्सर्ट की शुरूआत न्यूयॉर्क के यांकी स्टेडियम से हुई। निक के लाइव कॉन्सर्ट से प्रियंका का एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है, जिसमें वह आंखें पोंछती नजर आ रही हैं। प्रियंका के साथ उनकी भाभी डेनियल जोनस और सोफी भी वहां मौजूद थे। प्रियंका ने इसके पहले निक की एक फोटो इंस्टा स्टोरी पर पोस्ट की थी, जिसके साथ उन्होंने लिखा था, मेरा दिल..मुझे तुम पर बहुत गर्व है निक जोनस। दरअसल निक जोनस की एक फैन ने कुछ ऐसी हरकत कर दी जिसे देख लोग काफी नाराज हो गए। इस दौरान प्रियंका भी वहीं मौजूद थी। वीडियो में देखा जा सकता है कि निक स्टेज पर गाना गा रहे हैं तभी एक फैन ने उन पर ब्रा फेंक दी। फैन की यह हरकत देख निक पहले कुछ देर के लिए रुक गए और फिर वापस गाना शुरू कर दिया। फैंस इससे आहत हैं। यूजर्स का कहना है कि फैंस को कलाकारों का सम्मान करना सीखना होगा। इससे पहले प्रियंका जब कॉन्सर्ट में पहुंची तब फैन उन्हें देखकर बेकाबू हो गए और उन्हें चारों तरफ से घेर लिया।

बिग बॉस ओटीटी सीजन 2 के विजेता बने एल्विश यादव

- शहनाज गिल ने नोट लिखकर दी बधाई

मुंबई (ईएमएस)। सलमान खान के विवादित रियलिटी शो बिग बॉस ओटीटी सीजन 2 को अपना विजेता मिल गया है। दो माह के लंबे सफर के बाद 14 अगस्त की रात शो ने विनर के नाम की घोषणा की गई। बिग बॉस ओटीटी सीजन 2 के विजेता एल्विश यादव बने हैं, जो बेहद पॉपुलर यूट्यूबर और इन्फ्लुएंसर हैं। शो में उनकी पॉपुलैरिटी ने उन्हें ताबड़तोड़ वोट्स दिलाए। बिग बॉस ओटीटी का विनर बनने के साथ ही एल्विश ने एक और रिकॉर्ड अपने नाम किया है। वहीं एल्विश को बिग बॉस ओटीटी 2 जीतने पर चौतरफा बधाइयां मिल रही हैं। इस लिस्ट में अब बॉलीवुड अभिनेत्री और बिग बॉस की एक्स कंटेस्टेंट शहनाज गिल का नाम भी शामिल है। एल्विश की जीत पर शहनाज खुश हैं। उन्होंने एक नोट लिखकर उन्हें बधाई दी। शहनाज ने लिखा, बिग बॉस ओटीटी 2 जीतने पर एल्विश आपको बधाई हो। आपने आज सच में इतिहास रच दिया है...पहली वाइल्ड कार्ड एंट्री, जो शो का विजेता बना है। बिग बॉस के घर में एल्विश और अभिषेक मल्हान के बीच गहरी बॉन्डिंग देखने को मिली थी। शो में दोनों अक्सर मस्ती करते हुए नजर आते थे। हालांकि, फिनाले तक आते-आते विनर बनने की होड़ ने दोनों के बीच थोड़ी दूरियां ला दी। वहीं, अब शो खत्म होने के बाद अभिषेक ने एल्विश को उनकी जीत पर बधाई दी।

चॉकलेटी बॉय कार्तिक आर्यन को मिला शादी का प्रपोजल

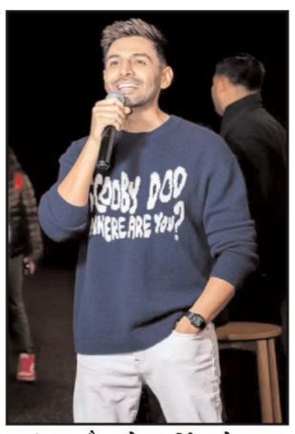

मुंबई (ईएमएस)। मेलबर्न में चॉकलेटी बॉय कार्तिक आर्यन को शादी का प्रपोजल मिला है। बाद में हालांकि फैंस ने सिर्फ गले मिलकर ही काम चला लिया। बता दें कि फिल्म सत्यप्रेम की कथा के प्रीमियर पर एक बेहद ही दिलचस्प वाकया हुआ। बॉलीवुड के चॉकलेटी बॉय कार्तिक आर्यन को यहां एक लड़की ने शादी का प्रपोजल दे दिया। गौरतलब है कि अभिनेता कार्तिक आर्यन ने मेलबर्न में भारतीय फिल्म महोत्सव में हिस्सा लिया। जहां उनकी फिल्म सत्यप्रेम की कथा का प्रीमियर रखा गया। कार्तिक यहां अपने फैंस के बीच छाए रहे। अभिनेता ने यहां अपने प्रशंसकों के सवालों के जवाब भी दिए। मगर इन सबके बीच एक ऐसी फैन भी थी जिसने अभिनेता को शादी का प्रस्ताव दे डाला। जिस थिएटर में फिल्म दिखाई जा रही थी वहां एक फैन ने कार्तिक से कहा, मुझे आपसे यह सवाल दोबारा पूछने का मौका शायद कभी न मिले, लेकिन क्या आप मुझसे शादी करेंगे? शरमाते हुए कार्तिक ने कहा कि एक यहां प्रेम कहानी पूछ रहा है, एक ने शादी का प्रपोजल दे दिया। हो क्या रहा है? यहां मुझे अपना स्वयंवर लग रहा है। इसके बाद फैन ने कार्तिक को गले मिलने के लिए कहा, जिस पर उन्होंने कहा, आप गले मिल सकते हैं। जानकारी के अनुसर कार्तिक आर्यन ने आ-ईएफएफएम का हिस्सा बनने के लिए अपना उत्साह साझा करते हुए कहा कि मैं मेलबर्न में भारतीय फिल्म महोत्सव का हिस्सा बनकर वास्तव में रोमांचित हूं। मेलबर्न में यह मेरा पहला मौका है और मैं सत्यप्रेम की कथा की स्क्रीनिंग के लिए यहां हूं। सत्यप्रेम की कथा एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है जिसमें अहमदाबाद के एक मध्यवर्गीय लड़के सत्यप्रेम को फिल्म की पात्र कथा से एकतरफा प्यार हो जाता है। इस फिल्म का निर्देशन समीर विदवान्स ने किया है। इस फिल्म में कियारा आडवाणी, सुप्रिया पाठक, गजराज राव और शिखा तल्सानिया सहित कई अन्य कलाकार शामिल हैं।

शानदार कलाकारों के साथ मेड इन हेवन करके खुश हैं मोना सिंह

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेत्री मोना सिंह शानदार कलाकारों के साथ वेब सीरीज मेड इन हेवन करके बेहद खुश हैं। वह अपनी हालिया रिलीज मेड इन हेवन सीजन टू की सफलता से अत्यधिक उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि रीमा कागती, जोया अख्तर और अलंकृता श्रीवास्तव के साथ काम करना हमेशा से उनकी इच्छा रही है। मोना ने कहा कि मेड इन हेवन सीजन 2 में मेरे प्रदर्शन के लिए मुझे जो प्रशंसा मिल रही है, वह अभिभूत करने वाली है। मैं इतनी बड़ी फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनने के लिए बहुत आभारी हूं और इतनी जबरदस्त प्रतिक्रिया पाकर मैं खुश हूं। इतने शानदार कलाकारों और उद्योग के सबसे बड़े निर्देशकों के साथ काम करना हमेशा से मेरी इच्छा रही है, और न केवल निर्देशकों से बल्कि सोशल मीडिया पर भी मेरे किरदार बुलबुल के प्रति इतना स्नेह देखना अविश्वसनीय है। मोना ने कहा कि जब मैंने किरदार के लिए शूटिंग शुरू की, तो मुझे यकीन था कि एक बार जब लोग शो देखना शुरू कर देंगे, तो यह उनके साथ जुड़ जाएग। बहुप्रतीक्षित शो को इतना प्यार देने और मेरे किरदार बुलबुल को पसंदीदा बनाने के लिए मैं सभी की आभारी हूं। बता दें कि मेड इन हेवन एक रोमांटिक ड्रामा वेब सीरीज है। यह सीरीज दिल्ली में मेड इन हेवन नामक एजेंसी चलाने वाले दो वेडिंग प्लानर तारा और करण के जीवन पर आधारित है।

भूमि की फिल्म थैंक यू फॉर कमिंग का टीआईएफएफ-2023 में होगा वर्ल्ड प्रीमियर

मुंबई (ईएमएस)। भूमि पेडनेकर की आगामी फिल्म थैंक यू फॉर कमिंग का प्रीमियर टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (टीआईएफएफ) में होने वाला है। यह फिल्म एक उभरती हुई कॉमेडी है, जिसका निर्देशन करण बुलानी ने किया है और इसे राधिका आनंद और प्रशस्ति सिंह ने लिखा है। थैंक यू फॉर कमिंग 15 सितंबर, 2023 को रॉय थॉमसन हॉल में प्रदर्शित की जाएगी। फिल्म में शहनाज गिल, डॉली सिंह, कुशा कपिला, शिबानी बेदी, प्रधुम्न सिंह मॉल, नताशा रस्तोगी, गौतमिक, सुशांत दिवगिकर, सलोनी दैनी, डॉली अहलूवालिया, करण कुंद्रा और अनिल कपूर हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए भूमि पेडनेकर ने कहा कि टीआईएफएफ में यह मेरा पहला मौका है। मुझे खुशी है कि मैं एक ऐसी फिल्म के साथ वहां जा रही हूं जो मेरे दिल के बहुत करीब है। इसे और भी स्पेशल बनाने वाली बात यह है कि हमें रॉय थॉम्पसन हॉल में गाला प्रीमियर के लिए चुना गया है। भूमि ने बताया कि एक आधिकारिक चयन के रूप में और हमारे द्वारा देखे जाने के बाद, मैं आने वाले अनुभव के लिए बेहद उत्साहित हूं। मैंने कभी भी इतने बड़े और विविध दर्शकों के साथ अपनी फिल्म देखने का अनुभव नहीं किया। मेरे को-एक्टर्स, डायरेक्टर करण बुलानी और हमारे प्रोड्यूसर्स अनिल कपूर और रिया कपूर के साथ रेड कार्पेट पर चलना यादगार होने वाला है। भूमि ने आगे कहा कि एक भारतीय एक्टर के रूप में, मुझे गर्व है कि मैं इस इवेंट में अपने देश का प्रतिनिधित्व करूंगी। थैंक यू फॉर कमिंग उन युवा लड़कियों की असीम भावना का जश्न मनाती है जो प्यार की तलाश में हैं और वे जीवन से जो चाहती हैं उसे चुनने की आजादी के लिए कैसे लड़ती हैं। बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड और अनिल कपूर फिल्म कम्युनिकेशन नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित थैंक यू फॉर कमिंग 6 अक्टूबर, 2023 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

सूडोकु नवताल- 6525

★★★✯✩ मध्यम

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6524 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

शब्दजाल- 7272

अ	ज	प	रे	दा	अ	ज	ब	न	र	ट
दा	रा	अ	न	आ	नो	ग	द	इ	ह	वि
अ	व	नू	पू	ग	खा	थ	त	ग	क	ल
द्	जा	ठ	ते	र्व	ज	का	म	न	त	क्ष
भु	त	र	दा	री	लं	ग	गो	ग	व	ण
त	द	म	नि	य	अ	पू	न	ला	र	नी
ती	जं	म	रा	हि	प	नु	श	र	ज	ल
क	ल	ग	ला	वि	व	नी	प	ल	न	ण
ने	ब	म	बा	फा	चि	त्या	री	म	प	क
ज	ग	त	प	ज	ज	त्र	दा	जी	र्य	त
वि	शे	ष	त	त	ल	ज	र	वा	त	थ

शब्दजाल में 'असाधारण' के 10 पर्यायवाची शब्द ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

अजब, अद्भुत, अनूठा, अनोखा, अपूर्व, निराला, विचित्र, विलक्षण, विशेष, अनुपम.

शब्दजाल - 7271 का हल

सु	रा	मा	त	र	र	अ	ट	गु	क	वि
दी	नी	सू	ह	का	ल	जी	दि	ल	को	ज
वा	र	ल	द	अं	त	त	मा	मो	ल	य
सं	वि	दा	गा	ल	क	वा	हा	ह	व	म
ट्र	ज	न	ष	व	म	डे	डी.	म्मा	सी	चें
दि	य	य	स	जि	स्क	क	इ	द	म	ट
ने	ह	बु	मा	या	म	र	ह	र	जा	श
श	जा	ब	ला	ज	र	सौ	डी.	ट	फ	धी
मों	रे	त	सू	ह	रे	दा	ने	जे.	र	र
गि	ल	च	त्त	र	ट	क	बें	न	गां	थ
या	र	म	न	लां	बा	इ	र	म्हे	ह	धी

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6225

7		1	3			
	30		21	1	35	7
1		2		3	7	
	29	6	40		34	
	3		7	6	1	2
	33		42		26	
3	1			2		4

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6224 का हल

4	5	6	7	1	2	3
7	33	2	34	3	29	6
2	3	4	5	6	7	1
6	28	1	36	2	30	4
3	4	5	6	7	1	2
5	30	7	41	4	37	5
1	2	3	4	5	6	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

चोट के कारण पृथ्वी शॉ वनडे-कप से बाहर : क्लब के लिए दोहरा शतक लगाकर रचा था इतिहास; अभी बीसीसीआई की मेडिकल टीम की निगरानी में

नई दिल्ली।

पृथ्वी शॉ इंग्लैंड में चल रहे वनडे-कप कॉम्पिटिशन 2023 से बाहर हो गए हैं। शॉ वनडे-कप कॉम्पिटिशन में नॉर्थम्पटनशायर के लिए खेलते हैं। रविवार को डरहम के खिलाफ खेले गए एक मैच में फील्डिंग के दौरान उनके घुटने में चोट लग गई है।

नॉर्थम्पटनशायर ने एक बयान में कहा, स्कैन के नतीजों से पता चला है कि चोट काफी गंभीर है। शॉ की फिलहाल भरतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की मेडिकल टीम निगरानी कर रही है और वह शुक्रवार को लंदन में एक एक्सपर्ट से मिलने वाले हैं।

समरसेट के खिलाफ खेली थी रिकॉर्ड 244 रन की पारी

23 साल के शॉ ने बुधवार (9 अगस्त) को समरसेट के खिलाफ 153 गेंदों पर 244 रन की पारी खेली। शॉ ने इस टूर्नामेंट के इतिहास का सबसे बड़ा इंडिविजुअल स्कोर का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने ओली रॉबिन्सन के 206 रन (2022 में केंट के लिए) को पीछे छोड़ा।

इसी के साथ शॉ 50 ओवर मैच यानी लिस्ट ए मैचों में टॉप स्कोर बनाने वाले छठे बल्लेबाज बने थे। इस लिस्ट में पहला नाम तमिलनाडु के नारायण जगदीशन का है, जिन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 277 रन की पारी खेली थी।

शॉ टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर

दाएं हाथ के बल्लेबाज शॉ वर्तमान में वन-डे कप 2023 में चार मैचों में 143 की शानदार औसत के साथ 429 रन बना कर टूर्नामेंट के टॉप रन-स्कोरर है। उनके नाम चार पारियों में दो शतक दर्ज हैं, जिसमें समरसेट के खिलाफ 153 गेंदों में 244 रन शामिल है। उन्होंने अपनी अन्य तीन पारियों में 125*, 26 और 34 रन बनाए।

शॉ को 2021 से टीम इंडिया में मौका नहीं मिला

2018 में भारत को अपनी कप्तानी में अंडर-19 वर्ल्ड कप जिता चुके पृथ्वी शॉ ने 2018 में ही इंटरनेशनल डेब्यू भी कर लिया था। उन्होंने अपने डेब्यू टेस्ट में ही शतक लगाया, लेकिन इंटरनेशनल लेवल पर गेंदबाजों के सामने उनकी टेक्नीक कमजोर नजर आई। उन्होंने जुलाई 2021 में श्रीलंका के खिलाफ आखिरी इंटरनेशनल मैच वनडे के रूप खेला और तब से ही वह भारत के लिए कोई मुकाबला नहीं खेल सके। शॉ को इसी साल न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के स्क्वॉड में शामिल किया गया था, लेकिन शुभमन गिल और ऋतुराज गायकवाड की मौजूदगी में उन्हें प्लेइंग-11 का हिस्सा नहीं बनाया गया।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय एयर पिस्टल टीम ने जीता कांस्य पदक, स्वर्ण पर चीन का कब्जा

बाकू। आईएसएसएफ विश्व चैम्पियनशिप में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन किया है। शिव नरवाल, सरबजोत सिंह और अर्जुन सिंह चीमा की भारतीय पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल टीम ने गुरुवार को देश के लिए कांस्य जीता। भारत का कुल स्कोर 1,734 था, जो जर्मनी से नौ अंक पीछे था, जिसने रजत पदक जीता। इस स्पर्धा में चीन ने स्वर्ण पदक जीता। नरवाल ने 579, सरबजोत ने 578 और चीमा ने 577 का स्कोर कर कुल 1,734 अंक हासिल किए। विश्व चैम्पियनशिप 2024 पेरिस ओलंपिक क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट के रूप में भी कार्य करती है। झांग बोवेन (587), लियू जुनहुई (582) और झी यू (580) की चीनी टीम ने 1749 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि जर्मन टीम में रॉबिन वाल्टर (586), माइकल श्वाल्ड (581) शामिल थे। पॉल फ्रोहलिच (576) ने 1743 के कुल स्कोर के साथ रजत पदक जीता। हालांकि, तीन भारतीय निशानेबाजों में से कोई भी आठ खिलाड़ियों के फाइनल में जगह नहीं बना सका और व्यक्तिगत पदक के लिए दावेदार नहीं हैं। इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करने वाले तीरंदाज ओलंपिक का टिकट भी हासिल करेंगे। पेरिस ओलंपिक के लिहाज से यह टूर्नामेंट बेहद अहम है। 17 से 24 अगस्त के बीच सात दिन में कोटे हासिल किए जाएंगे। अंतरराष्टीय निशानेबाजी जगत प्रतिस्पर्धा के मामले में विश्व चैंपियनशिप को ओलंपिक के बराबर या इससे ज्यादा आंकता है। कार्यक्रम के अनुसार 17 से 24 अगस्त के बीच सात दिन में कोटे हासिल किए जाएंगे। भारत ने अभी तक तीन पेरिस ओलंपिक कोटे हासिल कर लिए हैं और टोक्यो ओलंपिक में जीते 15 कोटे से बेहतर करने की कोशिश में जुटा है। रूद्रांक्ष पाटिल ने पुरुष 10 मीटर एयर राइफल, स्वप्निल सुरेश कुसाले ने पुरुष 50 मीटर राइफल थ्री पाजिशंस (3पी) और भोवनीश मेंडिरत्ता ने पुरुष ट्रैप में भारत के लिए कोटे जीते हैं।

टीम में बेटियां हैं तो महिला कोच की तैनाती जरूरी, साई ने एशियाड से पहले 13 खेल संघों को सख्त निर्देश दिए

नई दिल्ली। टीम में अगर बेटियां हैं तो अब कम से कम एक महिला कोच या सपोर्ट स्टाफ की तैनाती जरूरी होगी। एशियाई खेलों में टीम भेज रहे 13 खेल संघों की टीमों को साई ने अब तक इस लिए हरी झंडी नहीं दी है, क्यों कि उनकी टीम में महिला सदस्य होने के बावजूद एक भी महिला कोच या सपोर्ट स्टाफ नहीं है। साई ने इन खेल संघों से अपने दल में कम से कम एक महिला कोच या सपोर्ट स्टाफ को तैनात करने के लिए कहा है। साई की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि यह फैसला लिया गया है कि किसी भी टीम में अगर कोई महिला सदस्य शामिल होगी तो उसके साथ कम से कम एक महिला कोच या सपोर्ट स्टाफ भेजना अनिवार्य होगा। साई ने यह भी कहा कि यह एशियाड के लिए निर्धारित भारतीय ओलंपिक संघ के नियमों के दायरे में होगा। नियमों के मुताबिक टीम सदस्यों का 25 प्रतिशत हिस्सा कोच और सपोर्ट स्टाफ का होगा। साई ने कहा है कि इन्हीं नियमों के दायरे में रहकर ही खेल संघों को अपनी टीम में महिला कोच या सपोर्ट स्टाफ की तैनाती करनी होगी।

फ्रेंचाइजी स्तर पर खेलने से अलग है अंतराष्ट्रीय क्रिकेट : गावस्कर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि एक खिलाड़ी फ्रेंचाइजी स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर सकता है पर जरुरी नहीं कि वह अंतराष्टीय स्तर पर भी उसी प्रकार का प्रदर्शन कर पाये। गावस्कर के अनुसार देश का प्रतिनिधित्व करते समय एक अलग प्रकार का दबाव होता है। उन्होंने ये बात वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए कही। इस पूर्व बल्लेबाज ने आगे कहा कि हमने ऐसा कई बार देखा है कि घरेलू स्तर के खिलाड़ी बड़े स्तर पर एक कदम भी आगे नहीं बढ़ पाते हैं। हां ये अलग है कि ये खिलाड़ी जब लीग स्तर पर खेलते हैं तो अच्छे लगते हैं पर अंतरराष्टीय स्तर लेवल पर बड़े खिलाड़ियों के खिलाफ खेलते ही उन्हें समझ में आ जाता है कि जो बातें घरेलू स्तर पर आसान नजर आती थीं वह बड़े स्तर पर उतनी आसान नहीं है। उन्होंने कहा, यही वजह है कि कई सारे खिलाड़ी जो छोटे स्तर पर अच्छे तो नजर आते हैं पर बड़े स्तर पर नाकाम रहते हैं। फ्रेंचाइजी क्रिकेट तकनीक के मामले में बहुत नीचे है।

आयरलैंड से पहला टी-20 आज, ऐसी हो सकती हैं भारत की पॉसिबल-11

बुमराह की फिटनेस और कप्तानी का टेस्ट, डेब्यू कर सकते हैं रिंकू सिंह

नई दिल्ली।

टीम इंडिया अब आयरलैंड दौरे पर है। टीम को वहां 3 टी-20 मैचों की सीरीज खेलनी है। पहला मुकाबला 18 अगस्त को खेला जाएगा। यह सीरीज कई मायनों में अहम है। आने वाले 3 मैचों में युवा टीम इंडिया के प्रदर्शन पर टीम मैनेजमेंट सहित सिलेक्टर्स की नजरें भी टिकी रहेंगी, क्योंकि उन्हें युवाओं के प्रदर्शन से कई सवालों के जवाब मिल सकते हैं।

तीन मायनों में सीरीज अहम - फिटनेस टेस्ट एशिया कप से पहले आयरलैंड सीरीज भारतीय खिलाड़ियों का फिटनेस टेस्ट होगा, क्योंकि चोट के कारण लंबे समय तक मैदान से दूर रहे जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा जैसे तेज गेंदबाज वापसी कर रहे हैं। इसमें सिलेक्टर्स बुमराह-कृष्णा की फिटनेस और फॉर्म परखेंगे। बुमराह करीब 10 महीने बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं। बुमराह का लीडरशिप टेस्ट आयरलैंड में बुमराह की लीडरशिप क्वॉलिटी की भी परीक्षा होगी, क्योंकि वे पहली बार किसी बाइलेटरल सीरीज में टीम इंडिया की कप्तानी करने जा रहे हैं। इससे पहले, वे इंग्लैंड में एक टेस्ट के लिए कप्तान बनाए गए थे। टीम चयन के लिए ऑप्शन आयरलैंड दौरा एशिया कप और वर्ल्ड कप टीम चयन के लिहाज से भी अहम है, क्योंकि 3 मुकाबलों की इस सीरीज में कप्तान रोहित शर्मा और सिलेक्टर्स को कई सवालों के जवाब मिलने वाले हैं। जैसे पंत-राहुल के फिट न होने की स्थिति में विकेटकीपर कौन होगा। पंत की जगह राहुल के फिट होने पर दूसरा विकेटकीपर कौन होगा। टीम अय्यर के फिट न होने की स्थिति में नंबर-4 के विकल्प भी तलाशेगी। इस पोजिशन के लिए सूर्यकुमार यादव और युवा तिलक वर्मा पर नजरें रहेंगी।

जायसवाल-गायकवाड कर सकते हैं ओपन - वेस्टइंडीज दौरे पर यशस्वी जायसवाल के साथ ओपनिंग करने वाले शुभमन गिल को आराम दिया गया है। ऐसे में जायसवाल के साथ उपकप्तान ऋतुराज गायकवाड ओपनिंग करते नजर आ सकते हैं। यहां जायसवाल के साथ गायकवाड के पास भी खुद को साबित करने का मौका होगा। जायसवाल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 टी-20 में 45 की औसत से रन बनाए हैं। उन्होंने दूसरे टी-20 में अपना पहला अर्धशतक जमाया। उन्होंने 51 गेंदों पर नाबाद 84 रन की पारी खेली। वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे में 8 रन पर आउट होने वाले गायकवाड ने इस सीजन में आईपीएल में शानदार प्रदर्शन कर टीम इंडिया में वापसी की है। गायवाड़ ने सीएसके से इस सीजन के 16 मैचों में 42.14 की औसत से 540 रन बनाए थे। स्ट्राइक रेट भी 147 का रहा।

संजू के पास लास्ट चांस, शर्मा को भी आजमा सकते हैं - नंबर 3 पर विकेट कीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को मौका मिल सकता है, यह सैमसन के पास खुद को साबित करने का आखिरी मौका होगा। विकेटकीपर के तौर पर जितेश शर्मा को भी आजमाया जा सकता है। टीम मैनेजमेंट चाहेगा कि एशिया कप से पहले केएल राहुल के फिट होने पर उनके साथ दूसरे विकेटकीपर के लिए फैसला ले लिया जाए। पंत का विकल्प अभी टीम को नहीं मिला है। वेस्टइंडीज दौरे पर किशन को संजू से ज्यादा मौके मिले। ऐसे में टीम संजू को और मौका देकर उन्हें अजमाना चाहेगी। नंबर-4 पर टीम मैनेजमेंट तिलक वर्मा को अजमाएगा। वेस्टइंडीज के खिलाफ डेब्यू करने वाले तिलक वर्मा ने 5 टी-20 मैचों में लगभग 58 की औसत से 173 रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट भी 140 से ऊपर रहा है। वेस्टइंडीज दौरा खत्म होने के बाद टीम इंडिया के चीफ कोच ने भी तिलक की तारीफ की और कहा था कि चौथे बैटिंग ऑर्डर के लिए तिलक बेहतर साबित हो सकते हैं। वे लेफ्टी भी हैं। ऐसे में टीम के लिए वे काफी योगदान दे सकते हैं। ऐसे में टीम मैनेजमेंट तिलक को चौथे नंबर पर एशिया कप से पहले परखेगा, ताकि टीम के पास अय्यर के साथ ही तिलक वर्मा का विकल्प हो। तिलक लिस्ट ए में भी मुंबई के लिए 57 की औसत से रन बना चुके हैं। नंबर-5 पर आईपीएल स्टार रिंकू सिंह को मौका दिया जा सकता है। वे इस दौरे पर डेब्यू कर सकते हैं। रिंकू ने आईपीएल में कई मौकों पर अपनी टीमच्यक्रको जिताया है। उन्होंने आखिरी ओवर में 5 छक्के लगाकर जीटी के जबड़े से जीत छीन ली थी। रिंकू ने पिछले सीजन में करीब 43 की औसत से 343 रन बनाए हैं। ऐसे रिंकू को नंबर-5 पर मौका देकर अगले साल वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के लिए तैयार किया जा सकता है।

ऑलराउंडर्स : सुंदर-दुबे के प्रदर्शन पर नजरें - ऑलराउंडर्स के तौर पर शिवम दुबे और चोट के बाद वापसी कर रहे वाशिगंटन सुंदर के प्रदर्शन को परखा जाएगा। शिवम दुबे मीडियम पेसर ऑलराउंडर हैं, जबकि सुंदर स्पिन ऑलराउंडर हैं। मैनेजमेंट दुबे को 6 नंबर पर बल्लेबाजी का मौका दे सकता है। हार्दिक पंड्या को सीरीज से ब्रेक दिए जाने पर उनकी टीम में वापसी हुई है। टीम मैनेजमेंट चाहता है कि पंड्या के साथ और भी ऑलराउंडर विकल्प टीम को मिले, जो फास्ट बॉलिंग के साथ ही बल्ले से भी योगदान दे सके।

इंग्लैंड विमेंस फीफा वर्ल्ड कप के फाइनल में

ऑस्ट्रेलिया को सेमीफाइनल में 3-1 से हराया; रविवार को स्पेन से खिताबी मुकाबला

सिडनी।

यूरो कप चैम्पियन इंग्लैंड ने विमेंस फीफा वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह बना ली है। टीम ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 3-1 के अंतर से हराया। इंग्लैंड टीम पहली बार विमेंस वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंची है। फाइनल में टीम का सामना स्पेन से होगा। मुकाबला रविवार को सिडनी के स्टेडियम ऑस्ट्रेलिया में दोपहर 3:30 बजे से होगा। सिडनी में मेजबान ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला खेला गया। इंग्लैंड ने फर्स्ट हाफ से ही अटैकिंग गेम खेला, जिसका फायदा उन्हें मिला और टीम ने 36वें मिनट में गोल स्कोर कर दिया। टीम से एला टून ने गोल किया। इस गोल के बाद इंग्लैंड ने लगातार बढ़त बनाए रखी। फर्स्ट हाफ खत्म होने के बाद भी इंग्लैंड ने 1-0 की बढ़त कायम रखी। सेकेंड हाफ में ऑस्ट्रेलिया ने अटैक किया। 63वें मिनट में ऑस्ट्रेलिया की सैम केर ने गोल किया और स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। 1-1 की बराबरी के बाद इंग्लैंड ने मैच में पकड़ बनानी शुरू की। 71वें मिनट में टीम की लौरेन हैम्प ने गोल किया और स्कोर लाइन 2-1 से इंग्लैंड के पक्ष में कर दी। 86वें मिनट में इंग्लैंड की एलिसिया रुसो ने भी गोल किया और टीम ने 3-1 की बढ़त बना ली। स्कोर लाइन 3-1 होने के बाद मैच में कोई और गोल नहीं लगा। फुल टाइम के बाद भी स्कोर 3-1 ही रहा और इंग्लैंड ने मुकाबला जीतकर पहली बार फाइनल में जगह बना ली। 19 अगस्त को मिल्टन के सनकॉर्प स्टेडियम में स्वीडन और ऑस्ट्रेलिया के बीच थर्ड प्लेस के लिए मैच होगा। मुकाबला शनिवार दोपहर 1:30 बजे (भारतीय समयानुसार) से शुरू होगा। थर्ड प्लेस मैच के बाद रविवार को स्पेन और इंग्लैंड के बीच फाइनल होगा।

स्पेन ने पहले सेमीफाइनल में स्वीडन को 2-1 से हराया था। स्पेन और इंग्लैंड दोनों ही टीमों ने अब तक विमेंस फीफा वर्ल्ड कप का खिताब नहीं जीता है। ऐसे में रविवार का फाइनल जीतने वाली टीम पहली बार विमेंस वर्ल्ड चैम्पियन बनेगी।

तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर होना ही जरुरी नहीं : कपिल

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा है कि भारतीय टीम के पास ऑलराउंडरों की कोई कमी नहीं है। कपिल ने कहा कि तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर होना ही जरुरी नहीं है। स्पिन ऑलराउंडर भी अहम भूमिका निभा सकते हैं। रविन्द्र जडेजा और आर अश्विन ने ये साबित किया है। हमें स्वीकार करना होगा कि हम अधिक प्रभावशाली ऑलराउंडर नहीं तलाश पा रहे हैं पर हमारे पास कई सकारात्मक पक्ष भी हैं। उन्हीं बातों पर टीम प्रबंधन को ध्यान देना चाहिये। कपिल ने इसके साथ ही तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या की प्रशंसा की और कहा कि उन्हें टेस्ट मैच भी खेलने चाहिये पर उन्हें ऐसा होता नहीं दिख रहा। वह लाल गेंद क्रिकेट में टीम इंडिया के लिए लाभप्रद साबित हो सकते हैं। साथ ही कहा कि उन्हें और अधिक क्रिकेट खेलना चाहिए क्योंकि उसके पास बहुत क्षमता है। अगर वह फिट है, तो उसे टेस्ट क्रिकेट भी खेलना चाहिए।

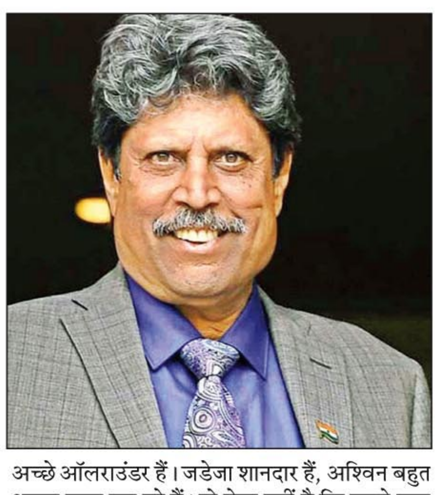

उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की तुलना करना सही है। पिछले 20-30 वर्षों में, हमने कई तेज गेंदबाज तैयार किए हैं, जिन पर हम निर्भर रह सकते हैं। और यही अधिक अहम है। आपको सिर्फ तेज गेंदबाजी करने वाले ऑलराउंडर खिलाड़ियों की ही जरूरत नहीं है। आपको स्पिन-गेंदबाजी ऑलराउंडरों की भी आवश्यकता है। आपके पास भारतीय टीम में कुछ अच्छे ऑलराउंडर हैं। जडेजा शानदार हैं, अश्विन बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। तो ऐसा नहीं है कि हमारे पास कोई भी ऑलराउंडर नहीं है। कपिल ने आगामी एकदिवसीय विश्व कप में टीम इंडिया की संभावनाओं को लेकर कहा कि उसे पहले शीर्ष चार टीमों में आने की जरूरत है। उसके बाद ही कुछ भी संभव है। सेमीफ़ाइनल चरण के बाद से भाग्य का साथ होना भी जरुरी है तभी जीत मिलती है पर सबसे जरुरी है सेमीफाइनल तक का सफर।

विराट या रोहित नंबर-4 पर बैटिंग करें : रवि शास्त्री बोले, ईशान-शुभमन से ओपनिंग कराएं, टॉप-7 में 3 लेफ्ट हैंडर्स रखे टीम इंडिया

नई दिल्ली।

रवि शास्त्री बोले, रोहित शर्मा या विराट कोहली को वनडे वर्ल्ड कप में नंबर-4 पर बैटिंग करना चाहिए। ईशान के साथ शुभमन को ओपनिंग करनी चाहिए। टीम को टॉप-7 में 3 लेफ्ट हैंडर्स भी रखने ही चाहिए। टीम इंडिया के पूर्व हेड कोच ने कहा कि केएल राहुल और श्रेयस अय्यर के साथ टीम इंडिया को जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। उनकी जगह तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव को एशिया कप में मौका देना चाहिए। स्टार स्पोर्ट्स ने टीम इंडिया सिलेक्ट करने के लिए सिलेक्शन डे नाम से स्पेशल शो लॉन्च किया। शो की पैनल में टीम इंडिया के पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री के साथ पूर्व सिलेक्टर एमएसके प्रसाद और संदीप पाटिल को भी रखा।

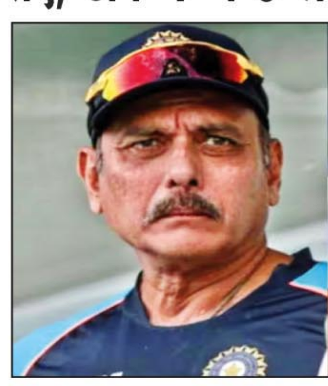

टॉप-7 में 3 लेफ्ट हैंडर्स जरूरी

रवि शास्त्री बोले, टॉप-7 में 3 लेफ्ट हैंडर्स होना ही चाहिए। यहां सिलेक्टर्स का रोल अहम है, अगर यशस्वी और तिलक वर्मा अच्छा कर रहे हैं तो दोनों को टीम में रखना चाहिए। अगर आप ईशान को 6-8 महीनों से खिला रहे हैं तो उन्हें टीम में भी रखना ही चाहिए। जड्डू को मिलाकर भारत के टॉप-7 में 3 लेफ्ट हैंडर्स जरूरी है।

राहुल और श्रेयस के साथ जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए

आप ऐसे खिलाड़ी (केएल राहुल) को सीधे प्लेइंग-11 में नहीं खिला सकते जो घुटने की इंजरी से रिकवरी कर रहा हो। उसमें भी अगर आप उनसे विकेटकीपिंग कराएंगे तो ये बहुत बड़ा रिस्क होगा। श्रेयस के साथ भी जल्दबाजी नहीं होनी चाहिए। अगर मैं सिलेक्टर होता तो मिडिल ऑर्डर में तिलक वर्मा को रखता। जिस फॉर्म में वह इस वक्त हैं मैं उन्हें टीम में जरूर रखना चाहूंगा। उनके साथ सूर्यकुमार एशिया कप मे होना चाहिए। ईशान को टॉप ऑर्डर में बैटिंग करना चाहिए। रोहित, विराट और शुभमन गिल में 2, 3 और 4 नंबर की पोजिशन का समाधान निकालना चाहिए। 2023 में शुभमन ने शानदार परफॉर्म किया। रोहित अनुभवी खिलाड़ी हैं, वह टॉप-4 में कहीं भी बैटिंग कर सकते हैं। इसलिए मैं रोहित को नंबर-4 पर देखना चाहूंगा।

मैनचेस्टर सिटी ने पहली बार यूएफा सुपर कप खिताब जीता

पेनल्टी शूटआउट में सेविला को हराया; 1973 से खेला जा रहा है टूर्नामेंट

नई दिल्ली।

चैंपियंस लीग 2023 चैंपियन मैनचेस्टर सिटी ने पेनल्टी शूटआउट में यूरोपा लीग चैंपियन सेविला को हराकर पहली बार यूऐफा सुपर कप का खिताब जीत लिया है। एथेंस के कारेस्काकिस स्टेडियम में 16 अगस्त को खेले गए फाइनल मुकाबले का रिजल्ट पेनल्टी शूटआउट में निकला। फुल टाइम तक मुकाबला 1-1 से बराबर रहा। मैनचेस्टर सिटी ने सेविला को को पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से हराकर सुपर कप जीता।

सेविला के यूसुफ एन-नेसिरी (25वें मिनट) ने पहले हाफ में हेडर की मदद से शानदार गोल किया और टीम को बढ़त दिला दी। वहीं मैच के 63वें मिनट में सिटी के कोल पामर ने भी हेडर से गोल करते हुए टीम को बराबरी पर ला दिया और मुकबला पेनल्टी शूटआउट में जा पहुंचा। लीग की सबसे सफल टीमें बार्सिलोना, मिलान और रियल मैड्रिड हैं, जिन्होंने पांच-पांच बार ट्रॉफी जीती है।

1973 से खेला जा रहा है यूऐफा सुपर कप - यूऐफा सुपर कप का यह 48वां सीजन है। टूर्नामेंट की शुरुआत 1973 में हुई थी। इसे यूरोपियन यूनियन ऑफ फुटबॉल एसोसिएशन द्वारा आयोजित किया जाता है। टूर्नामेंट में केवल एक मुकाबला खेला जाता है। यह मुकाबला यूऐफा चैंपियंस लीग (मैनचेस्टर सिटी विजेता) और यूऐफा यूरोपा लीग (सेविला विजेता) के विजेता के बीच खेला जाता है।

मैनचेस्टर सिटी ने पहली बार जीती यूऐफा चैंपियंस लीग - इस सीजन यूऐफा चैंपियंस लीग का खिताब मैनचेस्टर सिटी ने जीता था। 11 जून 2023 को इस्तांबुल में खेले गए फाइनल मैच में मैनचेस्टर सिटी ने इंटर मिलान को 1-0 से हराकर पहली बार यूऐफा चैंपियंस लीग का टाइटल जीता। मैनचेस्टर सिटी के लिए इकलौता गोल रोड्री ने 68वें मिनट में किया। वहीं मैच के पहले ही हाफ में टीम के प्रमुख मिडफील्ड केविन डी ब्रुइन चोटिल हो गए थे। इंटर छठी बार और सिटी दूसरी बार लीग के फाइनल में पहुंची थी। वहीं इससे पहले मैनचेस्टर सिटी को 2021 के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। चेल्सी ने 2021 के फाइनल में सिटी को 1-0 से हराया था।

सेविला ने 7वीं बार जीता यूरोपा लीग का खिताब - स्पेन के क्लब सेविला ने 1 जून 2023 को फाइनल मुकाबले में इटली के क्लब रोमा को हराकर सातवीं बार यूऐफा यूरोपा लीग का खिताब जीता। बुडापेस्ट में एक्स्ट्रा टाइम के बाद भी मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहने के बाद पेनल्टी शूट आउट में सेविला ने 4-1 से जीत दर्ज की।

सेविला की टीम सातवीं बार फाइनल में पहुंची थी, वहीं रोमा का यह दूसरा फाइनल मुकाबला था। रोमा की टीम 1991 के बाद पहली बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची थी। पिछली बार भी उसे हार का सामना करना पड़ा था। सेविला लीग की सबसे सफल टीम है। उनसे सबसे ज्यादा सात बार टाइटल जीता है। सेविला साल 2006, 2007, 2014, 2015, 2016, 2020 और 2023 में चैंपियन बनी।

मैनचेस्टर सिटी ट्रेबल जीतने वाली दूसरी इंग्लिश टीम - इससे पहले मैनचेस्टर सिटी यूऐफा चैंपियंस लीग का टाइटल जीतकर ट्रेबल जीतने वाली दूसरी इंग्लिश टीम बनी थी। मैनचेस्टर से पहले मैनचेस्टर यूनाइटेड ने यह उपलब्धि हासिल की है। चैंपियंस लीग के अलावा मैनचेस्टर सिटी ने इस सीजन इंग्लिश प्रीमियर लीग और ख्र कप जीता है। जो टीमें एक सीजन में अपनी लीग, कप और चैंपियंस लीग मिलाकर तीन मेजर ट्रॉफी जीतती हैं उससे ट्रेबल कहते हैं।

सही रोडमैप तैयार करें...

दिल में हजारों सपने और मन में जीत का जज्बा लिए युवा निकल पड़ते हैं अपने ड्रीम करियर की ओर। मगर कई बार सही रोडमैप तैयार न होने से उन्हें मंजिल तक पहुंचने में कठिनाई होती है। संबंधित कोर्स आदि करने के बाद भी कामयाबी मिलने वालों का प्रतिशत बहुत कम देखा गया है। अधिकतर युवा पढ़ाई के दौरान ही अपने लक्ष्य तय कर लेते हैं, मगर सही रोडमैप तैयार न होने के कारण वे मंजिल तक नहीं पहुंच पाते और हताश हो जाते हैं। आइए जानते हैं ड्रीम करियर तक पहुंचने का क्या हो रास्ता।

खुद को परखें

सभी व्यक्ति एक जैसे नहीं होते। सबकी ताकत, कमजोरी, इच्छाएं, महत्वाकांक्षाएं और सपने सभी कुछ एक–दूसरे से बिल्कुल अलग होते हैं। साथ ही हर किसी में कोई न कोई खूबी जरूर होती है, जो उस व्यक्ति को अन्य लोगों से अलग बनाती है। सबसे पहले अपनी इस खूबी को पहचानिए। इससे खुद की पहचान में मदद मिलेगी और आपको अंदाजा हो जाएगा कि आप अपने बाकी साथियों के मुकाबले किस स्तर पर हैं? इसके बाद आप अपनी परफॉर्मेंस में सुधार के लिए सही तरीके अपना सकेंगे। अपनी ताकत के ईद–गिर्द ही अपना करियर बनाइए। इससे आप न सिर्फ अपने करियर में बेस्ट परफॉर्मेंस दे सकेंगे, बल्कि आपका आंतरिक विकास भी होगा और आप हमेशा खुश रह सकेंगे।

व्यक्तित्व को पहचानें

ऐसा काम न चुनें, जो आपके व्यक्तित्व के अनुरूप न हो। अगर आपकी कम्युनिकेशन स्किल अच्छी नहीं है तो मार्केटिंग के क्षेत्र में आपका भविष्य बहुत सुनहरा नहीं होगा। हम जिस चीज से संतुष्ट होते हैं और जो काम करने में सहजता महसूस करते हैं, वही बेहतर रूप से कर सकते हैं। जिस काम को हम रुचि के साथ आनंद लेकर करते हैं, उस काम में सफलता मिलना आसान होता है, लेकिन जो काम हमें असहज या कठिन लगते हैं, जिन्हें करने से आत्मसंतुष्टि नहीं मिलती, उनमें सफलता मिलना बहुत मुश्किल होता है।

लक्ष्य तय करें

एक प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी द्वारा करवाए गए सर्वे में यह बात निकल कर सामने आई है कि किसी भी करियर के प्रति रुझान उम्र के साथ–साथ बदलता है। वही लोग अंत तक एक करियर से किसी न किसी रूप में जुड़े रहे, जिन्होंने लक्ष्य तय किया हुआ था और उन्हें अपने करियर से प्यार था। पहली ही नौकरी का चयन अगर सही नहीं हुआ तो करियर में तरक्की की राहें मुश्किल हो सकती हैं। ऐसे में बार–बार नौकरी बदलने में आपका कीमती वक्त बर्बाद होगा। यह पहले से तय कर लें कि आपको किस क्षेत्र में करियर बनाना है या किन कंपनियों में काम करना चाहते हैं। अमेरिका के ब्यूरो ऑफ लेबर स्टैटिस्टिक्स ने नई रिपोर्ट में आंकड़ों के आधार पर 20 सबसे अच्छी नौकरियों की एक सूची पेश की है। इनमें इंजीनियर और विश्लेषक की नौकरियों को सबसे ऊपर रखा गया है। आंकड़ों का परीक्षण ग्लासडोर ने किया है।

क्षमताएं बढ़ाएं

ग्लासडोर डॉट कॉम वेबसाइट द्वारा करवाए गए सर्वे के मुताबिक जिन 63 प्रतिशत कर्मचारियों ने स्किल्स को बढ़ाने पर काम किया, उन्हें बेहतर पदोन्नति के साथ अच्छी सैलरी भी मिली। सर्वे में 74 प्रतिशत ने माना कि उन्हें खुद को आगे बढ़ाने के लिए स्किल्स सीखनी होंगी। 48 प्रतिशत कर्मचारियों के मुताबिक उनकी डिग्री उनके काम के साथ कहीं मेल नहीं खाती यानी इससे साफ हो गया कि शुरुआत में भले ही आप अपनी डिग्री की बदौलत कोई नौकरी पा लेते हैं, मगर उसमें टिके रहने व तरक्की पाने के लिए आपको अपनी मौजूदा क्षमताओं में इजाफा करना होगा। उन स्किल्स को पहचान कर सीखना होगा, जो आपके काम में सहायक हैं।

पाएं कार्यानुभव

किसी कंपनी में की गई इंटर्नशिप आपको आपके ड्रीम करियर तक पहुंचने में सहायक हो सकती है। इंटर्नशिप के दौरान आप क्लास रूम की थ्योरी क्लासेज से निकल कर जॉब मार्केट और पेशवर कार्यों की दुनिया से परिचित होते हैं। आपने जो शिक्षा हासिल की है, उसका वास्तविक प्रयोग कैसे करना है और आपकी शिक्षा आपके ड्रीम करियर में रास्ता बनाने में किस हद तक सहायक होगी, इसे इंटर्नशिप के दौरान परखा और जांचा जा सकता है।

रेज्यूमे हो दमदार

किसी भी कंपनी में अपना रेज्यूमे भेजने से पहले यह निश्चित कर लें कि इसमें कहीं कोई भाषाई अशुद्धि तो नहीं है, कोई योग्यता बढ़ा–चढ़ा कर तो नहीं लिखी गई है। इसके बाद ध्यान दें कि उसका डिजाइन, फॉन्ट साइज, आकर्षक हो, ताकि पढ़ते समय बोरियत न हो। जो भी कहना चाहते हैं, वह संक्षेप में प्रभावी ढंग से लिखा होना चाहिए।

रिसर्च करें

जिस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं, उसके बारे में जानकारियां एकत्र करें। उस क्षेत्र में काम कैसे होता है, काम करने की शैली कैसी है, वेतन कितना मिलता है, आने वाले समय में उस क्षेत्र में विकास की क्या संभावनाएं हैं, सरकार की नीति सेक्टर के लिए क्या है, क्षेत्र में काम करने के दौरान किस तरह की चुनौतियां सामने आ सकती हैं।

क्षमता और रुचि का रखें ध्यान...

12वीं के बाद करियर की दिशा को लेकर विद्यार्थियों के मन में कई सवाल होते हैं। मसलन- कौन-सी स्ट्रीम चुनें, प्रोफेशनल कोर्सेज में दाखिला लें या पारंपरिक डिग्री हासिल करें आदि। काउंसलर की मानें तो कैरियर की दिशा चुनते वक्त आपको दो बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए-क्षमता और रुचि। यदि आप इन बातों की तह तक पहुंच गए, तो आप अपने क्षेत्र में एक मुकाम हासिल कर सकते हैं। नजर डालते हैं बारहवीं के बाद के उन प्रमुख कैरियर विकल्पों पर, जिनमें से कोई एक क्षेत्र चुन कर आप मंजिल तक पहुंच सकते हैं, बशर्ते आपने क्षेत्र का चुनाव अपनी क्षमता और रुचि का आकलन करने के बाद किया हो।

चार्टर्ड अकाउंटेंसी

जो छात्र 10+2 में वाणिज्य लेते हैं, उनकी पहली प्राथमिकता चार्टर्ड अकाउंटेंसी होती है। आपको शायद यह जानकर हैरानी होगी कि भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंसी की मांग कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया सहित कई अन्य देशों में है। अंतरराष्ट्रीय अवसरों के कारण भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंसी युवाओं के लिए अग्रिम कैरियर विकल्प बन गया है। द इंस्टीट्युट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया, जो भारत सरकारके अधीन पंजीकृत संस्था है, को भारत में इस क्षेत्र में पाठ्यक्रम चलाने का एकाधिकार प्राप्त है। विशेष जानकारी के लिए डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट आइसीएआइ डॉट ओआरजी पर संपर्क करें।

कंपनी सेक्रेटरीशिप

वाणिज्य से 10+2 पूरा करने वाले छात्रों का एक बड़ा वर्ग कंपनी सेक्रेटरी बनना चाहता है। आज हर उस कंपनी में, जिसका पेड–अप पूंजी 1 करोड़ से अधिक है, एक कंपनी सेक्रेटरी होना अनिवार्य है। तीन स्तरों में होने वाले इस पाठ्यक्रम सह परीक्षा की विस्तृत जानकारी के लिए आपइंस्टीट्युट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट आइसीएस आइ डॉट इडीयू पर संपर्क करें।

कॉस्ट एंड वर्क अकाउंटेंट

फाइनेंस के क्षेत्र में एक नया क्षेत्र उभर कर आया है, जिसे कॉस्ट एंड वर्क अकाउंटेंसी के नाम से जाना जाता है। चार्टर्ड अकाउंटेंसी या कंपनी सेक्रेटरीशिप की तरह तीन स्तरों–फाउंडेशन, इंटरमीडिएट और फाइनल परीक्षा को उत्तीर्ण कर कॉस्ट अकाउंटेंट की योग्यता प्राप्त कर सकता है। कॉस्टअकाउंटेंट किसी कंपनी का वह पदाधिकारी होता है, जिसे अपनी तकनीकी दक्षता से कंपनी की पूंजी व लागत का उचित इस्तेमाल करना होता है। विस्तृत जानकारी के लिए आपइंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंसी ऑफ इंडिया की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट आइसीएमएआइ डॉट इन पर संपर्क करें।

लॉ का क्षेत्र

वाणिज्य से बारहवीं के बाद छात्रों का एक बड़ा तबका लॉ के क्षेत्र में जाता है. 10+2 के बाद 5 वर्षीयलॉइंटिग्रेटेड पाठ्यक्रम पूरा करकानून के क्षेत्र में कैरियर को एक नई दिशा दी जा सकती है। पहले इस इंटिग्रेटेड पाठ्यक्रम में केवल बीएएलएलबी पाठ्यक्रम ही होता था। परंतु समय की मांग को देखते हुए बीएएलएलबी के अतिरिक्त व्यापार प्रबंधन की चाह रखने वाले छात्रों के लिए बीबीएएलएलबी, विज्ञान के छात्रों के लिए बीएससीएलएलबी या कॉमर्स के छात्रों के लिए बीकॉमएलएलबी पाठ्यक्रमों की भी घोषणा कर दी गयी है। इस पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए आपको एक विशेष प्रवेश जांच परीक्षा देनी होगी, जिसे कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट यानी क्लैट कहा जाता है। इस प्रवेश जांच परीक्षा के माध्यम से आपको देश के प्रतिष्ठित लॉ विश्वविद्यालय में दाखिले का अवसर प्राप्त होगा। विशेष जानकारी के लिए आप वेबसाइट पर विजिट करें।

बैंकिंग का क्षेत्र

यदि हम यह कहें कि आनेवाले कुछ वर्ष बैंकिंग के क्षेत्र में नई नौकरियों की चाह रखने वाले छात्रों के नाम होंगे, तो कुछ गलत न होगा। आगामी कुछ वर्षो में लगभग 1 लाख से अधिक छात्रों के लिए बैंकिंग सेक्टर के दरवाजे खुले रहेंगे। यदि आप 10+2 के बाद इस क्षेत्र में प्रवेश करना चाहते हैं, तो क्लर्क लेवल के लिए आवेदन करें। हालांकि कई बैंकों में अब क्लर्क के लिए भी स्नातक आवश्यक योग्यता के रूप में मांगी जाती है, परंतु कुछ विकल्प अभी भी 10+2 के बाद इस पद के लिए उपलब्ध हैं। यदि आप प्रोबेशनरी ऑफिसर के रूप में इस क्षेत्र में प्रवेश करना चाहते हैं, तो वाणिज्य से स्नातक करें और प्रवेश जांच परीक्षा में बैठने की रणनीति बनायें। बैंकों की रिक्तियों की अधिसूचना निरंतर अखबारों में निकलती रहती हैं।

बिजनेस मैनेजमेंट

भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था ने जहां एक ओर कॉरपोरेट दुनिया को नया आयाम प्रदान किया, वहीं दूसरी ओर बिजनेस मैनेजरों की भारी मांग ने युवाओं के लिए कैरियर द्वार खोल दिया।10+2 वाणिज्य के बाद 3 वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम आपको बिजनेस मैनेजमेंट की दुनिया में प्रवेश दिला सकते हैं। इन पाठ्यक्रमों को अलग–अलग विश्वविद्यालय में कई बार अलग–अलग नाम से जाना जाता है, परंतु इनके कोर्स कंटेंट लगभग एक जैसे होते हैं। कहीं इसे बीबीए यानी बैचलर इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन कहा जाता है, तो कहीं इसे बीबीएमयानी बैचलर इन बिजनेस मैनेजमेंट कहा जाता है। दिल्ली विश्वविद्यालय में इसे बैचलर इन बिजनेस स्टडीज का नाम दिया गया है। इन पाठ्यक्रमों में स्नातक करने के बाद किसी अच्छे संस्थान से एमबीए करने वाले छात्रों को पीछे मुड़ कर देखने की जरूरत नहीं पड़ती।

पत्रकारिता का क्षेत्र

एक समय था जब इस विषय को हिंदी या अंग्रेजी विभाग के साथ जोड़कर पढ़ाया जाता था, लेकिन हाल के वर्षो में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की चकाचौंध ने युवाओं के एक बड़े वर्ग का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। 10+2 वाणिज्य के बाद 3 वर्षीय बैचलर्स इन जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन या बीए (जेएमसी) जैसा पाठ्यक्रम आपको मीडिया के क्षेत्र में प्रवेश करने का अवसर दे सकता है, परंतु इस क्षेत्र में संघर्ष है, आपके स्थापित होने की समय सीमा भी निश्चित नहीं है। इस जोखिम को ध्यान में रखकर ही आप इस क्षेत्र में जाने की योजना बनायें। इस क्षेत्र में सफलता के लिए आपकी भाषा पर मजबूत पकड़ बेहद जरूरी है, चाहे बात प्रिंट मीडिया की हो या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की। वाणिज्य से पढाई करने के बाद पत्रकारिता के क्षेत्र में कैरियर बनाने का सपना देखने वाले छात्र बिजनेस स्टैंडर्ड, इंडियन इकनोमी, सीएनबीसी आवाज जैसे चैनलों और अखबारों में रोजगार खोज सकते हैं। इन चैनलों में वाणिज्य के जानकार को आर्थिक या बिजनेस पेज या प्रोग्राम का उत्तरदाई बनाया जाता है।

कंप्यूटर साइंस

एक समय था जब केवल गणित के छात्र ही इस क्षेत्र में प्रवेश करते थे। समय के साथ बढ़ती मांग को देखते हुए कई विश्वविद्यालय वाणिज्य या आर्ट्स के छात्र को भी इस क्षेत्र में प्रवेश देते हैं। बीसीए यानी बैचलर इन कंप्यूटर अप्लीकेशन के लिए 10+2 पर आर्ट्स, साइंस या कॉमर्स की कोई बाध्यता नहीं है, लेकिन इसी प्रकार के अन्य पाठ्यक्रम जैसे बीएससी (कंप्यूटर साइंस) या बीएससी (आइटी) में प्रवेश के लिए ज्यादातर विश्वविद्यालय 10+2 में गणित मांगते हैं। रुचि कंप्यूटर साइंस में है, तो नि:संकोच बीसीए पाठ्यक्रम को चुन सकते हैं। ध्यान रखें कि पाठ्यक्रम रेग्युलर हो,अन्यथा पूरा व्यावहारिक ज्ञान नहीं मिल पाएगा, जो क्षेत्र में सफल होने का आधार है।

मेडिकल

बायो के साथ 10+2 लेने वाले छात्रों का पहला कैरियर विकल्प मेडिकल होता है। एक बात समझना आवश्यक है। कई छात्र मेडिकल में कैरियर बनाने की चाह में चीन, रूस इत्यादि से मेडिकल की डिग्री लेकर आते हैं। ध्यान रहे, भारत में केवल वही मेडिकल डिग्री मान्य है, जो मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया से मान्य है। यदि आप देश से बाहर से कोई मेडिकल की डिग्री लेकर आते हैं, तो आपको पुन: मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित स्क्रीनिंग टेस्ट पास करना होगा, अन्यथा आपकी डिग्री अवैध हो जाएगी। कहने की आवश्यकता नहीं कि भारतीय मेडिकल संस्थानों में दाखिले के लिए सीबीएससी द्वारा प्रत्येक वर्ष ऑल इंडिया प्री मेडिकल टेस्ट का आयोजन किया जाता है, जिसके आधार पर सरकारी–पोषित व निजी मेडिकल संस्थानों में एमबीबीएस पाठ्यक्रम में दाखिला लिया जा सकता है।

डेंटिस्ट्री

बायो के साथ 10+2 उत्तीर्ण करने वाले छात्रों के लिए डेंटिस्ट्री (दांतों का डॉक्टर) भी एक उत्तम कैरियर विकल्प है। चार वर्षीय बैचलर इन डेंटल सर्जरी करने के बाद यदि आप इसमें मास्टर्स कर लें तो फिर पीछे मुड़कर देखने की आवश्यकता नहीं होगी। मान्य संस्थानों की अद्यतन जानकारी डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया के वेबसाइट पर उपलब्ध है। निजी संस्थानों के अतिरिक्त सरकारी संस्थानों में बीडीएस में दाखिले के लिए भी सीबीएससी द्वारा आयोजित ऑल इंडिया प्री मेडिकल टेस्ट को उत्तीर्ण करना आवश्यक है।

बायोटेक्नोलॉजी

रिसर्च और तकनीक से यदि आपका लगाव हो, तो बायोटेक्नोलॉजी का क्षेत्र आपको एक स्थायी कैरियर विकल्प दे सकता है। फार्मा कंपनियों में निरंतर बायो तकनीक विशेषज्ञों के लिए रिक्तियां निकलती रहती हैं। इस विषय को लेकर दो प्रकार के पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं– तीन वर्षीय बीएससी इन बायोटेक्नोलॉजी और चार वर्षीय बीटेक इन बायोटेक्नोलॉजी। कैरियर के लिहाज से इनमें से किसी पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद एमबीए करना बेहतर होगा, ताकि आपको तकनीकी ज्ञान के साथ साथ प्रबंधन कौशल भी आ सके।

अल्टरनेटिव मेडिसिन

एमबीबीएस के अतिरिक्त होमियोपैथी, यूनानी, आयुर्वेद जैसे अन्य कैरियर विकल्प भी हैं, जो आपको एक डॉक्टर के रूप में स्थापित कर सकते हैं। बैचलर इन आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड सर्जरी, बैचलर इन होमियोपैथी मेडिसिन एंड सर्जरी के अतिरिक्त नेचुरोपैथी, योग, फिजियोथेरपी जैसे पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, जिनको आप अपनी रुचि के अनुसार चुन सकते हैं।

नर्सिंग का क्षेत्र

नर्सिंग का क्षेत्र उन चुनिंदा क्षेत्रों में है, जिन में कभी भी रोजगार के अवसर कम नहीं होंगे। इस क्षेत्र में कई पाठ्यक्रम हैं, जैसे एक वर्षीय ऑक्जिलियरी नर्सिंग मिडवाइफरी यानी एएनएम से लेकर चार वर्षीय बीएससी नर्सिंग तक। मान्यता प्राप्त संस्थानों की सूची काउंसिल की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट इंडियन नर्सिंग काउंसिल डॉट ओआरजी पर उपलब्ध हैं।

इंडियन आर्मी

देश के युवाओं का एक तबका ऐसा भी है, जो अपने रोजगार के साथ–साथ देश की सेवा भी करना चाहता है। तो आर्ट्स के छात्र के रूप में आपके लिए यहां भी इंडियन आर्मी के दरवाजे खुले हुए हैं। जब आप स्नातक के अंतिम वर्ष में हों, तो संयुक्त लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सीडीएस यानी कंबाइंड डिफें स सर्विस में प्रवेश की योजना बनाएं।

प्रेग्नेंसी में कैसा भोजन खाना करना चाहिए?

आपको जरूरत है अपने आहार का ध्यान रखने की। क्या खाना है और क्या नहीं। क्या मैं नॉन–वेज खाऊं या नहीं। क्या मुझे पूरी तरह वेजिटेरियन रहना चाहिए। इसे लेकर कई महिलाएं दुविधा में रहती हैं। मांसाहारी भोजन में सब्जियों और फलों की तुलना में ज्यादा आयरन होता है। यदि आपको नॉन वेज खाने में कोई दिक्कत नहीं है तो यह आपके और आपके गर्भ में पल रहे बच्चे दोनों के लिए अच्छा होगा। यदि आपके शरीर में आयरन पहले से ही उचित मात्रा में मौजूद है तो आप नॉनवेज का इस्तेमाल 10 से 11 हफ्तों में भी कर सकती हैं।

नॉनवेज खाने में आपके लिए मछली का सेवन सबसे अच्छा रहेगा। मछली में ओमेगा 3 फैटी एसिड पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है और यह गर्भ में पल रहे बच्चे के दिमाग के लिए बहुत ही फायदेमंद हैं। हालांकि ओमेगा 3 फैटी एसिड के लिए आप भोजन में अलसी के बीजों का भी यूज कर सकती हैं, लेकिन इसके लिए मछली के सेवन से बेहतर कुछ नहीं। गर्भावस्था के दौरान आपको आम दिनों की ही तरह ही हेल्दी खाना खाना चाहिए। महिलाएं अपनी और गर्भस्थ शिशु की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने से खुशी का अनुभव करती है। इसलिए नॉन वेज उन सभी जरूरतों को पूरा करता है जो आपको और आपके नन्हें मेहमान के लिए जरूरी हैं। इस दौरान आपकी दिनभर की दिनचर्या में

ब्रेकफास्ट, पास्ता, चावल और रोटी सभी कुछ होना चाहिए। यदि आप नॉनवेज हैं तो आपको प्रोटीन युक्त फल और सब्जियों का इस्तेमाल करना चाहिए। आपको खाने से संबंधित सभी चीजें थोड़ी-थोड़ी मात्रा में नियमित अंतराल पर लेनी चाहिए। एक बार में ज्यादा खाना आपको नुकसान दे सकता है। ऐसी कुछ नॉन वेज डिश जिन्हें आप प्रोटीन और आयरन के लिए यूज कर सकती है।

चिकन स्वीट कोर्न सूप: चिकन स्वीट कोर्न सूप प्रोटीन के लिए बहुत ही अच्छा विकल्प है। इसे तैयार करने के लिए आपको 250 ग्राम बोन लैस चिकन, आधा कप स्वीट कोर्न क्रीम की जरूरत पड़ेगी।

स्टीम्ड लैमन फिश सैलड: स्टीम्ड लैमन फिश सैलड में प्रोटीन की पर्याप्त मात्रा के साथ ही आयरन और विटामिन सी होता है। यह गर्भावस्था के दौरान आपके और आपके यहां आने वाले नन्हें मेहमान के लिए फायदेमंद रहेगा। इसे तैयार करने के लिए 300 ग्राम बिना हड्डी वाली मछली, 2 हरी मिर्च, नींबू का रस और धनिया पत्ती चाहिए।

फिश फिंगर: फिश फिंगर को आप अपनी दिनचर्या में स्नैक्स की तरह यूज कर सकती हैं। इसमें न केवल प्रोटीन की पर्याप्त मात्रा है बल्कि विटामिन ई, विटामिन ए, विटामिन डी, ओमेगा 3 फैटी एसिड के साथ ही कैल्शियम भी है। इसे तैयार करने के लिए आपको 300 ग्राम बोन लैस फिश के पीस, धनिया पत्ती, नींबू का रस, जीरा पाउडर और फैट किया हुआ छोटे अंडे की जरूरत होगी।

चिकन टिक्का चाट: चिकन टिक्का चाट को भी आप फिश फिंगर की ही तरह बतौर स्नैक्स यूज कर सकती हैं। इसमें कैल्शियम, आयरन, फाइबर और विटामिन सी की भरपूर मात्रा है।

स्पाइसी स्पागेटी और मीटबॉल्स: इसका इस्तेमाल आप अपने खाने के दौरान कर सकती हैं। स्पाइसी स्पागेटी और मीटबॉल्स का सेवन आपको प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन और विटामिन सी सब कुछ देगा। इसे तैयार करने केक लिए 150 ग्राम स्पागेटी, 300 ग्राम मटन, मशरूम, प्याज, अदरक, दूध, अंडा और मिर्ची पाउडर की जरूरत होगी।

चिकन पीस पुलाव: चिकन पीस पुलाव में विटामिन ए, सी और के साथ ही फोलेट भी उचित मात्रा में होता है। टेस्टी चिकन पीस पुलाव का सेवन आप अपने भोजन में करें।

रेसिपी

ब्रेड कोफ्ता करी

सामग्री

ब्रेड कोफ्ते के लिए: 6 ताजे ब्रेड के स्लाईस, 5 स्पून ताजा दही, 2 स्पून मैदा, 2 स्पून बेसन, 2 स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 2 स्पून कटी हुई हरी मिर्च, एक चुटकी बेकिंग सोडा **अन्य सामग्री:** 1 कप लौकी के टुकड़े, 3 स्पून तेल, 1/2 कप उबले और छिले हुए छोटे आलू, आधे कटे हुए, 1/2 कप कसा हुआ प्याज, 1/4 स्पून हल्दी पाउडर, 2 स्पून धनिया-जीरा पाउडर, 2 स्पून लाल मिर्च पाउडर, 2 स्पून ताजा दही, 3/4 कप ताजा टमाटर का पल्प, 1/2 कप उबले हुए हरे मटर, **सजाने के लिए:** 1 स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया

विधि

ब्रेड कोफ्ते के लिए: ब्रेड स्लाईस के कीनारे निकाल लें। ब्रेड स्लाईस को बाउल मे रखकर चुरा कर लें, दही, मैदा, बेसन, धनिया, हरी मिर्च, बेकिंग सोडा और नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं। मिश्रण को 20 बराबर भाग मे बांटकर प्रत्येक भाग के गोल आकार बना लें। कढ़ाई मे तेल गरम करें और एक बार मे थोड़े कोफ्ते डालकर, उनके सभी तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज ने निकालकर एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधि:** एक गहरी नॉन-स्टिक कढ़ाई में लौकी और 1 कप पानी मिलाकर, बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर लौकी के नरम होने तक या 8-10 मिनट के लिए पका लें। मिश्रण को पुरी तरह ठ़डा कर मिक्सर मे पीसकर मुलायम पेस्ट बना लें। एक तरफ रख दें। गहरी नॉन-स्टिक कढ़ाई में 2 टेबल-स्पून तेल गरम करें और आलू डालकर मध्यम आंच पर 2-3 मिनट या आलू के सुनहरे होने तक भून लें। छानकर एक तरफ रख दें। उसी कढ़ाई में, बचा हुआ 1 टेबल-स्पून तेल गरम करें, प्याज डालकर मध्यम आंच पर 2-3 मिनट या प्याज के पारदर्शी होने तक भून लें। हल्दी, धनिया-जीरा पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और 2 टेबल-स्पून पानी डालकर मध्यम आंच पर 1 मिनट तक पकाएं। ताजा दही और टमाटर का पल्प डालकर अच्छी तरह मिलाएं और बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 1-2 मिनट के लिए पकाएं। लौकी का पेस्ट, 1/2 कप पानी, नमक, हरे मटर और भुने हुए आलू डालकर अच्छी तरह मिलाएं और बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 2-3 मिनट के लिऐ पकाएं। परोसने के तुरंत पहले ब्रेड कोफ्ता डालें और हल्के हाथों से मिलाकर मध्यम आंच पर 1-2 मिनट तक पकाएं। धनिया से सजाकर गरमा गरम परोसें।

हान्डी खिचड़ी

सामग्री

3/4 कप चावल, 15 मिनट के लिए भिगोकर छाने हुए, 1/4 कप बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 1/4 कप बारीक कटा हुआ प्याज, 1 स्पून धनिया-जीरा पाउडर, 1/4 स्पून हल्दी पाउडर, 1 स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, 1 स्पून लहसुन का पेस्ट, नमक स्वादअनुसार, 1/2 कप छिले हुए आलू के टुकड़े, 1/4 कप हरे मटर, 1/2 कप फूलगोभी के फूल, 2 स्पून तेल, 2 इलायची, 25 मिलीमीटर दालचीनी का टुकड़ा, **परोसने के लिए:** छाछ, पापड़

विधि

धनिया, प्याज, धनिया-जीरा पाउडर, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, लहसुन का पेस्ट और नमक को एक गहरे बाउल में अच्छी तरह मिला लें। आलू, हरे मटर, फूलगोभी, तेल, चावल, इलायची और दालचीनी डालकर अच्छी तरह मिला लें। इस मिश्रण को हान्डी में डालकर, 11/2 कप गरम पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें। ढक्कन से ढक कर, धीमी आंच पर 25-30 मिनट के लिए, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। छाछ और पापड़ के साथ तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**